FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
twitter.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in
www.focusnews.co.in
+focusnewsin

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। शुक्रवार 06 मार्च 2026। तृतीया, फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 13। अंक : 233

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया, यूक्रेन के संघर्षों को शीघ्र समाप्त करने का आह्वान किया

। कृष्णा अग्रवाल ।

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्षों को ''शीघ्र समाप्त'' करने का आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे का समाधान सैन्य टकराव के माध्यम से नहीं किया जा सकता। मोदी ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद ये टिप्पणियां कीं। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब अमेरिका और इजरायल का ईरान के साथ युद्ध छठे दिन में प्रवेश कर गया, जिसमें दोनों पक्षों ने नए हमले किए, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया। स्टब ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का जोरदार समर्थन किया, और तर्क दिया कि वर्तमान भू–राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए वैश्विक बहुपक्षीय प्रणाली में व्यापक सुधार के साथ–साथ यह "अत्यंत महत्वपूर्ण" है। अपने मीडिया बयान में मोदी ने कहा कि डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्र में भारत–फिनलैंड के संबंधों को एक रणनीतिक साझेदारी का रूप दिया जा रहा है जो एआई, 6जी दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग सहित कई उच्च–प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा। दोनों पक्षों ने रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति व्यक्त की। मोदी–स्टब वार्ता में पश्चिम एशिया का संकट प्रमुखता से उठाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत और फिनलैंड, दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। हम इस बात पर सहमत हैं कि किसी भी मुद्दे का समाधान केवल सैन्य संघर्ष से नहीं किया जा सकता है।" उन्होंने कहा,''चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम (शेष पेज दो पर)

सनातन धर्म सामाजिक सद्भाव और एकता को बढ़ावा देता है: मोहन भागवत

अहमदाबाद, फोकस न्यूज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि सनातन धर्म सामाजिक सद्भाव और एकता को बढ़ावा देता है। उन्होंने साथ ही कहा कि जाति के नाम पर भेदभाव किया जाना धर्म और समाज दोनों को नुकसान पहुंचाता है। भागवत ने यहां के निकट जेतलपुर गांव में स्वामीनारायण मंदिर में एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान की प्रत्येक रचना का एक उद्देश्य होता है और सभी के प्रति अपनेपन की भावना सामाजिक सद्भाव का सार है। उन्होंने कहा, "ईश्वर की सृष्टि में सूखी घास के तिनके का भी कोई न कोई उद्देश्य होता है। सभी को इसी भाव से अपनाना और हृदय में अपनेपन की भावना रखना ही सामाजिक समरसता कहलाता है। हर व्यक्ति ईश्वर की रचना है।'' भागवत ने कहा, ''ऊंच–नीच का भेद आखिर कहां से आया? जाति और वर्ग व्यवस्थाएं शायद मौजूद थीं, लेकिन इनका उद्देश्य भेदभाव करना नहीं था। जब इस तरह की व्यवस्था में भेदभाव प्रवेश कर जाता है, तो यह धर्म और समाज दोनों को नुकसान पहुंचाता है।'' उन्होंने कहा कि धर्म केवल शास्त्रों, भाषणों या कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार और आचरण में भी विद्यमान होता है। भागवत ने कहा, ''जब हम सनातन धर्म का पालन करते हैं, तो धर्म की रक्षा स्वतः ही हो जाती है। धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए लोगों में एकता आवश्यक है। यदि आप धर्म और संस्कृति की रक्षा करना चाहते हैं, तो उनका पालन करने वालों की रक्षा करें।'' उन्होंने कहा कि एकता से ही सुरक्षा मिलती है और ताकत भी इसी से उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि लोगों को एकजुट करने के लिए मन (शेष पेज दो पर)

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में केंद्रीय बलों की 480 कंपनियों की जिलावार तैनाती को अंतिम रूप दिया

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले निर्वाचन आयोग ने सोमवार को राज्य भर में केंद्रीय बलों की 480 कंपनियों की तैनाती के लिए जिलावार सूची जारी की।.

सैमसन के अर्धशतक से भारत फाइनल में, बेथेल के शतक के बावजूद इंग्लैंड सात रन से हारा

संजू सैमसन के तूफानी अर्धशतक से गत चैंपियन भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जैकब बेथेल के आक्रामक शतक के बावजूद इंग्लैंड को सात रन से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई।

आंध्र प्रदेश सरकार की दो साल में पीपीपी मॉडल के तहत 10 मेडिकल कॉलेज संचालित करने की योजना: मंत्री

आंध्र प्रदेश के मंत्री सत्य कुमार यादव ने बुधवार को कहा कि सरकार अगले दो वित्त वर्षों में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 10 मेडिकल कॉलेज संचालित करने के लिए कदम उठा रही है।

हंसिये और स्वस्थ रहिए

मानव की स्वभावगत प्रवृत्तियों में से एक बड़ी मोहक प्रवृत्ति है 'हास्य विनोद' की। मनुष्य के अतिरिक्त सभी जानवर शिकार कर सकते हैं, खाना एकत्र कर सकते हैं, प्यार जता सकते हैं परन्तु हंस नहीं सकते। यह वरदान तो सिर्फ मनुष्यों को ही मिला है।

नागिन 7 में चार चांद लगाएंगी कनिका मान

'नागिन 7' पूरी तरह लोगों के दिलों–दिमाग पर छा चुका है। इस शो में बदला, रहस्य और सुपरनैचुरल ड्रामा, सब कुछ एक साथ देखने को मिल रहा है जिसकी वजह से लगातार ऑडियंस का हुजूम इस शो से जुड़ता चला जा रहा है।

बीड में एक मकान के निर्माण स्थल से मिले ब्रिटिश काल के चांदी के ढाई सौ सिक्के

महाराष्ट्र के बीड जिले में एक मकान के निर्माण स्थल से ब्रिटिश काल के चांदी के लगभग 250 सिक्के बरामद किए गए।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री फरवरी में 20 प्रतिशत बढ़कर 34,034 इकाई

टीकेएम की कुल बिक्री फरवरी, 2026 में 20 प्रतिशत बढ़कर 34,034 इकाई रही।

छोटी-छोटी खुशियों में ही जीवन का असली आनंद है।

सीएम धामी ने बंगाल के चुनावी अभियान में टैगोर, विवेकानंद और नेताजी का उल्लेख किया

कोलकाता, फोकस न्यूज, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ टैगोर और सुभाष चंद्र बोस जैसी महान हस्तियों की भूमि पश्चिम बंगाल की छवि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के "कुशासन" के कारण धूमिल हुई है। उत्तर 24 परगना जिले के हिंगलगंज क्षेत्र में परिवर्तन यात्रा के दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि "तुष्टिकरण समर्थक" टीएमसी सरकार के शासन में बंगाल में घुसपैठियों की संख्या खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है, (शेष पेज दो पर)

दिल्ली पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए विभिन्न स्थलों का दौरा किया

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने होली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने और तैनात कर्मियों से बातचीत करने के लिए बृहस्पतिवार को दिल्ली के विभिन्न स्थलों का दौरा किया। गोलछा ने अधिकारियों और क्षेत्र में तैनात कर्मियों को होली की शुभकामनाएं दीं और त्योहार के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके कर्तव्य के प्रति समर्पण की सराहना की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आयुक्त ने विभिन्न स्थानों पर तैनात कर्मियों के साथ बातचीत की और उनके प्रयासों की प्रशंसा की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "होली का उत्सव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, यह सुनिश्चित (शेष पेज दो पर)

पीएम मोदी आठ मार्च को मेट्रो की नई लाइनों का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यासः रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ मार्च को दिल्ली मेट्रो रेल के दो नए गलियारों का उद्घाटन करेंगे और तीन अन्य गलियारों की आधारशिला रखेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के विस्तार के तहत शुरू की गई इन परियोजनाओं की लागत 18,300 करोड़ रुपये से अधिक है और इनका उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और शहर में यात्रियों के लिए रोजमर्रा के सफर को आसान बनाना है। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के जिन दो नए गलियारों का उद्घाटन करेंगे उनमें पिंक लाइन पर मजलिस पार्क से मौजपुर–बाबरपुर (शेष पेज दो पर)

गलत जीवन शैली देती है अकारण थकान

आज के आधुनिक युग की बीमारी है थकान। अगर थकान शारीरिक या मानसिक श्रम के उपरांत हो तो यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है पर आजकल लोग काम किए बिना ही थकान अनुभव करते हैं। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार इस अकारण थकान का कारण है गलत जीवन शैली या कोई बीमारी। अगर व्यक्ति मधुमेह, रक्ताल्पता, थायराइड आदि बीमारी से पीड़ित है तो उसे जल्द थकान हो जाती है पर थकान का सबसे प्रमुख कारण है गलत जीवन शैली जिसमें हम न तो संतुलित आहार ले रहे हैं और न ही शारीरिक श्रम कर रहे हैं। संतुलित आहार में हरी सब्जियों, फलों, अनाज, दालों की जगह ले रहे हैं नूडल्स, बर्गर, पिजा जो हमें पोषक तत्व की जगह दे रहे हैं मोटापा। शारीरिक श्रम के स्थान पर हम सारा दिन टी वी या कम्प्यूटर के सामने बैठे रहते हैं या कार में बैठकर बाहर चले जाते हैं। धीरे–धीरे हम स्थाई रूप से थकान का शिकार बन जाते हैं। थोड़ा सा भी अधिक काम करना पड जाए तो थकान अनुभव करने लगते हैं। इस थकान रूपी बीमारी से पीछा छुड़ाने के लिए जरूरी है संतुलित आहार, व्यायाम, पूर्ण विश्राम और शारीरिक श्रम। इसलिए अगर आप भी चुस्त रहना चाहते हैं तो अपनी जीवन शैली में इन सबको शामिल कीजिए।

अच्छी सेहत के लिए मन को प्रसन्नचित्त रखें

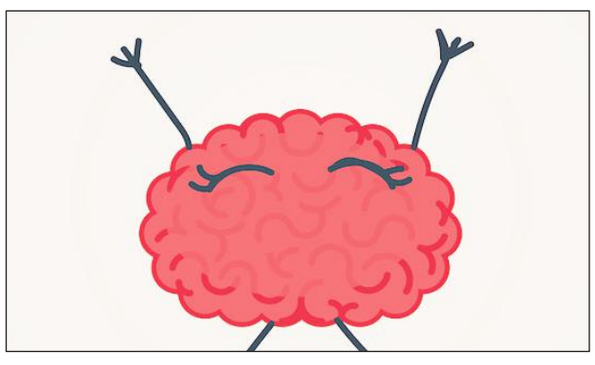

लजीज पकवान की कल्पना मात्र से ही मुंह में पानी आ जाता है। शोक समाचार पाकर उदासी छा जाती है, चेहरा लटक जाता है। प्रफुल्ल मुखाकृति से आंतरिक प्रसन्नता का पता चलता है। इस प्रकार अदृश्य होते हुए भी मन की हलचलों का भला और बुरा प्रभाव जीवन में पग–पग पर अनुभव होता है।

मनुष्य अपने मानस का प्रतिबिंब है। मानसिक दशा का स्वास्थ्य के साथ गहरा संबंध है। नवीनतम शोधों के आधार पर यह भी कहा जाने लगा है कि रोग शरीर में नहीं बल्कि मस्तिष्क में उत्पन्न होता है। यही कारण है कि उत्तम और समग्र स्वास्थ्य के लिए मन का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है।

राबर्ट लुई स्टीवेन्सन ने अंग्रेजी में कई साहसिक उपन्यास लिखे हैं। उन्हें पढ़ने वाले सोचते थे कि लुई भी योद्धा जैसा दिखने वाला कोई भारी भरकम कद का होगा जबकि वास्तविकता यह थी कि उसने अपनी अधिकांश प्रसिद्ध कृतियां रूग्णावस्था में चारपाई पर पड़े–पड़े लिखीं। शंकराचार्य अपने जीवन के उत्तरार्द्ध में भगंदर के मरीज रहे। वैद्य ने उनकी स्थिति को देखते हुए शारीरिक श्रम करने तथा चलने फिरने की मनाही की थी परन्तु उस जर्जर काया को लेकर उन्होंने चारों धाम की स्थापना, शास्त्रार्थ द्वारा (शेष पेज दो पर)

सही फाउंडेशन का करें चुनाव

मेकअप करते समय फाउंडेशन एक ऐसा ब्यूटी प्राडक्ट है जिसका प्रयोग मेकअप का बेस होता है। अगर बेस स्ट्रांग और सही होगा तो मेकअप का टिकना उस पर निर्भर करेगा। इसलिए फाउंडेशन का सही चुनाव करना अति आवश्यक है ताकि आपका मेकअप अच्छा और टिकाऊ लगे।

– फाउंडेशन का चुनाव अपनी त्वचा के अनुरूप करें वरना स्किन पैची और डल लगेगी। – अगर आपके चेहरे पर दाग (स्पॉटस) हैं तो स्टिक वाला फाउंडेशन खरीदें ताकि उसके प्रयोग से दाग पूरी तरह कवर हो सकें। – अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो मैट फिनिश वाले फाउंडेशन का प्रयोग करें। दरअसल तैलीय त्वचा हेतु वाटर बेस्ड, मैट फिनिश या ऑयल फ्री फाउंडेशन का ही चुनाव ठीक रहता है।

– तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पूर्व बर्फ को हल्का (शेष पेज दो पर)

बेहतर स्वास्थ्य के लिए टहलना है बहुत जरूरी

हम सभी जानते हैं कि टहलना हमारी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद है। खासकर सुबह–सुबह टहलने से हमें स्वच्छ हवा मिलती है जिसके बहुत सारे फायदे हैं। स्वच्छ हवा में टहलने से हम खुद को तरोताजा महसूस करते हैं। सामान्य तौर पर व्यक्ति को दस हजार कदम चलना चाहिए। जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए टहलना काफी बेहतर उपाय है। हर दिन टहलने से स्वास्थ्य तो अच्छा रहता ही है ,हमारा शरीर भी फिट रहता है। खुद को फिट रखने के लिए आजकल बहुत सारे लोग खाना छोड़ देते हैं, तरह–तरह की दवाएं लेने लगते हैं, जरूरत से ज्यादा जिम में पसीना बहाने लगते हैं जोकि एक सीमा तक ही ठीक है। फिट रहने का सबसे सामान्य उपाय है, पैदल टहलना। सुबह या शाम में समय (शेष पेज दो पर)

प्रधानमंत्री मोदी... (पेज एक का शेष) एशिया, हम संघर्षों के शीघ्र अंत और शांति की दिशा में किए जा रहे हर प्रयास का समर्थन करना जारी रखेंगे।'' मोदी ने भारत–यूरोप संबंधों में आए सुधार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "आज विश्व एक अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे वैश्विक माहौल में, दुनिया की दो सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्तियां भारत और यूरोप अपने संबंधों के सुनहरे दौर में प्रवेश कर रही हैं।" उन्होंने कहा, "हमारा बढ़ता सहयोग वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को नयी मजबूती दे रहा है।" फिनलैंड के राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और यूक्रेन के खिलाफ रूस के "आक्रामक युद्ध" पर विचार–विमर्श किया। उन्होंने कहा, "हम इस बात पर सहमत हुए कि युद्ध समाप्त करना सभी के हित में है। स्थायी शांति केवल वही हो सकती है जो संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों का सम्मान करती हो।" अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता नयी दिल्ली और हेलसिंकी के बीच संबंधों को और गहरा करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, "यह समझौता भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूत करेगा। भारत और फिनलैंड डिजिटल प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं।" प्रधानमंत्री ने फिनलैंड की दूरसंचार के क्षेत्र में दिग्गज कंपनी नोकिया के भारत में परिचालन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "नोकिया के मोबाइल फोन और टेलीकॉम नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ा है। फिनलैंड के वास्तुकारों के सहयोग से हमने चिनाब नदी पर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे पुल बनाया है। " मोदी ने कहा, "ऐसे महत्वपूर्ण उदाहरणों से प्रेरित होते हुए, राष्ट्रपति स्टुब की इस यात्रा में, हम भारत–फिनलैंड संबंधों को एक डिजिटलीकरण और सततता को रणनीतिक साझेदारी का रूप दे रहे हैं।" मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी साझेदारी को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा, "भारत और फिनलैंड जैसे लोकतांत्रिक और जिम्मेदार देशों के बीच यह रणनीतिक साझेदारी पूरी दुनिया के लिए भरोसेमंद प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में योगदान देगी।" उन्होंने कहा, "फिनलैंड नॉर्डिक क्षेत्र में भारत का महत्वपूर्ण साझेदार है। हम फिनलैंड के साथ मिलकर आर्कटिक और ध्रुवीय शोध में भी सहयोग बढ़ा रहें हैं।"

सनातन धर्म... (पेज एक का शेष) में अपनेपन और पूर्णता की भावना होनी चाहिए और ऐसा दृष्टिकोण ही वर्तमान समय में सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान है। भागवत ने कहा, ''भारत को अंततः दुनिया की समस्याओं के समाधान में मार्गदर्शन करना होगा। एक दिन भारत को ही पूरी दुनिया को राह दिखाने का दायित्व सौंपा जायेगा। हम इससे बच नहीं सकते; हमें यह काम आज नहीं तो कल करना ही होगा। दुनिया के पास अपनी समस्याओं के समाधान नहीं हैं। इस जिम्मेदारी के लिए हमें तैयार रहना होगा।'' उन्होंने कहा, ''धर्म लोगों को एकजुट करता है, इसलिए हमें एकजुट करने वाला बनना चाहिए, न कि विभाजन करने वाला। हमें सभी को एकजुट करना होगा।''
भागवत ने कहा, ''धर्म शाश्वत और चिरस्थायी है। न तो हमने और न ही किसी और ने इसे बनाया है। ईश्वर की इच्छा से इस सृष्टि की रचना हुई और उसके साथ जो नियम आए, वही धर्म हैं।'' उन्होंने ''धर्मो रक्षति रक्षितः'' वाक्यांश का हवाला देते हुए कहा कि जो लोग धर्म की रक्षा करते हैं, धर्म उनकी रक्षा करता है। उन्होंने मन, बुद्धि और कर्मों में सामंजस्य स्थापित करने के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि व्यक्तियों को आत्म–अनुशासन से शुरुआत करनी चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा, ''धर्म और मूल्यों की रक्षा शब्दों से नहीं, बल्कि आचरण से होती है। ऐसा केवल सपने देखने या बातें करने से नहीं, बल्कि कर्म करने से हासिल होता है।''

दिल्ली पुलिस... (पेज एक का शेष) करने के लिए पूरे शहर में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।" आयुक्त ने कनॉट प्लेस, लाजपत नगर मार्केट, साउथ एक्सटेंशन मार्केट, पंखा रोड, डाबरी, विकासपुरी, पीरागढ़ी चौक, प्रशांत विहार, रोहिणी मुकरबा चौक, किंग्सवे कैंप, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, वेलकम मेट्रो स्टेशन, श्यामलाल कॉलेज, लक्ष्मी नगर और आईटीओ स्थित डब्ल्यू–पॉइंट सहित कई स्थलों का दौरा किया।

बेहतर स्वास्थ्य... (पेज एक का शेष) निकाल कर थोड़ा बहुत टहल लेना। धीरे–धीरे शुरुआत करने से ही आगे टहलने की आदत बनी रहेगी। जो लोग रोजाना पैदल चलते हैं, उनका बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स, वेस्टलाइन और मेटाबॉलिज्म सब कुछ सही रहता है। इन लोगों में हृदय से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी कम होता है। वहीं दूसरी तरफ जो लोग घंटों ऑफिस में बैठकर काम करते हैं उनका बीएमआई, वेस्टलाइन, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल ज्यादा पाया जाता है। रोजाना थोड़ी देर टहलने का मतलब है कम से कम 30 से 45 मिनट पैदल चलना। अगर एक बार में ज्यादा चलना संभव न हो तो कम से कम तेज चाल में 15 मिनट सुबह और 15 मिनट शाम टहल लें। सुबह जगने के बाद आप आधे घंटे टहल लें। हर दिन चलने से सेहत दुरुस्त रखेगा और वजन भी कम होने लगेगा। इसके अलावा घबराहट बेचैनी टेंशन अवसाद गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप इत्यादि रोगों में भी बहुत आराम मिल सकता है। ध्यान दें, यदि आपको किसी प्रकार की कोई बीमारी है जैसे वेरीकोज वेंस अथवा कोई और बीमारी तो अपने चिकित्सक से जरूर परामर्श ले लें। डॉ रुप कुमार बनर्जी
होमियोपैथिक चिकित्सक

सही फाउंडेशन... (पेज एक का शेष) रगड़ लें ताकि फाउंडेशन अधिक समय तक त्वचा पर टिका रहे। बर्फ लगाने से त्वचा के छिद्र बंद हो जाएंगे और उस पर फाउंडेशन सील का काम करेगा। – अगर त्वचा साधारण है तो किसी भी प्रकार का फाउंडेशन लगाएं चाहे वो लिक्विड हो या पाउडर वाला, दोनों ठीक रहेंगे। अगर आप चाहते हैं मेकअप का प्रभाव अच्छा दिखे तो फाउंडेशन लगाने के बाद थोड़ा पाउडर अवश्य लगाएं। चेहरा अच्छा लगेगा और स्मूद भी।

पीएम मोदी... (पेज एक का शेष) और मैजेंटा लाइन पर दीपाली चौक से मजलिस पार्क का गलियारा शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके साथ प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के फेज–पांच (ए) के अंतर्गत तीन नए गलियारे के निर्माण का शिलान्यास भी करेंगे। गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम दिल्ली के डीडीए उत्सव स्थल–3 में (निरंकारी मंडल के सामने) सुबह आयोजित होगा। गुप्ता ने बताया कि ये परियोजनाएं देश की राजधानी को सही मायनों में 'विकसित दिल्ली' बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी। उनके मुताबिक, इन परियोजनाओं से राजधानी की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का विस्तार होगा, जिससे लोगों को आने–जाने में आसानी होगी, साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या कम होगी और प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने बताया, "मजलिस पार्क से मौजपुर–बाबरपुर खंड की लंबाई 12.3 किलोमीटर है और इसमें आठ एलिवेटेड स्टेशन हैं। यह गलियारा पहले से संचालित मजलिस पार्क–शिव विहार पिंक लाइन का हिस्सा है। इस खंड के खुलने से पिंक लाइन की कुल लंबाई लगभग 71.56 किलोमीटर हो जाएगी और दिल्ली को देश की पहली पूर्ण रूप से संचालित 'रिंग मेट्रो' मिलेगी।" उन्होंने बताया कि दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक का गलियारा मैजेंटा लाइन का हिस्सा है जिसकी लंबाई 9.92 किलोमीटर है और इसमें सात एलिवेटेड स्टेशन हैं। मुख्यमंत्री के मुताबिक, यह गलियारा पहले से संचालित बॉटनिकल गार्डन–कृष्णा पार्क एक्सटेंशन मैजेंटा लाइन का विस्तार है और नए गलियारे के जुड़ने से मैजेंटा लाइन की कुल लंबाई लगभग 49 किलोमीटर हो जाएगी। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली मेट्रो के चरण–पांच (ए) के अंतर्गत तीन नए गलियारों के निर्माण का भी शिलान्यास किया जाएगा, जिनमें रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक सेंट्रल विस्टा गलियारा, एरोसिटी से इंदिरा गांधी हवाई अड्डा टर्मिनल–1 तक और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक विस्तार शामिल हैं। यह दोनों गलियारे गोल्डन लाइन विस्तार का हिस्सा हैं। बयान के मुताबिक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक सेंट्रल विस्टा गलियारे की लंबाई 9.913 किलोमीटर होगी और यह भूमिगत बनाया जाएगा तथा इसमें नौ नए स्टेशन होंगे। बयान में कहा गया है कि एरोसिटी से आईजीआई हवाई अड्डा टर्मिनल–1 तक गोल्डन लाइन विस्तार की लंबाई 2.263 किलोमीटर होगी। इसके मुताबिक, तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक गोल्डन लाइन विस्तार की लंबाई 3.9 किलोमीटर होगी और यह एलिवेटेड गलियारा होगा और इसमें सरिता विहार डिपो, मदनपुर खादर और कालिंदी कुंज स्टेशन शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, "इन परियोजनाओं से एनसीआर के शहरों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। फरीदाबाद और बल्लभगढ़ के निवासी वायलेट लाइन के माध्यम से तुगलकाबाद पहुंचकर गोल्डन लाइन के जरिए सीधे आईजीडी हवाई अड्डा टर्मिनल–1 तक जा सकेंगे।" उन्होंने कहा कि वहीं नोएडा के यात्री मैजेंटा लाइन से कालिंदी कुंज पहुंचकर गोल्डन लाइन के माध्यम से हवाई अड्डा और दक्षिण दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों तक आसानी से यात्रा कर सकेंगे।

सीएम धामी... (पेज एक का शेष) कानून–व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है और महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं।" उन्होंने कहा, " रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिमचंद्र, विवेकानंद, नेताजी और खुदीराम बोस जैसे क्रांतिकारियों की धरती पश्चिम बंगाल में आज आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या, संदेशखालि में गरीब महिलाओं पर अत्याचार और टीएमसी नेताओं के भ्रष्टाचार के कारण हजारों स्कूली शिक्षकों की नौकरियां रद्द होने जैसी घटनाएं हो रही हैं। केवल भाजपा ही स्थिति बदलकर राज्य की गौरवशाली छवि वापस ला सकती है।" धामी ने कहा कि टैगोर का सपना 'सोनार बांग्ला' (स्वर्णिम बंगाल) टीएमसी शासन में धूमिल हो गया है, जिसे केवल भाजपा ही फिर से साकार कर सकती है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल के सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते (डीए) और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के डीए के बीच का अंतर देश में सबसे अधिक है। धामी ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो राज्य कर्मचारियों की लंबे समय से बरकरार मांगे पूरी की जाएंगी। धामी ने यह आरोप भी लगाया कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से धन मिलने के बावजूद राज्य सरकार उसे खर्च नहीं कर पाई, जिससे लोगों को लाभ नहीं मिल पाया। उन्होंने सवाल किया, "इसके लिए जिम्मेदार कौन है?" दोनों राज्यों की साझा विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा,"गंगा का उद्गम गंगोत्री से होता है, वह बंगाल से होकर बहती है और गंगासागर में जाकर समुद्र से मिलती है। इसलिए दोनों राज्य विरासत, आध्यात्मिकता, इतिहास और गंगा से जुड़े हुए हैं।" उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शिकागो में दिए गए ऐतिहासिक भाषण का भी उल्लेख किया और कहा कि उत्तराखंड सरकार उस स्थान का विकास कर रही है जहां स्वामी विवेकानंद ने ध्यान किया था। धामी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का भी जिक्र किया और कहा कि भाजपा भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। रैली के बाद धामी ने फूलों से सजे भगवा रंग के एक 'रथ' को हरी झंडी दिखाई और कुछ समय तक रैली में हिस्सा लिया, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। इस रैली में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार तथा पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी भी मौजूद थे।

दिल्ली पुलिस के एससीआरबी को डिजिटल अपराध रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए आईएसओ प्रमाणन मिला

नयी दिल्ली, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो को डिजिटल अपराध रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए बीआईएस द्वारा आईएसओ गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह प्रमाणन एससीआरबी की उन ऑनलाइन प्रणालियों को मान्यता देता है, जिनके माध्यम से मोटर वाहन चोरी और संपत्ति चोरी के लिए ई–प्राथमिकी, ई–एनसीआर (गैर संज्ञेय रिपोर्ट), जीरो साइबर प्राथमिकी और सामान गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कर पर उनपर कार्रवाई की जाती है। साथ ही इन सेवाओं का क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) प्लेटफॉर्म से एकीकरण भी किया गया है। एससीआरबी टीम डेटा की गुणवत्ता बनाए रखने, जिला इकाइयों और थानों के साथ वास्तविक समय में समन्वय स्थापित करने, तकनीकी और प्रक्रियात्मक मसलों को हल करने और नियमित प्रशिक्षण और क्षमता–निर्माण पहल आयोजित करने के लिए जिम्मेदार है। दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम के नेतृत्व वाली एससीआरबी टीम को प्रमाणन प्राप्त करने पर बधाई दी। पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई और फिंगरप्रिंट ब्यूरो को क्रमशः जनवरी और जुलाई 2025 में आईएसओ प्रमाणन प्राप्त हो चुका है।

मणिपुर सरकार हर नागरिक के कल्याण के लिए समर्पित है: खेमचंद सिंह

इंफाल, (भाषा) मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक के कल्याण के लिए एक मजबूत और अधिक प्रगतिशील राज्य के निर्माण के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री सिंह ने यह टिप्पणी मंत्रिमंडल की बैठक के बाद की। एक दिन पहले ही दो उपमुख्यमंत्रियों एल. दिखो और नेमचा किपगेन के साथ–साथ मंत्रियों गोविंददास कोंठुजाम और के. लोकेन सिंह को विभागों का वितरण किया गया था। सिंह ने बैठक का विवरण 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, "आज सचिवालय में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जहां हमने प्रशासन और शासन के प्रमुख मामलों पर व्यापक विचार–विमर्श किया और पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर आधारित अधिक नागरिक–केंद्रित प्रणाली प्रदान करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की।"

अच्छी सेहत... (पेज एक का शेष) दिग्विजय तथा धर्मग्रंथों के भाष्य आदि का विशाल कार्य संपन्न किया।
यहां शारीरिक स्वास्थ्य के नियमों की अवहेलना करने अथवा उन्हें नगण्य बताने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। कहने का आशय केवल इतना है कि स्वस्थ शरीर का सदुपयोग जिस मानसिकता के आधार पर संभव होता है उसके विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाना चाहिए। मनः स्थिति हल्की–फुल्की रहनी चाहिए।
प्रसन्न रहना मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है। उदासीन रहने वालों की अपेक्षा खुश मिजाज लोग अक्सर अधिक स्वस्थ, उत्साही और स्फूर्तिवान पाये जाते हैं। प्रसन्नता को महत्त्वपूर्ण आध्यात्मिक सद्गुण माना गया है और कहा गया है कि प्रसन्नचित को उद्विग्नता नहीं सताती एवं उन्हें जीवन में दुःख कभी नहीं सताते। अकारण भय, आशंका, क्रोध, दुश्चिन्ता आदि की गणना मानसिक रोगों में की जाती है। जिस प्रकार शारीरिक रूग्णता का लक्षण मुख–मंडल पर दृष्टिगोचर होता है उसी प्रकार मन की रूग्णता भी चेहरे पर झलकती है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार–मुस्कान वह दवा है जो इन रोगों के निशान आपके चेहरे से ही नहीं उड़ा देती वरन् इन रोगों की जड़ भी आपके अंतर्मन से निकाल देती है।कुछ लोग बोझिल मन से परेशान रहते हैं। ऐसे लोगों को प्रसन्न रहने की कला सीखनी चाहिए। यह अभ्यास करने के लिए आज और अभी से तैयार हुआ सकता है। दैनिक जीवन में जिससे साक्षात्कार हो, उससे यदि मुस्कुराते हुए मिला जाए तो बदले में सामने वाला भी आपको मुस्कुराहट ही भेंट करेगा।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

पश्चिम एशिया संघर्ष : प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान व कुवैत के युवराज से बात की

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक और कुवैत के युवराज शेख सबाह अल–खालिद अल–हमद अल–मुबारक अल–सबाह से बात की और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जतायी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टेलीफोन पर हुई बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों नेताओं से वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर भी चर्चा की। एक अधिकारी ने बताया, ''प्रधानमंत्री ने मंगलवार दोपहर बाद खाड़ी क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण नेताओं से बातचीत की। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक और कुवैत के युवराज शेख सबाह अल–खालिद अल–हमद अल–मुबारक अल–सबाह से फोन पर बातचीत की।'' मोदी ने दोनों नेताओं से बातचीत के दौरान, उनके देश में हुए हमलों पर चिंता जतायी और वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर चर्चा की। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए संयुक्त हमले के बाद फोन पर यह बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दो दिन में बहरीन के शाह और सऊदी अरब के युवराज से बात की तथा दोनों देशों पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा की। मोदी ने कहा कि भारत इस कठिन घड़ी में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से भी बात की और क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की है।

कांग्रेस–द्रमुक सीट बंटवाराः पी चिदंबरम ने स्टालिन से की मुलाकात

चेन्नई, (भाषा) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष सेल्वापेरुन्थागई के साथ मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से उनके कार्यालय में मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे की वार्ता को लेकर गतिरोध बना हुआ है। इससे पहले, सेल्वापेरुन्थागई ने चिदंबरम से मुलाकात की और चर्चा के बाद दोनों मुख्यमंत्री के आवास पर गए। अभी और अधिक जानकारी नहीं मिल पाई है। कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर के नेतृत्व वाली कांग्रेस सीट बंटवारा समिति ने पिछले सप्ताह प्रारंभिक वार्ता की थी और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कोषाध्यक्ष टी. आर. बालू के नेतृत्व वाली द्रमुक की समिति को अपनी 'मांग सूची' सौंपी थी।

दिल्ली सरकार ने 400 से अधिक भिखारियों को रेहड़ी पटरी वाले विक्रेता बनने में मदद की

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय राजधानी में भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सरकारी कार्यक्रम के तहत पिछले डेढ़ वर्षों में 400 से अधिक भिखारियों को प्रशिक्षित किया गया और उनका पुनर्वास कराया गया, जिनमें से कई अब सड़कों पर रेहड़ी पटरी लगाकर सामान बेचने का काम कर रहे हैं और कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि 'स्माइल' योजना के तहत दिल्ली सरकार ने लगभग 400 भिखारियों को प्रशिक्षित किया और शहर में भीख मांगने में लगे लगभग 4,000 लोगों की पहचान की, जिनमें से लगभग 21 प्रतिशत बुजुर्ग हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया की शुरुआत गैर सरकारी संगठनों द्वारा भिखारियों की पहचान किये जाने तथा उन्हें दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के आठ चयनित 'रैनबसेरों' में पहुंचाने से हुई, जहां उनकी चिकित्सा जांच की गयी, बुनियादी तौर–तरीके सिखाये गये और उन्हें जरूरी परामर्श दिया गया। अधिकारी ने कहा, ''उनमें से अधिकतर गरीबी, उम्र या परिवार से बिछड़ने के कारण भीख मांगने के लिए मजबूर हो गए थे। इनमें से कई बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों से आए प्रवासी हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से अधिकतर 35–40 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। अधिकारी ने कहा कि उनकी उम्र और इच्छा को ध्यान में रखकर कौशल प्रशिक्षण में व्यावहारिक और आजीविका–उन्मुख कौशल प्रदान करने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा,''हमने उनमें से अधिकतर को सब्जी या फल बेचने वाले रेहड़ी पटरी वाले के रूप में प्रशिक्षित किया, जबकि कुछ को खाना पकाने, घरेलू काम और बुनियादी पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया।'' उन्होंने बताया कि कई लाभार्थियों को प्रशिक्षित कर द्वारका और नजफगढ़ जैसे क्षेत्रों में उनका पुनर्वास किया गया, जहां उन्हें दिल्ली नगर निगम में रेहड़ी पटरी वाले के रूप में पंजीकृत भी कराया गया। अधिकारी ने बताया कि पंजीकरण से उन्हें उत्पीड़न से सुरक्षा मिली और सरकारी ऋण एवं पेंशन योजनाओं तक उनकी पहुंच संभव हुई।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में केंद्रीय बलों की 480 कंपनियों की जिलावार तैनाती को अंतिम रूप दिया

कोलकाता, (भाषा) पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले निर्वाचन आयोग ने सोमवार को राज्य भर में केंद्रीय बलों की 480 कंपनियों की तैनाती के लिए जिलावार सूची जारी की। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय बलों की 240 कंपनियां पहले ही राज्य में पहुंच चुकी हैं और चुनाव पूर्व तैनाती के तहत विभिन्न जिलों में मार्च शुरू कर चुकी हैं, जबकि शेष 240 कंपनियों के 10 मार्च को पहुंचने का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि तैनाती के दूसरे चरण के साथ, जिलों में कुल 480 कंपनियों की तैनाती के कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया गया है। उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग को 11 कंपनियां तैनात की जाएंगी, जिनमें से छह को पहले चरण में और पांच को दूसरे चरण में तैनात किया जाएगा। वहीं, सिलीगुड़ी पुलिस आयुक्तालय में पांच कंपनियां होंगी, जबकि कलिम्पोंग को चार कंपनियां मिलेंगी। अधिकारी के अनुसार, अलीपुरद्वार में कुल सात कंपनियां होंगी और जलपाईगुड़ी में कुल 10 कंपनियां होंगी। उत्तर दिनाजपुर जिले में इस्लामपुर पुलिस जिले को नौ कंपनियां मिलेंगी, जिनमें से पांच पहले ही पहुंच चुकी हैं, जबकि रायगंज पुलिस जिले को 10 कंपनियां मिलेंगी। दक्षिण दिनाजपुर में 10 कंपनियां होंगी, और दूसरे चरण में अतिरिक्त तैनाती की कोई योजना नहीं है। मालदा में 18 कंपनियां काम करेंगी, जिनमें से 12 पहले ही काम शुरू कर चुकी हैं और छह अन्य कंपनियां दूसरे चरण में शामिल होंगी। अधिकारी ने बताया कि मुर्शिदाबाद पुलिस जिले को कुल 20 कंपनियां मिलेंगी, जबकि जंगीपुर पुलिस जिले को 15 कंपनियां मिलेंगी। नदिया में, कृष्णानगर पुलिस जिले को 13 कंपनियां और रानाघाट पुलिस को नौ कंपनियां मिलेंगी। उन्होंने कहा कि कोलकाता में कुल 30 कंपनियां होंगी, जिनमें से 12 को पहले चरण में तैनात किया जाएगा और 18 को दूसरे चरण में भेजा जाएगा।हावड़ा पुलिस आयुक्तालय को 10 कंपनियां मिलेंगी, जबकि हावड़ा ग्रामीण पुलिस जिले को 11 कंपनियां मिलेंगी। हुगली (ग्रामीण) में 16 कंपनियां और चंदननगर पुलिस आयुक्त कार्यालय में 11 कंपनियां तैनात की जाएंगी। अधिकारी के अनुसार, उत्तर 24 परगना में, बारासात पुलिस जिले में 11 कंपनियां, बोंगांव में 6, बशीरहाट में 17 और बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय में 19 कंपनियां होंगी। बिधाननगर पुलिस आयुक्त कार्यालय में पांच कंपनियां होंगी। उन्होंने कहा कि दक्षिण 24 परगना में, बारुईपुर पुलिस जिले में 13 कंपनियां होंगी, डायमंड हार्बर में 11 और सुंदरबन में 9 कंपनियां तैनात की जाएंगी। पूर्वी मेदिनीपुर में 28 कंपनियां तैनात की जाएंगी, जबकि पश्चिमी मेदिनीपुर में 20 कंपनियां होंगी। चुनाव निकाय के अधिकारी ने बताया कि झाड़ग्राम में 11 कंपनियां होंगी, जबकि पूर्वी बर्धमान में 25 कंपनियां, आसनसोल–दुर्गापुर पुलिस आयुक्तालय (17), बीरभूम (21) कंपनियां, पुरुलिया (20) और बांकुरा में 13) कंपनियां तैनात की जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि यह तैनाती चुनाव तिथियों की औपचारिक घोषणा से काफी पहले सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से की जा रही है। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''उद्देश्य मतदाताओं में विश्वास जगाना और यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हों।''

हमारी नजर पश्चिम एशिया की स्थिति पर, कन्नड़ लोगों की सुरक्षा शीर्ष प्राथमिकता : सिद्धरमैया

बेंगलुरु, (भाषा) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि पश्चिम एशिया में हाल में तनाव बढ़ने के बाद उत्पन्न स्थिति पर वह बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि विदेश में रहने वाले कन्नड़ लोगों की सुरक्षा और भलाई उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर कहा कि अब तक मिली जानकारी के अनुसार, हवाई क्षेत्र में व्यवधान और उड़ानें रद्द होने के कारण लगभग 100 कन्नड़ लोग संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) में और नौ लोग बहरीन में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''हमारी टीम इन बातों की पुष्टि करने और सहायता प्रदान करने के लिए लगातार संपर्क में हैं।'' अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री ने खाड़ी क्षेत्र में स्थित भारतीय दूतावासों के हेल्पलाइन नंबर साझा करते हुए कहा, ''पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में हाल में तनाव बढ़ने के बाद उत्पन्न स्थिति पर मैं बारीकी से नजर रख रहा हूं। विदेश में रहने वाले प्रत्येक कन्नड़ व्यक्ति की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) और सभी जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (डीईओसी) को चौबीसों घंटों के लिए सक्रिय कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''हम विदेश मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के साथ निरंतर समन्वय में हैं। हमारे मुख्य सचिव ने भारत सरकार को पत्र लिखकर कन्नड़ भाषी लोगों की सुरक्षा, सहायता और संभावित वापसी के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया है।'' सिद्धरमैया ने कहा कि आवश्यक सहायता प्रदान करने, जल्द से जल्द वापसी उड़ानें सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस के साथ समन्वय का अनुरोध करते हुए एक अलग पत्र भी भेजा गया है। उन्होंने कहा, ''प्रभावित क्षेत्र में हमारे भाइयों और बहनों से निवेदन है कि वे धैर्य रखें और स्थानीय अधिकारियों तथा भारतीय दूतावासों द्वारा जारी सलाहों का सख्ती से पालन करें।

महाराष्ट्र में 1.04 लाख प्राथमिक विद्यालयों में 1.45 करोड़ छात्र कर रहे हैं पढ़ाईः आर्थिक सर्वेक्षण

मुंबई, (भाषा) महाराष्ट्र में 1.04 लाख से अधिक प्राथमिक स्कूल हैं, जिनमें लगभग 1.45 करोड़ छात्र–छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों की संख्या 29,641 है, जिनमें 63.6 लाख छात्र पढ़ते हैं। बृहस्पतिवार को राज्य विधानमंडल में पेश 2025–26 के आर्थिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। सर्वेक्षण में कहा गया कि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों की संख्या 2023–24 में 1,04,499 थी जो 2024–25 में बढ़कर 1,04,526 हो गई है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों का प्रतिशत 2023–24 में 75.2 प्रतिशत था, जो 2024–25 में घटकर 75.1 प्रतिशत रह गया। शून्य से 14 वर्ष के बच्चों के लिए प्रति हजार बच्चों पर प्राथमिक स्कूल की संख्या 2023–24 में 10.1 थी, जो 2024–25 में घटकर 10 रह गई। लड़कियों का नामांकन प्रतिशत 2023–24 में 47.7 प्रतिशत था, जो 2024–25 में बढ़कर 47.8 हो गया। छात्र–शिक्षक अनुपात 2023–24 में 31.1 था, जो अब घटकर 30:1 हो गया है।

सीआईएसएफ ड्रोन और साइबर खतरों से निपटने की अपनी क्षमता को विकसित करेगाः महानिदेशक

भुवनेश्वर, (भाषा) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर ड्रोन और साइबर हमलों के संभावित खतरों से निपटने की अपनी क्षमता को विकासित करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यहां यह जानकारी दी। सीआईएसएफ के महानिदेशक (डीजी) प्रवीर रंजन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हुए ड्रोन हमलों और ईरान में जारी संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा, ''अगली आधुनिकीकरण योजना में हम बड़े पैमाने पर ड्रोन और ड्रोन–रोधी प्रशिक्षण शुरू करेंगे।'' सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए रंजन ने कहा कि उन्होंने राजस्थान के बहरोर स्थित अपनी इकाई में एक ड्रोन प्रशिक्षण और ड्रोन–रोधी क्षमता प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है। रंजन ने कहा कि गृह मंत्रालय ने ड्रोन संचालन और ड्रोन–रोधी प्रणालियों के प्रशिक्षण के लिए 'रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन' (आरपीटीओ) की स्थापना को मंजूरी दे दी है। उन्होंने आगे कहा कि महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हवाई खतरे के लिए सीआईएसएफ को नोडल एजेंसी नामित किया गया है। उन्होंने कहा कि आजकल हर क्षेत्र साइबर खतरों का सामना कर रहा है, इसलिए, सिस्टम (सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन) की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि सब कुछ सिस्टम द्वारा ही किया जाता है। महानिदेशक ने कहा, ''सीआईएसएफ साइबर सुरक्षा में अपनी क्षमता विकसित करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास कर रही है। हमने पहले ही कुछ साइबर कमांडो प्रशिक्षित कर लिए हैं।'' अधिकारियों ने बताया कि सीआईएसएफ ने 2026–30 के आधुनिकीकरण योजना के तहत 819 करोड़ रुपये की लागत से 76 मदों की पहचान की है, जिनमें ड्रोन समाधानों पर प्रशिक्षण, एक एकीकृत साइबर सुरक्षा प्रयोगशाला की स्थापना, एक समर्पित डेटा केंद्र और अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए एक जीरो–ट्रस्ट नेटवर्क शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीआईएसएफ की मुंडाली इकाई के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे और बल की दो आवासीय परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। शाह कोलकाता के राजारहाट में एक आधुनिक आवासीय परिसर (72.46 करोड़ रुपये) और दिल्ली के मैदान गढ़ी में एक अन्य आवास परियोजना (253.10 करोड़ रुपये) का उद्घाटन करेंगे। वे असम के नागरबेरा में 9वीं रिजर्व बटालियन (124.73 करोड़ रुपये), महाराष्ट्र के नासिक में 11वीं रिजर्व बटालियन (195.29 करोड़ रुपये) और मध्य प्रदेश के सीहोर में 12वीं रिजर्व बटालियन (243.73 करोड़ रुपये) की आधारशिला भी रखेंगे। आज दो लाख कर्मियों की संख्या के साथ केंद्रीय बल 25 राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 361 महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करता है। बल को सुदृढ़ करने के लिए, गृह मंत्रालय ने पिछले वर्ष सीआईएसएफ कर्मियों की संख्या दो लाख से बढ़ाकर 2.2 लाख कर दी। अगस्त 2025 में स्वीकृत इस 10 प्रतिशत की वृद्धि का उद्देश्य हवाई अड्डों, बंदरगाहों और औद्योगिक केंद्रों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों तक प्रतिवर्ष लगभग 14,000 कर्मियों की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि 2025 में बल में 32,733 कर्मियों की भर्ती की गई थी, जबकि इस वर्ष 21,790 कर्मियों की भर्ती की जाएगी।

कांग्रेस ने असम के लिए 42 उम्मीदवार घोषित किए, गोगोई को जोरहाट से टिकट

नयी दिल्ली/गुवाहाटी, (भाषा) कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपने 42 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई का नाम भी शामिल है, जिन्हें जोरहाट से टिकट दिया गया है। पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की पहली सूची, राज्य विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने से पहले जारी की गई है। प्रदेश में इस साल अप्रैल–मई में विधानसभा चुनाव संभावित है। गौरव गोगोई ने मंगलवार को आगामी विधानसभा चुनावों में जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से टिकट देने के लिए पार्टी नेताओं का आभार व्यक्त किया। टिकट की घोषणा के बाद गोगोई ने 'एक्स' पर पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया। कांग्रेस ने असम विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवब्रत सैकिया को नाजिरा विधानसभा क्षेत्र से एक बार फिर उम्मीदवार बनाया है। यहां से वह वर्तमान में विधायक हैं। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई को जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया गया है। कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे गोगोई मौजूदा समय में जोरहाट संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य हैं। पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के पुत्र गौरव गोगोई फिलहाल लोकसभा में पार्टी के उपनेता भी हैं। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रिपुन बोरा को बारछल्ला विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। कांग्रेस ने रुपानीनट से नूरुल हुदा, सोनारी से उत्पल गोगोई, सिलचर से अभिजीत पॉल और नलबाड़ी से अशोक कुमार शर्मा को टिकट दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को इस बार असम विधानसभा चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है और उम्मीदवारों के चयन में उनकी प्रमुख भूमिका मानी जा रही है। वर्तमान में, असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा के 64 विधायक है, जबकि उसके सहयोगी एजीपी के नौ विधायक, यूपीपीएल के सात और बीपीएफ के तीन विधायक हैं। विपक्षी खेमे में कांग्रेस के 26 विधायक, एआईयूडीएफ के 15 सदस्य और माकपा का एक विधायक है। एक निर्दलीय विधायक भी है।

तेज आवाज में संगीत सुनने से कम उम्र में ही सुनने की क्षमता होती है प्रभावितः एम्स के विशेषज्ञ

नयी दिल्ली, (भाषा) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली के विशेषज्ञों ने सोमवार को कहा कि लाउडस्पीकर, हेडफोन और अन्य व्यक्तिगत ऑडियो उपकरणों के जरिए तेज संगीत और ध्वनि के लंबे तथा अत्यधिक संपर्क के कारण समय से पहले और अपूरणीय श्रवण हानि हो सकती है। विश्व श्रवण दिवस की पूर्व संध्या पर एम्स–दिल्ली में ईएनटी (कान,नाक, गला) विभाग के प्रोफेसर डॉ. कपिल सिक्का ने कहा कि तेज आवाज के लंबे समय तक संपर्क में रहने से सुनने की क्षमता में कमी धीरे–धीरे विकसित होती है, इसलिए कई लोग शुरुआती चरण में इसे जान नहीं पाते। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसा नुकसान अपूरणीय है, लेकिन इसे रोका जा सकता है। ईएनटी विभाग के प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि श्रवण हानि से बचने के लिए व्यक्तिगत ऑडियो उपकरणों का उपयोग अधिकतम सीमा के 60 प्रतिशत से कम ध्वनि स्तर पर किया जाना चाहिए और लगभग 60 मिनट का विराम लेना चाहिए। डॉ. कुमार ने कहा, ''शोर का स्तर जितना अधिक होगा, श्रवण हानि से बचने के लिए संपर्क की अवधि उतनी ही कम होनी चाहिए। इससे संचयी श्रवण हानि के बोझ को रोका जा सकेगा।'' ईएनटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. पूनम सागर ने कहा कि शोर–जनित श्रवण हानि, मनोरंजन संबंधी तेज ध्वनि वाली गतिविधियां और व्यक्तिगत ऑडियो उपकरणों के अत्यधिक उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि इसके बढ़ते चलन को कम किया जा सके। विशेष रूप से युवाओं से अपील करते हुए विशेषज्ञों ने शोर–जनित श्रवण हानि के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया। इस वर्ष विश्व श्रवण दिवस की थीम ''समुदाय से कक्षा तक – सभी बच्चों के लिए श्रवण देखभाल'' है।

राकांपा के गुटों के विलय की संभावना खत्म, यह मुद्दा हमारे एजेंडे में नहींः जयंत पाटिल

मुंबई, (भाषा) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल ने बुधवार को पार्टी के दोनों गुटों के विलय की संभावना को खारिज कर दिया और स्वीकार किया कि राकांपा प्रमुख अजित पवार के विमान दुर्घटना में निधन के बाद बातचीत रुक गई। पाटिल ने कहा कि दोनों गुटों के विलय का मुद्दा अब राकांपा (शप) के एजेंडे में नहीं है। उन्होंने विधान भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, ''राकांपा के दोनों गुटों के विलय की संभावना खत्म हो चुकी है। विलय का विचार (तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख) अजित पवार का था। वह दोनों पक्षों से बातचीत कर रहे थे। उनके निधन के बाद से बातचीत रुक गई है। मुझे भविष्य में इन वार्ताओं के दोबारा शुरू होने की कोई संभावना नहीं दिखती। विलय अब एजेंडे में नहीं है।'' इन टिप्पणियों के समय को लेकर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि महाविकास आघाडी के तीनों घटक दलों– शिवसेना (उबाठा), राकांपा (शप) और कांग्रेस ने महाराष्ट्र में राज्यसभा की एकमात्र सीट पर चुनाव लड़ने का दावा किया है। सूत्रों के अनुसार, शिवसेना (उबाठा) और कांग्रेस ने आशंका जताई थी कि राकांपा गुटों का विलय एवं शरद पवार का उच्च सदन में पुनः नामांकन प्रभावी रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को सातवीं सीट सौंपने के समान होगा। जयंत पाटिल ने स्पष्ट किया कि विलय की बातचीत समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा, ''हमारे दोनों सहयोगी दल इस बात से भली–भांति अवगत हैं।''

भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने होली उत्सव में भाग लिया, हिंदुओं के बीच अधिक एकता का आह्वान किया

कोलकाता, (भाषा) पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भबानीपुर में 'डोल यात्रा' उत्सव और शोभायात्रा में भाग लिया तथा हिंदुओं के बीच अधिक एकता का आह्वान किया। भबानीपुर में सनातन हिंदू समाज की रैली में भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि देश में ''धर्मनिरपेक्षता जैसे शब्दों की गलत व्याख्या की जा रही है''। उन्होंने कहा, ''इस देश का नाम हिंदुस्तान है। इसका अर्थ है कि हिंदू और अन्य समुदायों के लोग यहां सदियों से शांतिपूर्वक रहते आए हैं। हम कुछ लोगों को धर्मनिरपेक्षता को भारत की सच्ची बहुलवादी भावना से भ्रमित करने और उसे मिलाने की अनुमति नहीं देंगे, जहां विभिन्न धर्मों के लोगों को अपने धर्म का पालन करने का समान अधिकार है।'' अधिकारी ने कहा, ''पवित्र 'डोल यात्रा' के दिन, मैं अपने हिंदू भाइयों और बहनों से आह्वान करता हूं कि वे शांतिपूर्वक एकजुट होकर इस तुष्टीकरणवादी ममता बनर्जी सरकार को सत्ता से हटा दें, जो अपने वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को यहां रहने की अनुमति देकर बंगाल की जनसांख्यिकी को बदलना चाहती है।'' राज्य में अप्रैल में विधानसभा चुनाव होना है। अधिकारी के भबानीपुर दौरे ने राजनीतिक हलकों में इन अटकलों को हवा दी है कि वह इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते हैं। भाजपा ने हाल ही में इस क्षेत्र में एक नया पार्टी कार्यालय भी खोला है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अधिकारी की टिप्पणियां चुनाव से पहले भाजपा के हिंदुत्व के रुख में तीक्ष्णता का संकेत देती हैं, जिसमें त्योहारों के मंच का उपयोग हिंदू मतदाताओं के बीच समर्थन को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि हिंदुओं के वोट जुटाने के लिए उत्सवों के दौरान भाजपा की ''सांप्रदायिक और विभाजनकारी टिप्पणियां'' सफल नहीं होंगी। घोष ने कहा, ''हमारे राज्य में, सभी धर्मों के लोग समान उत्साह के साथ 'डोल यात्रा'/होली मना रहे हैं। आज मुसलमान उपवास भी रख रहे हैं और होली समारोह में भी भाग ले रहे हैं। यही हिंदुस्तान का सच्चा अर्थ है, न कि भाजपा द्वारा प्रचारित 'एक राष्ट्र एक समुदाय' का राज्य।''

दिल्ली सरकार ने 'ड्रेनेज मास्टर प्लान' के तहत 300 किलोमीटर तक नालियों के पुनर्निर्माण की योजना बनायी

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली सरकार ने नये 'ड्रेनेज मास्टर प्लान' के पहले चरण के तहत अगले वित्त वर्ष में 300 किलोमीटर के जल निकास नेटवर्क का पुनर्निर्माण करने की योजना बनाई है। दिल्ली की अगले 30 वर्षों की जल निकासी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किये गये इस बहुप्रतीक्षित जल निकासी मास्टर प्लान ('ड्रेनेज मास्टर प्लान') को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने पिछले साल सितंबर में जारी किया था। एक सरकारी अधिकारी ने बताया, ''हाल में आयोजित बजट संबंधी बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 300 किलोमीटर जल निकासी व्यवस्था के नवीनीकरण का कार्य किया जाएगा, जिसके लिए बजट संबंधी आवश्यकताएं सरकार को भेजी जाएंगी।'' इस योजना का शहर में दो चरणों में कार्यान्वयन का प्रस्ताव है, जिसका उद्देश्य अगले तीन वर्षों में जलभराव की घटनाओं को 50 प्रतिशत तक और अगले पांच वर्षों में बाढ़ से संबंधित दुर्घटनाओं को 30 प्रतिशत तक कम करना है। इस कार्यान्वयन पर 57,362 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। पीडब्ल्यूडी ने जलभराव वाले प्रमुख क्षेत्रों में कुछ जल निकासी पुनर्निर्माण परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी दे दी है। अधिकारियों के अनुसार, ये कार्य मास्टर प्लान के सुझावों के अनुसार किए जाएंगे। अधिकारी ने बताया, ''आज़ादपुर परियोजना, महरौली–बदरपुर सड़क, नांगलोई और कंझावला क्षेत्रों के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं। हमारा जोर जुड़े हुए मार्गों पर योजनाबद्ध तरीके से नालियों का पुनर्निर्माण करने पर है ताकि लंबे समय से चली आ रही बुनियादी ढांचे की कमियों को व्यवस्थित ढंग से दूर किया जा सके।'' उन्होंने कहा कि उत्तरी दिल्ली के मॉडल टाउन–दो, मॉडल टाउन–तीन और कुशल सिनेमा रोड में भी इसी तरह की नाली सुधार परियोजना पीडब्ल्यूडी द्वारा शुरू की गई है, जिसके लिए 48.13 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि अन्य सड़कों की भी पहचान की जा रही है।

ओडिशा में राज्यसभा की एक सीट के लिए दिलचस्प हुआ मुकाबला, निर्दलीय ने मांगा दूसरे दलों से समर्थन

भुवनेश्वर, ओडिशा में आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का समर्थन मिलने के एक दिन बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रे ने बुधवार को प्रचार अभियान शुरू किया और कहा कि आवश्यक अतिरिक्त वोटों की व्यवस्था करना उनके लिए ''कोई कठिन काम नहीं'' है। रे ओडिशा से एकमात्र ऐसे सांसद रहे हैं जो तीन प्रधानमंत्रियों अटल बिहारी वाजपेयी, एच.डी. देवेगौड़ा और आई के गुजराल के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रहे। उन्होंने मंगलवार को घोषणा की थी कि वह भाजपा सदस्य होने के बावजूद 16 मार्च को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे। राज्य की चार राज्यसभा सीट पर होने वाले चुनाव में भाजपा ने अपने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और सांसद सुजीत कुमार को आधिकारिक उम्मीदवार बनाया है, जबकि चौथी सीट के लिए रे को समर्थन दिया है। बीजू जनता दल (बीजद) ने संतृप्त मिश्रा को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाया और प्रख्यात यूरोलॉजिस्ट दत्तेश्वर होटा को चौथी सीट के लिए ''साझा'' उम्मीदवार घोषित किया है। चूंकि भाजपा और बीजद के पास चौथी सीट अपने–अपने दम पर जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल नहीं है, इसलिए मुकाबला भाजपा समर्थित रे और बीजद समर्थित होटा के बीच होने की संभावना है। प्रदेश के 147 सदस्यीय विधानसभा के वर्तमान सदस्यों की संख्या के हिसाब से जीत के लिए किसी उम्मीदवार को 30 प्रथम वरीयता वोटों की आवश्यकता है।

भाजपा के पास 79 विधायक और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन है, जिससे उसकी संख्या 82 हो जाती है। अपने दो आधिकारिक उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के बाद पार्टी के पास 22 वोट अतिरिक्त बचेंगे। दूसरी ओर जनवरी में दो सदस्यों के निलंबन के बाद बीजद के पास 48 विधायक हैं और एक सीट पर जीत सुनिश्चित करने के बाद उसके पास 18 अतिरिक्त वोट रहेंगे। कांग्रेस के पास 14 विधायक और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पास एक सदस्य है। रे को जीत के लिए भाजपा के अतिरिक्त वोटों के अलावा कम से कम आठ और वोटों की आवश्यकता होगी। रे ने कहा, ''यह मेरे लिए कठिन काम नहीं है। सभी दलों में मेरे शुभचिंतक हैं। मैंने 2002 में भी ऐसा किया था। तब मैंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़कर 30 वोटों की व्यवस्था की थी और जीत हासिल की थी।

राज्यसभाः नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद शरद पवार ने महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद दिया

पुणे, (भाषा) आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए बृहस्पतिवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार ने महाराष्ट्र की जनता को संसद के उच्च सदन में सेवा करने का एक और अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया। 16 मार्च को होने वाले चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन, 85 वर्षीय पवार खराब स्वास्थ्य के कारण विधान भवन में उपस्थित नहीं थे। उनकी बेटी और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने उनकी ओर से नामांकन पत्र दाखिल किए। 'एक्स' पर एक बयान में पवार ने कहा, ''जन प्रतिनिधि के रूप में मेरी यात्रा 1967 में शुरू हुई और आज तक निर्बाध रूप से जारी है। यह लंबी यात्रा केवल मेरी नहीं है; यह महाराष्ट्र की जनता की है, क्योंकि उनके विश्वास और समर्थन के कारण ही मैं बिना किसी रुकावट के इस संसदीय यात्रा को जारी रख सका हूं।'' पवार ने कहा कि उन्हें पहली बार 1967 में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निर्वाचित होने का अवसर मिला और उसके बाद उन्होंने सार्वजनिक जीवन में कई जिम्मेदारियां संभालीं।

सैमसन के अर्धशतक से भारत फाइनल में, बेथेल के शतक के बावजूद इंग्लैंड सात रन से हारा

मुंबई, संजू सैमसन के तूफानी अर्धशतक से गत चैंपियन भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को यहां जैकब बेथेल के आक्रामक शतक के बावजूद इंग्लैंड को सात रन से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। भारत के 254 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम बेथेल (105 रन, 48 गेंद, सात छक्के, आठ चौके) के शतक और विल जैक्स (35 रन, 20 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 77 तथा सैम कुरेन (18) के साथ छठे विकेट की 50 रन की साझेदारी के बावजूद सात विकेट पर 246 रन ही बना सकी। भारत की ओर से हार्दिक पंड्या ने 38 रन देकर दो विकेट चटकाए। बुमराह ने चार ओवर में सिर्फ 33 रन देकर एक विकेट हासिल किया जो निर्णायक साबित हुआ। वरुण चक्रवर्ती ने 64 रन लुटाकर एक विकेट चटकाया जो इस प्रारूप में भारत की ओर से सबसे महंगे स्पैल है। भारत अब फाइनल में रविवार को न्यूजीलैंड से भिड़ेगा और टी20 विश्व का खिताब बचाने वाली पहली टीम बनकर इतिहास रचने की कोशिश करेगा। सैमसन ने इससे पहले 15 रन के स्कोर पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए 42 गेंद में सात छक्कों और आठ चौकों से 89 रन की पारी खेलने के अलावा इशान किशन (39 रन, 18 गेंद, चार चौके दो छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 45 गेंद में 97 और शिवम दुबे (43 रन, 25 गेंद, चार छक्के, एक चौका) के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 गेंद में 43 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने सात विकेट पर 253 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास में नॉकआउट मुकाबलों का सर्वोच्च स्कोर है। पंड्या (12 गेंद में 27 रन, तीन चौके, दो छक्के) और तिलक वर्मा (सात गेंद में 21 रन, तीन छक्के) ने अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। भारत की पारी में 19 छक्के लगे जो टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इंग्लैंड की ओर से स्पिनरों विल जैक्स (40 रन पर दो विकेट) और आदिल राशिद (41 रन पर दो विकेट) ने दो–दो विकेट चटकाए। तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और सैम कुरेन ने क्रमशः 61 और 53 रन लुटाए। आर्चर को एक विकेट मिला जबकि कुरेन की झोली खाली रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरे इंग्लैंड ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 68 रन बनाकर मिश्रित शुरुआत की। पंड्या ने पारी के दूसरे ओवर की अपनी पहली ही गेंद पर फिल सॉल्ट (05) को अक्षर पटेल के हाथों कैच कराया। खराब फॉर्म से जूझ रहे जोस बटलर (25) ने अर्शदीप पर दो चौकों से शुरुआत की और फिर पंड्या पर छक्का जड़ा। कप्तान हैरी ब्रूक (07) हालांकि बुमराह की पहली ही गेंद को हवा में लहरा गए और अक्षर ने पीछे की ओर दौड़ते हुए उनका शानदार कैच लपका। बेथेल ने वरुण चक्रवर्ती का स्वागत लगातार तीन छक्कों के साथ किया लेकिन बटलर इस लेग स्पिनर की सीधी गेंद को चूककर बोल्ड हो गए। टॉम बेंटन (17) ने अक्षर का स्वागत लगातार दो छक्कों के साथ किया लेकिन फिर बाएं हाथ के इस स्पिनर की गेंद को चूककर बोल्ड हो गए। बेथेल ने चक्रवर्ती पर चौके के साथ नौवें ओवर में इंग्लैंड का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। बेथेल ने बुमराह की गेंद पर दो रन के साथ सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। जैक्स इसके बाद भारत के शानदार क्षेत्ररक्षण का शिकार बने। उन्होंने अर्शदीप की फुलटॉस पर बड़ा शॉट खेला और बाउंड्री पर अक्षर ने कैच लपक लिया लेकिन बाउंड्री से बाहर जाने लगे तो गेंद दुबे की ओर बढ़ा दी जिन्होंने इसे लपक लिया। इंग्लैंड को अंतिम पांच ओवर में 69 रन की दरकार थी। बेथेल ने अर्शदीप पर छक्के के साथ 17वें ओवर में टीम के रनों का दोहरा शतक पूरा किया।बुमराह के 18वें ओवर में सिर्फ छह रन बने जिससे इंग्लैंड को अंतिम दो ओवर में 39 रन की जरूर थी। बेथेल ने पंड्या पर छक्के के साथ 45 गेंद पर शतक पूरा किया लेकिन सैम कुरेन (18) ने बाउंड्री पर तिलक को कैच थमा दिया। इस आवेर में सिर्फ नौ रन बने। इंग्लैंड को अंतिम ओवर में 30 रन की जरूरत थी और बेथेल दुबे की पहली ही गेंद पर दो रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए जिससे भारत की जीत लगभग तय हो गई। दुबे के ओवर में 22 रन ही बने। इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे भारत ने सैमसन की तूफानी पारी से पावर प्ले में एक विकेट पर 67 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। सैमसन ने आर्चर की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ तेवर दिखाए। इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में मिड ऑन पर ब्रूक ने उनका आसान कैच छोड़ा और इस बल्लेबाज ने ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़ दिया। अभिषेक शर्मा (09) ने भी जैक्स पर दो चौके मारे लेकिन फिर उनकी गेंद को हवा में लहराकर डीप मिडविकेट पर सॉल्ट को कैच दे बैठे। सैमसन ने लेग स्पिनर राशिद का स्वागत चौके के साथ किया और फिर बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन पर छक्के के साथ सिर्फ 26 गेंद में लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया। इशान ने भी डॉसन पर छक्का मारा। सैमसन और इशान ने अगले ओवर में कुरेन पर भी छक्के मारे जिससे नौवें ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा हुआ। इशान हालांकि राशिद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में गेंद को हवा में लहराकर लॉन्ग ऑफ पर जैक्स को कैच दे बैठे। दुबे ने आते ही राशिद पर दो छक्के मारे। सैमसन ने भी आर्चर पर दो छक्के मारे लेकिन इसके बाद जैक्स की गेंद पर सॉल्ट को कैच दे बैठे। कप्तान सूर्यकुमार यादव (11) ने राशिद पर छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर स्टंप हो गए। पंड्या ने ओवरटन पर तीन चौकों के साथ 17वें ओवर में भारत का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। दुबे ने कुरेन पर छक्का जड़ा लेकिन इसके बाद पंड्या के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हो गए। तिलक ने 19वें ओवर में आर्चर पर तीन छक्के मारे लेकिन फिर बोल्ड हो गए। पंड्या ने अंतिम ओवर में दो छक्के जड़कर टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाया लेकिन फिर रन आउट हो गए।

स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई, भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की श्रृंखला में उम्दा प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में 58 और 31 रन की पारियां खेलने वाली स्मृति के 790 अंक हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट को पछाड़ा जिनके 782 अंक हैं। वोलवार्ट के पास मार्च और अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के दौरान फिर से शीर्ष स्थान हासिल करने का मौका होगा। अपने अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक जड़ने वाली एलिसा हीली ने 744 अंक के साथ रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहते हुए अलविदा कहा। बेथ मूनी तीसरे जबकि एशले गार्डनर (724) पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं। तीन मैच की श्रृंखला में भारत के क्लीनस्वीप के बावजूद हरमनप्रीत (652) को चार स्थान का फायदा हुआ है। उन्होंने 53, 54 और 25 रन की पारियां खेलीं।

गेंदबाजी सूची में दीप्ति शर्मा 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। एलेना किंग (775) गेंदबाजी सूची में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने लगभग चार साल तक शीर्ष पर रहीं सोफी एकलेस्टोन को पछाड़ा। गार्डनर तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की एलेना एकदिवसीय श्रृंखला में 16.71 की औसत से सात विकेट चटकाकर शीर्ष गेंदबाज रहीं। उन्होंने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में 33 रन देकर चार विकेट चटकाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 185 रन की शानदार जीत दर्ज की। एलेना ने साथ ही अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग अंक भी हासिल किए। एलेना के अलावा ऑस्ट्रेलिया की तीन अन्य गेंदबाज गार्डनर (तीसरे), एनाबेल सदरलैंड (पांचवें) और किम गार्थ (आठवें) भी शीर्ष आठ में शामिल हैं। एकदिवसीय ऑलराउंडर की सूची में गार्डनर (516) शीर्ष पर बरकरार हैं। उन्होंने दूसरे स्थान पर मौजूद वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज (418) पर 98 अंक की बढ़त बना रखी है। सदरलैंड (534) 23 स्थान की छलांग से 34वें स्थान पर पहुंच गई है। दीप्ति भी पांचवें स्थान के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष 10 में हैं।

विश्व कप के फाइनल में पहुंचना अविश्वसनीय एहसासः सूर्यकुमार

मुंबई, (भाषा) इंग्लैंड को टी20 विश्व कप के रोमांचक सेमीफाइनल में सात रन से हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत का श्रेय गेंदबाजों और शानदार क्षेत्ररक्षण को देते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचना अविश्वसनीय एहसास है। भारत ने सात विकेट पर 253 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को सात विकेट पर 246 रन पर रोक दिया। सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, ''यह एक अविश्वसनीय एहसास है। फाइनल के लिए अहमदाबाद जाना खिलाड़ियों के लिए बेहद खास भावना है।'' उन्होंने टीम के बड़े स्कोर में संजू सैमसन (89) के योगदान की तारीफ करते हुए कहा, ''सैमसन को जब बल्लेबाजी के लिए उतरना था, तब उन्हें पूरी तरह पता था कि उन्हें क्या करना है। टीम को उनसे उसी प्रदर्शन की जरूरत थी और उन्होंने वैसा ही किया।'' उन्होंने कहा, '' मैंने हैरी (ब्रूक) से कहा था कि आपके खिलाफ हमें और कितने रन बनाने की जरूरत है। वे हमेशा मुकाबले में बने हुए थे और लक्ष्य का पीछा भी अच्छी तरह कर रहे थे। लेकिन जिस तरह बुमराह, अर्शदीप और बाकी गेंदबाजों ने मैच को वापस हमारी ओर मोड़ा, वह अविश्वसनीय था। यह एक शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन था।'' अक्षर पटेल ने मैच में दो शानदार कैच पकड़े जबकि हार्दिक पंड्या ने अहम मौके पर इंग्लैंड के शतकवीर जैकब बेथलद को रन आउट किया। सूर्यकुमार ने कहा, '' हमें अपने क्षेत्ररक्षण कोच टी. दिलीप को भी थोड़ा श्रेय देना होगा। खिलाड़ी शानदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और अतिरिक्त मेहनत कर रहे हैं, जिसका असर मैदान पर दिख रहा है।'' उन्होंने कहा, '' मैच के दौरान मैं काफी नर्वस था, उस समय मेरी दिल की धड़कन शायद 160–175 के बीच रही होगी। जब हम मैदान में उतरे, तब स्टेडियम लगभग 80 प्रतिशत भर चुका था। उम्मीद है कि हमने दर्शकों को अच्छा मैच दिया होगा।''

साइकिल चालक कांती दत्त 'फिट इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए 750 किमी की यात्रा करेंगे

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के फिटनेस एंबेसडर और साइकिल चालक कांती दत्त सरकार के प्रमुख 'फिट इंडिया' अभियान को बढ़ावा देने के लिए सात मार्च से साइकिल पर हैदराबाद से मुंबई तक 750 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। दत्त 'अल्ट्रा एंड्योरेंस' साइकिलिस्ट हैं और उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद मानसिक रूप से फिट रहने के लिए यह खेल अपनाया। उनकी यह यात्रा 14 मार्च को समाप्त होगी। दत्त ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, ''फिटनेस पर ध्यान देने से मैं केवल शारीरिक रूप से ही फिट नहीं बना, बल्कि इसने मुझे भावनात्मक रूप से फिट बनने में भी मदद की। इसने मुझे खुद को फिर से समझने में मदद की। मैं चाहता हूं कि लोग यही समझें कि यह केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''हैदराबाद से मुंबई तक का यह मेरा पहला दौरा है। मैं चाहता हूं कि यह किसी खास बात का प्रतीक बने। यह यात्रा उन सभी लोगों के लिए है जिन्होंने कभी असहाय या डरा हुआ महसूस किया हो। आप खुद को फिर से समझ सकते हैं। मैंने ऐसा किया।''

एएफसी एशियाई कप से पहले भारतीय महिला टीम के पास उचित खेल किट नहीं

नयी दिल्ली, (भाषा) ऑस्ट्रेलिया में एएफसी महिला एशिया कप के मैच से ठीक एक दिन पहले टीम की खिलाड़ियों ने उचित किट नहीं होने का मामला उठाया है जिससे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के भीतर कुप्रबंधन भी उजागर होता है। भारत बुधवार को पर्थ में वियतनाम के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। उससे पहले टीम की सभी 26 खिलाड़ियों ने एआईएफएफ के उप महासचिव एम सत्यनारायणन को पत्र लिखकर उचित कपड़ों और खेल किट की कमी पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे उनके मनोबल पर असर पड़ा है और उनका ध्यान भंग हुआ है। पत्र में कहा गया है, ''अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पेशेवर मानकों को पूरा करना जरूरी होता है। जिसमें खिलाड़ियों को फिट आने वाली उचित पोशाक भी शामिल है।'' इससे एआईएफएफ प्रबंधन में पेशेवरपन की कमी का पता चलता है। पत्र के अनुसार, ''पिछले कुछ दिनों में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को उचित पोशाक नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से पहले ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता के लिए गलत मैच किट के आने से मनोबल पर बुरा असर पड़ा है और इससे हमारे एकाग्रता भंग हुई है।'' इस पत्र पर कप्तान स्वीटी देवी नागमबम और देश की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाली ग्रेस डांगमेई समेत आठ खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्र में कहा गया है कि अन्य खिलाड़ी भी इस पत्र से सहमत हैं। पत्र में सभी 26 खिलाड़ियों के नाम दिए गए हैं। पत्र के अनुसार, ''सभी खिलाड़ियों ने दो मार्च को दोपहर दो बजे बैठक की और सर्वसम्मति से यह पत्र लिखने का फैसला किया। बैठक में स्वीटी देवी, मनीषा कल्याण, ग्रेस डांगमेई, संगीता बसफोरे, पंथोई चानू, संजू, प्यारी ज़ाक्सा, श्रेया हुडा ने अहम भूमिका निभाई।'' एआईएफएफ ने कहा कि खिलाड़ियों को मंगलवार को नई किटें उपलब्ध करा दी गई हैं। सत्यनारायणन ने पीटीआई से कहा, ''एएफसी की मैच कमिश्नरों की आज सुबह हुई बैठक में नई किटें उपलब्ध करा दी गईं और उन्हें मंजूरी मिल गई है।''

मैं घर लौट गई हूं, ऑल इंग्लैंड में नहीं खेल पाऊंगीः सिंधू

बेंगलुरु, (भाषा) दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू खाड़ी में चल रही जंग के बाद हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगी और वह दुबई से स्वदेश लौट गई हैं। सिंधू इंग्लैंड जाने के लिए उड़ान नहीं मिल पाने के कारण दुबई में फंसी हुई थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ''बेंगलुरु में अपने घर लौट गई हूं और सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे हैं। मैं ईश्वर की आभारी हूं कि मैं वापस अपने घर लौट आई हूं।'' उन्होंने कहा, ''दुबई की बेहतरीन ग्राउंड टीम, दुबई के अधिकारियों, हवाई अड्डे के कर्मचारियों, आव्रजन विभाग और उन सभी लोगों का तहेदिल से आभार जिन्होंने इस बेहद मुश्किल समय में हमारी अच्छी देखभाल की। उनकी सहानुभूति और पेशेवर रवैए को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।'' उन्होंने कहा, ''फिलहाल अब आराम करने, खुद को तरोताजा करने और अगली प्रतियोगिताओं के बारे में सोचने का समय है।'' पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू दुबई होते हुए बर्मिंघम जा रही थीं, लेकिन अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में उड़ान संचालन रोक दिया गया जिसके कारण वह दुबई में फंस गई थी।

विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम लॉरेस पुरस्कार के लिए नामित

मैड्रिड, (भाषा) भारत की महिला क्रिकेट टीम को पिछले साल पहली बार विश्व कप खिताब जीतने के लिए लॉरेस की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने मंगलवार को नामांकन की पुष्टि की। भारतीय टीम इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। यह विश्व कप में टीम के शानदार प्रदर्शन की पहचान है। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत के दौरान महिलाओं के एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल किया था। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम, यूरोपीय राइडर कप टीम, फ्रांस की फुटबॉल लीग की टीम पेरिस सेंट जर्मेन और मैकलारेन फॉर्मूला वन टीम जैसी बड़ी टीमों के साथ नामित किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य (339) को हासिल किया। इसके बाद टीम ने दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला खिताब जीता और इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है।'' इसके साथ ही टीम पुरुष लॉरेस वर्ग के लिए नामित हुए भारतीय खिलाड़ियों के खास समूह में शामिल हो गई है जिसमें विनेश फोगाट (2019), नीरज चोपड़ा (2022), और ऋषभ पंत (2025) शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों में प्रतिबंधों के कारण वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम भारत में फंसी

नयी दिल्ली, (भाषा) अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों पर लगे प्रतिबंधों के कारण टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल की दौड़ से से बाहर होने वाली वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम भारत में ही फंसी हुई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कहा है कि वह खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। खाड़ी क्षेत्र में हवाई सेवाएं फिलहाल निलंबित हैं और दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी नुकसान की खबर है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ''सीडब्ल्यूआई यह बताना चाहता है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद वेस्टइंडीज की सीनियर पुरुष टीम अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में प्रतिबंधों के कारण भारत से रवाना नहीं हो पाई।'' वेस्टइंडीज की टीम को कोलकाता में खेले गए सुपर आठ के करो या मरो के मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई। सीडब्ल्यूआई ने बयान में कहा, ''वर्तमान स्थिति में हमारे प्रशंसों, परिवारों और हितधारकों की समझ और चिंता के लिए सीडब्ल्यूआई आभारी है।'' वेस्टइंडीज के अलावा जिम्बाब्वे के खिलाड़ी भी इसी कारण से भारत में फंसे हुए हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोमवार को पुष्टि की कि टीम दिल्ली में ही है। उसने कहा कि यात्रा की नई व्यवस्थाओं पर काम किया जा रहा है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने एक्स पर जारी बयान में कहा, ''टीम को दुबई के रास्ते स्वदेश लौटना था, लेकिन मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के कारण प्रमुख पारगमन मार्ग बाधित हो जाने से यात्रा कार्यक्रम पर असर पड़ा है।'' आईसीसी वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के साथ काम कर रहा है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के अनुसार, ''जिम्बाब्वे क्रिकेट आईसीसी और टीम के प्रबंधन के साथ लगातार संपर्क में है ताकि टीम की सुरक्षित और समय पर वापसी सुनिश्चित हो सके।'' जिम्बाब्वे को रविवार को यहां खेले गए सुपर आठ के अपने आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका से पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

एएफसी महिला एशियाई कप : वियतनाम से हारी भारतीय टीम

पर्थ, (भाषा) भारतीय टीम ने इंजुरी स्टॉपेज टाइम में एक गोल गंवाया और महिला एएफसी एशियाई कप फुटबॉल के पहले मैच में बुधवार को वियतनाम से 1 . 2 से हार गई । पहला मैच खेल रही संफिदा नोंगरम ने 65वें मिनट में बराबरी का गोल किया । इससे पहले वियतनाम ने एंगान थि वान सू के गोल के दम पर 30वें मिनट में बढत बना ली थी । भारत ने अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में गोल गंवाया और एंगान थि वान सू ने एक और गोल करके टीम को जीत दिला दी ।

इस हार के बावजूद भारत का प्रदर्शन सराहनीय कहा जायेगा क्योंकि विश्व रैंकिंग में वियतनाम 36वें और भारत 67वें स्थान पर है । वियतनाम 2023 फीफा महिला विश्व कप खेल चुका है और एशियाई कप 2022 क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा था ।

आईपीएल के पांच मैच बेंगलुरू में, दो रायपुर में खेलेगी आरसीबी

बेंगलुरू, (भाषा) गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू आईपीएल में अपने पांच घरेलू मैच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर और दो रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेलेगी । आरसीबी ने यह घोषणा मंगलवार को की । इससे इन अटकलों पर भी विराम लग गया कि आरसीबी को उसके घरेलू मैच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेलने का मौका मिलेगा या नहीं चूंकि पिछले साल टीम के खिताब जीतने के जश्न में मची भगदड़ में वहां 11 प्रशंसक मारे गए थे । उसके बाद से इस स्टेडियम पर कोई घरेलू मैच भी नहीं खेला गया है । आरसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' महीनों की कड़ी मेहनत और सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय के बाद यह संभव हो पाया है । आरसीबी कर्नाटक सरकार, कर्नाटक प्रदेश क्रिकेट संघ और कर्नाटक पुलिस की शुक्रगुजार है ।''

वैष्णवी अडकर बिली जीन किंग कप के लिए भारतीय टीम में शामिल

नयी दिल्ली, (भाषा) युवा खिलाड़ी वैष्णवी अडकर को छह अप्रैल से यहां होने वाले बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) एशिया ओशिनिया ग्रुप एक टेनिस टूर्नामेंट के लिए मंगलवार को भारतीय टीम में शामिल किया गया। वैष्णवी ने हाल ही में बेंगलुरु में तब अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की थी जब वह किसी डब्ल्यू100 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली सानिया मिर्जा के बाद दूसरी महिला खिलाड़ी बनी थी। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में अहमदाबाद में डब्ल्यू15 का खिताब भी जीता था, जिससे उनकी लगातार प्रगति का पता चलता है। भारतीय टीम में वैष्णवी के अलावा रुतुजा भोसले, अंकिता रैना, सहजा यमलापल्ली और श्रीवल्ली भामिदिपति शामिल हैं।

वैदेही चौधरी को रिजर्व नामित किया गया है। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने विज्ञप्ति में कहा, ''इस प्रतियोगिता से एक सप्ताह पहले कोचिंग शिविर आयोजित किया जाएगा। विशाल उप्पल भारतीय टीम के कप्तान और राधिका कानिटकर कोच होंगी।'' पिछले साल नवंबर में बेंगलुरु में बिली जीन किंग कप प्लेऑफ में भारत को नीदरलैंड और स्लोवेनिया ने हराया था, जिसके कारण वह एशिया ओशिनिया ग्रुप एक में खिसक गया था।

होली मिलन के अवसर पर कॉलोनी की महिलाओं द्वारा उत्तराखंडी सांस्कृतिक प्रस्तुति

नई दिल्ली, फोकस न्यूज, सी–डी ब्लॉक, कमल विहार, कमालपुर, बुराड़ी स्थित उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के अंतर्गत प्रसिद्ध होली मिलन में कॉलोनी की उत्तराखंडी महिलाओं द्वारा प्रस्तुत की गई होली मिलन की एक सुंदर झलक ने कालोनी वासियों को विशेष आकर्षण प्रदान किया। महिलाओं ने पारंपरिक गढ़वाली परिधान में सुसज्जित होकर होली एवं सामूहिक होली गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। ढोलक की मधुर ताल पर प्रस्तुत गीतों ने उपस्थित कॉलोनीवासियों को भावविभोर कर दिया तथा पूरे वातावरण को रंग, उमंग और सौहार्द से सराबोर कर दिया। होली मिलन में महिलाओं द्वारा इस सराहनीय पहल ने सांस्कृतिक प्रयास न केवल हमारी परंपराओं को जीवित रखते हैं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण का भी सशक्त संदेश देते हैं। अंत में सभी ने एक–दूसरे को गुलाल लगाकर तथा पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया एवं होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। महिलाओं के इस प्रेरणादायी योगदान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

अगर राजस्व घाटा अनुदान नहीं मिलेगा तो पानी पर रॉयल्टी दिया जाएः सुक्खू

शिमला, (भाषा) हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह राज्य में पनबिजली संयंत्रों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पानी पर 50 प्रतिशत रॉयल्टी दे, ताकि राजस्व घाटा अनुदान के अभाव में यह (राज्य) आत्मनिर्भर बन सके। केंद्र ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश सहित कुछ राज्यों को राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद करने की घोषणा की थी। आरडीजी केंद्र द्वारा राज्यों को उनके राजस्व खातों में अंतर को पाटने के लिए जारी की गई धनराशि होती है। सुक्खू ने कहा कि उनकी सरकार ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कहा है कि ''अगर केंद्र सरकार राज्य की संपत्ति (पानी) पर 50 प्रतिशत रॉयल्टी देने को तैयार है तो हमें आरडीजी की आवश्यकता नहीं होगी''।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल हाइड्रो पावर कॉरपोरेशन, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन और सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) जैसे सार्वजनिक उपक्रम मिनी नवरत्न कंपनियां बन गए हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष एसजेवीएनएल का बजट 67,000 करोड़ रुपये था, जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार का बजट 58,000 करोड़ रुपये था। सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को इन जलविद्युत परियोजनाओं द्वारा अर्जित लाभ का कम से कम आधा हिस्सा दिया जाना चाहिए, क्योंकि वे राज्य के पानी का उपयोग मुफ्त में करते हैं; लेकिन इसके बदले यदि धनराशि दी जाती है तो यह राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि आरडीजी हिमाचल प्रदेश के लोगों का अधिकार है। सुक्खू ने कहा, "हम एक सहकारी संघीय ढांचे में रहते हैं, हमें अपनी बात रखने का अधिकार है।" उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा हिमाचल–विरोधी है।"

दुनिया नाजुक दौर में, नेताओं को संयम रखना चाहिए : रामदेव

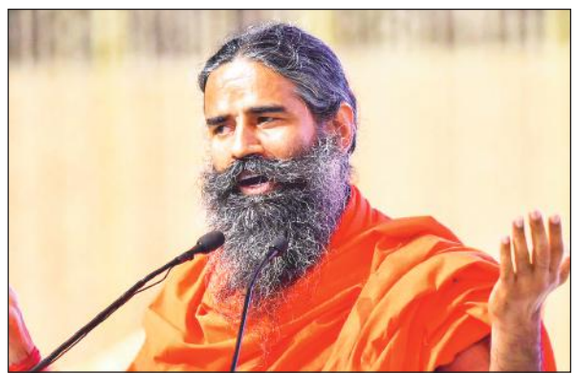

हरिद्वार, (भाषा) योगगुरु स्वामी रामदेव ने इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध पर बुधवार को चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इस नाजुक समय में हमारे नेताओं को संयम बरतना चाहिए और ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की फजीहत हो। पतंजलि योग पीठ में अपने अनुयायियों के साथ जमकर फूलों की होली खेलने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में स्वामी रामदेव ने कहा कि इस समय दुनिया बड़े नाजुक दौर से गुजर रही है जहां रूसकृयूक्रेन और अब इजराइलकृअमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष ने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है । उन्होंने कहा कि ऐसे में हमारे धार्मिक और राजनीतिक नेताओं को संयम बरतना चाहिए और भारत की कूटनीति एवं विदेश नीति की आलोचना करने से बचना चाहिए । स्वामी रामदेव ने कहा, 'हमारे बीच वैचारिक, मजहबी जातीय मतभेद हो सकते हैं मगर इन्हे मनभेद नहीं बनाना चाहिए। ऐसे नाजुक दौर में हमें कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दुनिया में भारत की फजीहत हो और देश को नुकसान उठाना पड़े ।' उन्होंने कहा कि भारत के एक करोड़ से ज्यादा लोग इस समय ईरान और उसके आसपास के देशों में फंसे हुए हैं जो बड़े पैमाने पर देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देते है । उन्होंने कहा कि इस समय हमें इस बात कि चिंता करनी चाहिए कि युद्ध की भीषण त्रासदी से पश्चिम एशिया को कैसे उबारा जाये क्योंकि यह पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी हैं ।

प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्यों को परिसीमन में 'दंडित' नहीं किया जाना चाहिए: रमेश

तिरुवनंतपुरम, (भाषा) कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने परिसीमन के विषय का हवाला देते हुए कहा कि अपनी आबादी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने वाले केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों को कम संसदीय सीटों के साथ "दंडित" नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने केरल में भारतीय जनता पार्टी और सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के बीच मौन सहमति होने का भी आरोप लगाया और कहा कि इसके बावजूद कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) इस विधानसभा चुनाव में जीतेगा क्योंकि राज्य बदलाव के लिए तैयार है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने "पीटीआई–भाषा" को दिए साक्षात्कार में केंद्र सरकार पर राज्यों को वित्तीय आवंटन करने में भेदभाव का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रतिनिधित्व और वित्तीय न्याय दोनों केरल तथा तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भाजपा को घेरने के लिए उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दे होंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या परिसीमन केरल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार का विषय होगा, रमेश ने कहा कि यह एक "बहुत बड़ा मुद्दा" है और अभी जो हालात हैं, उनको देखते हुए केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में उनकी सीटों की संख्या में कमी देखी जाएगी। उनका कहना था, "यह एक चिंता का विषय है। यह अभी कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि जनगणना होने वाली है। अगले साल अप्रैल तक, हमें जनगणना के व्यापक नतीजे पता चल जाएंगे। और फिर, निश्चित रूप से एक परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा। लेकिन यह संघवाद का एक बड़ा मुद्दा है।" उन्होंने कहा, "ऐसा नहीं होना चाहिए कि परिवार नियोजन को लेकर जिम्मेदार और संवेदनशील रहने वाले राज्यों, खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों को दंडित किया जाए।" रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि केरल भारत का पहला राज्य है जिसने कुल प्रजनन दर को 2.1 पर लाने का लक्ष्य हासिल किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, "यह करीब 40 साल पहले की बात है। केरल में 1988 में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.1 पर पहुंच गयी थी और वह ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया था। तमिलनाडु ने 1993 में इसे हासिल किया। फिर अविभाजित आंध्र प्रदेश इस पर पहुंचा, उसके बाद कर्नाटक ने इस लक्ष्य को हासिल किया। बाद में, कुछ छोटे राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश और अन्य ने भी इसे हासिल किया।"रमेश ने कहा, इसलिए ऐसा नहीं होना चाहिए कि जो राज्य पहले परिवार नियोजन में सफल रहे, उन्हें उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व के आधार पर दंडित किया जाए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहकारी संघवाद के बारे में बात तो करते हैं लेकिन टकरावपूर्ण संघवाद अपनाते हैं, सत्ता का केंद्रीकरण करते हैं और राज्यों को कमजोर करते हैं। उन्होंने कहा, "राज्यपालों के काम करने के तरीके को देखें। वे मूल रूप से केंद्र के, भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। केरल के राज्यपाल, तमिलनाडु के राज्यपाल, कर्नाटक के राज्यपाल को देखें। जहां भी विपक्षी सरकारें सत्ता में हैं, वहां विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाता है।" उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में भाजपा का उद्देश्य सत्ता में आना नहीं बल्कि कांग्रेस को जीत से वंचित करना है और इसीलिए एलडीएफ और भाजपा के बीच एक मौन सहमति है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि केरल 10 साल के वामपंथी शासन के बाद बदलाव के लिए तैयार है।

आंध्र प्रदेश सरकार की दो साल में पीपीपी मॉडल के तहत 10 मेडिकल कॉलेज संचालित करने की योजनाः मंत्री

अमरावती, (भाषा) आंध्र प्रदेश के मंत्री सत्य कुमार यादव ने बुधवार को कहा कि सरकार अगले दो वित्त वर्षों में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 10 मेडिकल कॉलेज संचालित करने के लिए कदम उठा रही है। विधानसभा को संबोधित करते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान शुरू किए गए 17 मेडिकल कॉलेज में से 11 को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तहत मंजूरी दी गई थी, जबकि तीन–तीन कॉलेज केंद्र सरकार की योजनाओं और राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत शुरू किए गए थे। मंत्री ने कहा, "सरकार अगले दो वित्त वर्षों में सार्वजनिक–निजी भागीदारी मॉडल के तहत 10 मेडिकल कॉलेज संचालित करने के लिए कदम उठा रही है।" उन्होंने बताया कि कुल लागत 8,480 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के दौरान इन कॉलेज पर केवल 1,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जिसमें से अकेले पुलिवेंदुला मेडिकल कॉलेज पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि अन्य संस्थानों की उपेक्षा की गई थी। यादव ने कहा कि मौजूदा सरकार ने सत्ता संभालने के बाद से इन कॉलेजों पर 900 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने वाईएसआरसीपी नेताओं पर इनके निर्माण का झूठा श्रेय लेने का आरोप लगाया।

गुजरात सरकार खाड़ी क्षेत्र में फंसे यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करेगीः सांघवी

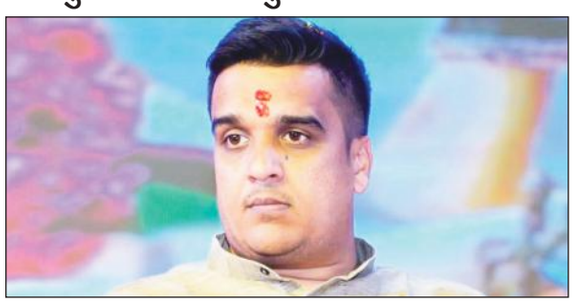

डाकोर (गुजरात), (भाषा) गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि ईरान–इजराइल–पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच खाड़ी देशों में फंसे भारतीय यात्रियों को लेकर पहली निकासी उड़ान नयी दिल्ली में उतर चुकी है, इसमें गुजरात के लोग भी शामिल हैं,। सांघवी होली उत्सव में भाग लेने के लिए खेड़ा जिले के डाकोर स्थित रणछोड़रायजी मंदिर में पहुंचे। इस दौरान एक अन्य कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह जानकारी दी। सांघवी ने कहा, ''भारत सरकार ने आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। पहली उड़ान दिल्ली पहुंच चुकी है। सभी को दूतावास की ओर से दी गई जानकारी का पालन करना चाहिए।'' अमेरिका–इजराइल–ईरान के बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच अहमदाबाद, आणंद और गुजरात के अन्य जिलों के कई लोग पश्चिम एशियाई देशों में फंसे हुए हैं। केंद्र ने सोमवार को कहा कि वह खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारतीय दूतावासों के संपर्क में है। हालांकि, सांघवी ने उड़ान के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन एअर इंडिया ने मंगलवार को दुबई से दिल्ली के लिए 149 यात्रियों को लेकर उड़ान संचालित की। एयरलाइन ने कहा, ''हम उड़ान 'एआई916डी' के जरिये दुबई से आए अपने मेहमानों और चालक दल का स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मध्य पूर्व में जारी घटनाक्रम के बीच, यह किसी भारतीय एयरलाइन की पहली उड़ान है जो आज 149 यात्रियों और चालक दल के आठ सदस्यों के साथ नयी दिल्ली पहुंची।''

आप सरकार के कार्यकाल में ऋण से जीएसडीपी अनुपात चार प्रतिशत घटा : पंजाब के वित्त मंत्री

चंडीगढ़, (भाषा) पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने राज्य के ऋण से सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुपात को चार प्रतिशत घटाकर 44.47 प्रतिशत पर ला दिया है। चीमा ने यह भी दावा किया कि सरकार द्वारा लिए जा रहे कुल ऋण का 85 प्रतिशत हिस्सा पिछली शिरोमणि अकाली दल–भाजपा और कांग्रेस सरकारों द्वारा लिए गए पुराने कर्ज को चुकाने में खर्च किया जा रहा है। विपक्ष द्वारा बढ़ते ऋण को लेकर किए जा रहे हमलों को खारिज करते हुए चीमा ने पिछली सरकारों पर राज्य को ऋण के जाल में धकेलने का आरोप लगाया। वित्त मंत्री ने 16 मार्च को सरकार के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में अपने विभाग की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 2022 में सत्ता संभालने के समय राज्य पर तीन लाख करोड़ रुपये का बकाया कर्ज था। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा सरकार ने इस कर्ज के मूल धन का 35 प्रतिशत और ब्याज का 50 प्रतिशत हिस्सा वापस कर दिया है। राजस्व संग्रह के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए चीमा ने बताया कि पिछले चार वर्षों में आप सरकार ने 83,739 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह किया है, जबकि कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल में यह आंकड़ा 61,286 करोड़ रुपये था। उन्होंने बताया कि इसी तरह आबकारी राजस्व के मामले में भी मौजूदा सरकार ने 37,975 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जो अकाली–भाजपा और कांग्रेस शासन के क्रमशः 20,545 करोड़ और 27,395 करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि ऋण से जीएसडीपी अनुपात को 48.25 प्रतिशत से घटाकर 44.47 प्रतिशत करना राज्य सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है।

मणिपुर में दो उपमुख्यमंत्रियों, दो मंत्रियों को विभाग आवंटित किये गए

इंफाल, (भाषा) मणिपुर के दो उपमुख्यमंत्रियों और दो मंत्रियों को बुधवार को विभाग आवंटित किये गए। एक सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह को अभी "कोई विशेष विभाग" आवंटित नहीं किया गया है, जबकि कुकी समुदाय से संबंध रखने वाली उपमुख्यमंत्री नेमचा किपजेन को पंचायती राज विभाग और पर्वतीय एवं आदिवासी विकास विभागों की जिम्मेदारी दी गई है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, एक और उपमुख्यमंत्री व नगा पीपुल्स फ्रंट के नेता एल. डिखो को सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी और वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग आवंटित किए गए हैं। मंत्री गोविंददास कोंथुजाम को गृह और युवा मामले व खेल विभाग दिए गए हैं। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के नेता के. लोकेन सिंह को कला एवं संस्कृति और पर्यावरण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि "मार्च के दूसरे सप्ताह में विधानसभा के बजट सत्र के बाद मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना है।" नियम के अनुसार, 60 सदस्यीय विधानसभा वाले मणिपुर में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 12 मंत्री हो सकते हैं। राज्य में राष्ट्रपति शासन खत्म होने के बाद चार फरवरी को खेमचंद के नेतृत्व वाली सरकार ने शपथ ली थी। मणिपुर में पिछले साल फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू था। मणिपुर में पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद तीन मई 2023 को हिंसा भड़क उठी थी। यह मार्च अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की बहुसंख्यक मेइती समुदाय की मांग के खिलाफ आयोजित किया गया था।

ओडिशा ने संकटग्रस्त पश्चिम एशिया में राज्य के लोगों की सुरक्षा के लिए कार्यकारी समूह गठित किया

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा सरकार ने संघर्षरत पश्चिम एशिया में फंसे राज्य के लोगों की सुरक्षा की निगरानी के लिए एक समर्पित कार्यसमूह का गठन किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह निर्णय सोमवार को मुख्य सचिव अनु गर्ग की अध्यक्षता में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को स्थिति पर कड़ी नजर रखने और आवश्यकतानुसार जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने का निर्देश दिया। एक बयान में कहा गया है, ''इस संदर्भ में ओडिशा सरकार ने ओडिशा परिवार निदेशालय, गृह विभाग, राज्य श्रम निदेशालय और विदेश मंत्रालय के अधीन प्रवासी संरक्षक कार्यालय के समन्वय से एक कार्यसमूह का गठन किया है।'' ओडिशा परिवार निदेशालय में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) प्रीतीश पांडा को उड़िया प्रवासी समुदाय के साथ समन्वय के लिए एकल संपर्क सूत्र नियुक्त किया गया है। बैठक में उपस्थित डीजीपी वाईबी खुरानिया ने कहा कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और जहां भी आवश्यक है, तत्काल कार्रवाई की जा रही है। राज्य के श्रम मंत्री गणेश राम सिंहखुंटिया ने कहा कि उनका विभाग भी चौबीसों घंटे स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में फंसे उड़िया लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए विदेश मंत्रालय और केंद्रीय गृह मंत्रालय के संपर्क में हैं।'' पांडा ने कहा कि उन्हें ओडिशा के लोगों के परिवार के सदस्यों से 200 से अधिक फोन कॉल प्राप्त हुए हैं, जो अपने गृहनगरों में सुरक्षित वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम पश्चिम एशिया में उड़िया समुदायों के साथ लगातार संपर्क में हैं।''

'दुर्भावनापूर्ण अभियोजन' के लिए सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी को पांच लाख रुपये का हर्जाना देने का आदेश

कोल्लम (केरल), (भाषा) केरल की एक अदालत ने पुलिस द्वारा 'दुर्भावनापूर्ण अभियोजन' के लिए हर्जाने के तौर पर एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी को पांच लाख रुपये देने का आदेश दिया।प्रधान मुंसिफ रागी एस. ने राज्य सरकार और उसके छह पुलिस अधिकारियों को संयुक्त रूप से 54–वर्षीय सेवानिवृत्त नायक सूबेदार विलिंगटन को 'अवैध रूप से हिरासत में लेने, उत्पीड़न और दुर्भावनापूर्ण अभियोजन' के लिए मुआवजा देने का निर्देश दिया। सेवानिवृत्त अधिकारी को 2013 में एक आपराधिक मामले में फंसाया गया था, लेकिन उन्हें तिरुवनंतपुरम रेंज के पुलिस महानिरीक्षक द्वारा आदेशित पुनः जांच के बाद 2017 में दोषमुक्त कर दिया गया था। मुंसिफ अदालत ने केरल विधान सचिवालय के उस आधिकारिक पत्र पर भरोसा करते हुए वादी सैन्य अधिकारी के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया था कि उन्हें (अधिकारी को) अवैध हिरासत में रखा गया और उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियोग लगाया गया। अदालत ने कहा, ''...अभियोजन की स्वीकारोक्ति से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रतिवादियों (छह पुलिस अधिकारियों) की कार्रवाई अवैध रूप से अनाधिकार प्रवेश, अधिकार के दुरुपयोग और दुर्भावनापूर्ण गिरफ्तारी के बराबर है, जो वादी को बिना किसी गलती के परेशान करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से की गई थी।'' विलिंगटन का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता एस आर प्रशांत और वायनकाम के. सोमशेखरन पिल्लई ने आरोप लगाया था कि चार मार्च, 2013 की रात को पुलिस की एक टीम किझाक्केकल्लाडा स्थित सेवानिवृत्त सैनिक के आवास में सामने का फाटक और मुख्य दरवाजा तोड़कर जबरन घुस गई।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों ने सेवानिवृत्त अधिकारी की पत्नी और बच्चों के सामने उनपर हमला किया, उनके घर की तलाशी ली, दो पालतू खरगोशों को मार डाला और उनके कुएं को तारपीन से दूषित कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सेवानिवृत्त अधिकारी को जबरन पूर्वी कल्लाडा पुलिस थाने ले जाया गया, जहां उन्हें दो दिनों तक अवैध रूप से केवल अंतर्वस्त्रों में हिरासत में रखा गया और उनके परिवार को उनसे मिलने नहीं दिया गया। सेवानिवृत्त सेना अधिकारी ने दावा किया था कि बाद में उन्हें झूठे आरोप में फंसाया गया और उनपर अपने भाई को शरण देने का आरोप लगाया गया, जो एक अन्य मामले में वांछित था। अदालत ने आदेश में कहा कि विलिंगटन प्रतिवादियों से हर्जाने के रूप में 5,00,000 रुपये पाने के हकदार हैं। इसके अलावा उन्हें मुकदमे की तारीख से वसूली तक इस राशि पर छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से ब्याज भी देय होगा।

भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर : जननायक की जीवंत विरासत

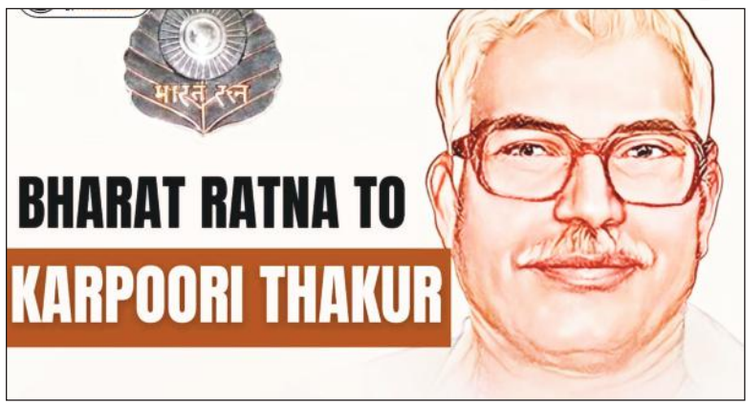

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह साधारण घरों से असाधारण नेतृत्व पैदा करता है। इसी परंपरा के उज्ज्वल उदाहरण थे कर्पूरी ठाकुरकृएक ऐसे जननेता, जिनकी राजनीति सत्ता के वैभव से नहीं, समाज के वंचितों के विश्वास से संचालित होती थी। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की विचारधारा के प्रखर संवाहक थे। सादगी, स्पष्टवादिता और सिद्धांतनिष्ठा उनके व्यक्तित्व की पहचान थी। जनता उन्हें "जननायक" कहकर पुकारती थीकृऔर यह संबोधन किसी प्रचार का परिणाम नहीं, बल्कि जीवन भर के संघर्ष का सम्मान था।कर्पूरी ठाकुर का जन्म 24 जनवरी 1924 को बिहार के एक साधारण परिवार में हुआ। प्रारंभिक जीवन आर्थिक कठिनाइयों में बीता, किंतु संघर्षों ने उनके भीतर संवेदना और साहस दोनों को गढ़ा। वे छात्र जीवन से ही स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण उन्हें जेल भी जाना पड़ा। यह वही दौर था जिसने उनके भीतर अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस स्थायी रूप से स्थापित कर दिया।स्वतंत्रता के बाद उन्होंने राजनीति को करियर नहीं, मिशन के रूप में अपनाया। समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर वे उन वर्गों की आवाज़ बने, जिनकी भागीदारी लोकतंत्र में नगण्य थी। उनकी राजनीति का मूल लक्ष्य थाकृसत्ता का विकेंद्रीकरण और सामाजिक अवसरों का न्यायपूर्ण वितरण। वे मानते थे कि लोकतंत्र तभी सार्थक होगा, जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक अवसर पहुँचेगा।बिहार की राजनीति में उनका कद लगातार बढ़ता गया। वे कई बार विधायक बने और दो बार बिहार के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए। किंतु मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उनके जीवन में कोई बाहरी परिवर्तन नहीं आया। सादा पहनावा, सरल रहन–सहन और जनता से सीधा संवादकृयह उनकी कार्यशैली का हिस्सा था। वे सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग के कट्टर विरोधी थे। उनके बारे में कहा जाता है कि वे निजी जीवन में भी उतने ही अनुशासित थे, जितने सार्वजनिक जीवन में।कर्पूरी ठाकुर का सबसे ऐतिहासिक निर्णय था पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू करना। 1978 में उनके नेतृत्व में बिहार में जो आरक्षण नीति लागू हुई, उसने सामाजिक न्याय की दिशा में नई बहस को जन्म दिया। यह निर्णय केवल प्रशासनिक आदेश नहीं था, बल्कि सदियों से वंचित समाज को प्रतिनिधित्व देने की ऐतिहासिक पहल थी। इस नीति ने आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर पर मंडल आयोग की सिफारिशों के लिए वैचारिक आधार तैयार किया। विरोध भी हुआ, राजनीतिक जोखिम भी थे, पर वे अपने निर्णय पर अडिग रहे। उनके लिए राजनीति जनहित से ऊपर नहीं थी।शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। वे शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम मानते थे। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा में अंग्रेज़ी की अनिवार्यता समाप्त कर दी, ताकि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को अवसर मिल सके। इस निर्णय पर भी बहस हुई, आलोचना हुई, पर उनका तर्क स्पष्ट थाकृशिक्षा अवसर का द्वार है, बाधा का नहीं।उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि सिद्धांतों पर टिके रहकर भी राजनीति की जा सकती है। उन्होंने कभी व्यक्तिगत संपत्ति अर्जित नहीं की। उनके निधन के समय भी उनके पास वैभव का कोई प्रतीक नहीं था। यही कारण है कि जनता उन्हें आज भी ईमानदारी और नैतिकता के प्रतीक के रूप में याद करती है।समय बीतने के साथ उनकी विचारधारा और भी प्रासंगिक होती गई। सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और समान अवसर की अवधारणा आज भी भारतीय लोकतंत्र की केंद्रीय चर्चा है। कर्पूरी ठाकुर ने जिस साहस के साथ इन मुद्दों को उठाया, उसने आने वाली पीढ़ियों के लिए रास्ता प्रशस्त किया। वे जातीय असमानता, आर्थिक विषमता और शिक्षा में भेदभाव के खिलाफ निरंतर संघर्षरत रहे।उनकी राजनीतिक शैली में संवाद और सहमति का विशेष स्थान था। वे विरोधियों से भी व्यक्तिगत कटुता नहीं रखते थे। उनकी वाणी में तीखापन हो सकता था, पर मन में द्वेष नहीं। वे सत्ता को सेवा का माध्यम मानते थे, विशेषाधिकार का नहीं। यही कारण है कि विभिन्न दलों और विचारधाराओं के लोग भी उनके प्रति सम्मान रखते थे।आज जब राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता की चर्चा होती है, तो कर्पूरी ठाकुर का नाम आदर से लिया जाता है। उन्होंने यह साबित किया कि गरीब परिवार से आया व्यक्ति भी यदि ईमानदारी और समर्पण से कार्य करे, तो समाज की दिशा बदल सकता है। वे केवल बिहार के नेता नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के नैतिक स्तंभों में से एक थे।उनकी जयंती पर हर वर्ष 24 जनवरी को उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। विद्यालयों, संस्थानों और राजनीतिक मंचों पर उनके योगदान को स्मरण किया जाता है। किंतु सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब सामाजिक न्याय की उनकी भावना को व्यवहार में उतारा जाएकृजब अवसरों की समानता सुनिश्चित हो, जब शिक्षा सबके लिए सुलभ हो और जब राजनीति सेवा का पर्याय बने।कर्पूरी ठाकुर का जीवन हमें यह सिखाता है कि जननेता वही है, जो जनता के बीच से उठे, जनता के लिए लड़े और अंततः जनता के विश्वास में अमर हो जाए। वे इतिहास के पन्नों में दर्ज नाम भर नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा में बसने वाला विचार हैं। उनकी सादगी, साहस और सामाजिक न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।––शम्भू शरण सत्यार्थी

संपादकीय

योगी आदित्यनाथ की विदेश यात्रा से विकास और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की नीति को नई मजबूती

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हालिया सिंगापुर और जापान यात्रा को केवल एक औपचारिक विदेशी दौरे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की आर्थिक आकांक्षाओं, वैश्विक पहचान और वैचारिक दृढ़ता का समन्वित प्रयास है। वर्ष 2017 में प्रदेश की बागडोर संभालने के बाद यह उनका पहला आधिकारिक विदेश दौरा रहा, जिसने यह संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश अब सीमित सोच से बाहर निकलकर विश्व स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है। 22 से 26 फरवरी 2026 के बीच संपन्न इस यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया कि विकास और सांस्कृतिक आत्मविश्वास साथ–साथ आगे बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने 23–24 फरवरी को सिंगापुर तथा 25–26 फरवरी को जापान में निवेशकों, उद्योगपतियों और प्रवासी भारतीयों से व्यापक संवाद किया। इन बैठकों का उद्देश्य केवल पूंजी आकर्षित करना नहीं था, बल्कि उत्तर प्रदेश को एक स्थिर, सुरक्षित और दूरदर्शी शासन वाले प्रदेश के रूप में स्थापित करना भी था। प्रदेश सरकार ने एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है, जिसे हिंदी में कहें तो यह लक्ष्य प्रदेश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की पंक्ति में खड़ा करने का संकल्प है। इस दिशा में आधारभूत संरचना, परिवहन व्यवस्था, भंडारण और आपूर्ति तंत्र, ऊर्जा उत्पादन, हरित ईंधन, अर्धचालक निर्माण तथा कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश अत्यंत आवश्यक है। इस यात्रा ने इन सभी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी। जानकारी के अनुसार, इस दौरे के दौरान लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से डेढ़ लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी हुए। सिंगापुर से लगभग एक लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव सामने आए, जिनमें साठ हजार करोड़ रुपये के समझौते शामिल हैं। जापान से प्राप्त प्रतिबद्धताओं ने इस राशि को और सुदृढ़ किया। निवेश के प्रस्ताव जिन क्षेत्रों में केंद्रित हैं, उनमें अर्धचालक, संगणक डेटा केंद्र, मोटर वाहन निर्माण, कृषि यंत्र, परिवहन एवं भंडारण तंत्र, हरित हाइड्रोजन तथा विमान रखरखाव केंद्र जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि भविष्य की तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है। जापान में मुख्यमंत्री ने जिन प्रमुख कंपनियों से संवाद किया, उनमें Suzuki, Honda, Kubota & Mitsui & Co. जैसी प्रतिष्ठित कंपनियाँ शामिल हैं। इन कंपनियों की विश्व स्तर पर साख है और उत्तर प्रदेश में उनकी मौजूदगी को और विस्तार देने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यदि ये प्रस्ताव निर्धारित समयसीमा में धरातल पर उतरते हैं तो प्रदेश में व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इससे युवाओं को अपने ही प्रदेश में सम्मानजनक आजीविका प्राप्त होगी और पलायन की समस्या में कमी आएगी। यह यात्रा केवल आर्थिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि राजनीतिक और वैचारिक दृष्टि से भी इसका विशेष महत्व है। मुख्यमंत्री की छवि एक कठोर प्रशासक और सांस्कृतिक चेतना से प्रेरित नेता की रही है। इस दौरे ने यह संदेश दिया कि विकास और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एक–दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। जापान में मंदिर दर्शन और सांस्कृतिक संवाद ने यह संकेत दिया कि भारत अपनी आध्यात्मिक परंपरा के साथ आधुनिक प्रगति का संतुलन साध सकता है। इस प्रकार आर्थिक कूटनीति और सांस्कृतिक कूटनीति का समन्वय देखने को मिला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह यात्रा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में भी महत्वपूर्ण है। विकास के ठोस आंकड़ों और निवेश प्रस्तावों के आधार पर सत्तारूढ़ दल प्रदेश की जनता के सामने उपलब्धियों का स्पष्ट चित्र प्रस्तुत कर सकेगा। विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों के बावजूद यदि निवेश प्रस्ताव वास्तविक परियोजनाओं में परिवर्तित होते हैं तो यह सरकार की विश्वसनीयता को और सुदृढ़ करेगा। विशेष रूप से युवाओं के बीच रोजगार सृजन का संदेश प्रभावी रहेगा। विपक्ष के नेता ।ीपसमी ल्कंअ ने इस यात्रा पर कटाक्ष करते हुए इसे अनावश्यक बताया, किंतु राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं। प्रश्न यह है कि क्या प्रदेश को वैश्विक निवेश से जोड़ना अनुचित है? यदि विदेश यात्राओं के माध्यम से पूंजी, तकनीक और रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नकारना उचित नहीं कहा जा सकता। वस्तुतः निवेश सफलता ने विपक्ष के आरोपों को कमजोर किया है और सरकार को अपनी विकासोन्मुख छवि को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान किया है। इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष प्रवासी भारतीयों से संवाद रहा। विदेशों में बसे भारतीय मूल के उद्यमियों और पेशेवरों के साथ संपर्क बढ़ाना प्रदेश की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। प्रवासी भारतीय केवल भावनात्मक रूप से ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी अपने मूल प्रदेश से जुड़ना चाहते हैं। यदि उन्हें पारदर्शी नीतियाँ और सुरक्षित निवेश वातावरण मिलता है तो वे प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। मुख्यमंत्री का यह संवाद उत्तर प्रदेश को वैश्विक भारतीय समुदाय से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है।

इतनी बड़ी आबादी के लिए रोजगार, आधारभूत संरचना और सामाजिक संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। पिछले कुछ वर्षों में सड़क, हवाई अड्डे, औद्योगिक गलियारे, रक्षा औद्योगिक क्षेत्र और तीर्थ स्थलों के विकास पर विशेष बल दिया गया है। यह विदेश यात्रा उसी क्रम की अगली कड़ी प्रतीत होती है। यदि निवेश प्रस्तावों को व्यवस्थित रूप से लागू किया जाता है, तो प्रदेश की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सिंगापुर और जापान दोनों ही अनुशासन, तकनीकी दक्षता और औद्योगिक प्रगति के लिए प्रसिद्ध देश हैं। उनसे साझेदारी केवल धन का आदान–प्रदान नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति और प्रबंधन कौशल का भी आदान–प्रदान है। उत्तर प्रदेश यदि इन देशों के अनुभवों से सीख लेता है, तो प्रशासनिक दक्षता और औद्योगिक उत्पादन दोनों में सुधार संभव है। अंततः कहा जा सकता है कि यह विदेश यात्रा केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि उद्देश्यपूर्ण रही है। विकास और सांस्कृतिक आत्मविश्वास को साथ लेकर चलने की नीति ने उत्तर प्रदेश को नई दिशा दी है। यदि निवेश प्रस्ताव वास्तविक परियोजनाओं में परिणत होते हैं, तो यह प्रदेश के आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हो सकता है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, किंतु विकास की दिशा में उठाए गए ठोस कदमों का मूल्यांकन परिणामों के आधार पर होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ की यह यात्रा उसी परिणाम की प्रतीक्षा में एक निर्णायक पहल के रूप में देखी जा सकती है, जो आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक परिदृश्य दोनों को प्रभावित करेगी।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

भगवान् शिव की आराधना

देवाधिदेव महादेव,भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कुछ छोटे और अचूक उपायों के बारे शिवपुराण में बताया गया है, ये उपाय इतने सरल हैं कि इन्हें बड़ी ही आसानी से किया जा सकता है। हर समस्या के समाधान के लिए शिवपुराण में एक अलग उपाय बताया गया है।

ये उपाय इस प्रकार हैं:–

शिवपुराण के अनुसार इन छोटे उपायों से भगवान शिव को आसानी से प्रसत्र किया जा सकता है

' भगवान शिव को चावल चढ़ाने से धन की प्राप्ति होती है।

' तिल चढ़ाने से पापों का नाश हो जाता है।

' जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है।

' गेहूं चढ़ाने से संतान वृद्धि होती है।

' बुखार होने पर भगवान शिव को जल चढ़ाने से शीघ्र लाभ मिलता है, सुख व संतान की वृद्धि के लिए भी जल द्वारा भगवान शिव को पूजा उत्तम बताई गई है।

' तीक्ष्ण बुद्धि के लिए शकर मिला दूध भगवान शिव को चढ़ाएं।

' शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाया जाए तो सभी आनंदों की प्राप्ति होती है।

' शिव को गंगा जल चढ़ाने से भोग व मोक्ष दोनों की प्राप्ति होती है। ' शहद से भगवान शिव का अभिषेक करने से रोग में आराम मिलता है। ' यदि कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से कमजोर है तो उसे उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए भगवान शिव का अभिषेक गौमाता के शुद्ध घी से करना चाहिए ।

'भगवान शिव को कौन–सा फूल चढ़ाने से क्या फल मिलता है

' लाल व सफेद आंकड़े के फूल से भगवान शिव का पूजन करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।

' चमेली के फूल से पूजन करने पर वाहन सुख मिलता है।

' अलसी के फूलों से शिव का पूजन करने पर मनुष्य भगवान विष्णु को प्रिय होता है।

' शमी वृक्ष के पत्तों से पूजन करने पर मोक्ष प्राप्त होता है।

' शिव को प्रसत्र करने के लिए डमरू जरूर बजाएं और बम–बम भोले बम–बम भोले कहने से कृपा मिलेगी।

' जूही के फूल से भगवान शिव का पूजन करें तो घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती।

' कनेर के फूलों से भगवान शिव का पूजन करने से नए वस्त्र मिलते हैं। ' हरसिंगार के फूलों से पूजन करने पर सुख–सम्पत्ति में वृद्धि होती है।

' धतूरे के फूल से पूजन करने पर भगवान शंकर सुयोग्य पुत्र प्रदान करते हैं, जो कुल का नाम रोशन करता है।

' लाल डंठलवाला धतूरा शिव पूजन में शुभ माना गया है।

' दूर्वा से भगवान शिव का पूजन करने पर आयु बढ़ती है।

स्तुतियों से भी करें शिव आराधना

' शिव सहस्त्रनामावली का पाठ करें।

' शिव की सबसे प्रचलित स्तुति है–

कर्पूर गौरं करुणावतारं संसार सारं भुजगेन्द्र हारं

' सदा वसन्तं हृदयारवृन्दे भवं भवानी सहितं नमामि !!

' 21 बिल्वपत्रों पर चंदन से नमः शिवाय लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाएं, इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

' शिवलिंग पर केशर मिला दूध चढ़ाने से विवाह कार्य में आ रही बाधा दूर होती है।

' नंदी (बैल) को हरा चारा खिलाएं। इससे जीवन में 'राजाद्य 'महाराजाद्य जैसी सुख–समृद्धि आएगी और मन प्रसत्र रहेगा।

' गरीबों को भोजन कराएं, इससे आपके घर में कभी अन्न की कमी नहीं होगी तथा पितरों की आत्मा को शांति मिलेगी।

' सुबह जल्दी उठकर स्नान के बाद शिव मंदिर में भगवान शिव का जल से अभिषेक कर उन्हें काले तिल अर्पित करें तत्पश्चात मन ही मन में ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। इससे मन को शांति मिलेगी।

' किसी नदी या तालाब जाकर ऊँ नमः शिवाय का जप करते हुए आटे की गोलियां मछलियों को खिलाएं, यह धन प्राप्ति का बहुत ही सरल उपाय है।

' भगवान शिव को प्रसाद का भोग लगाना चाहिए। इसके बाद धूप, दीप से आरती करें। प्रसाद को गुरुजनों, बुजुर्गों और परिवार, मित्र सहित ग्रहण करें।

' महामृत्युंजय मंत्र का जप 108 बार करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। शिवलिंग पर गाय का कच्चा दूध चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा आप पर हमेशा बनी रहेगी।

' इस दिन द्वादश ज्योतिर्लिंग मंत्र का पाठ करते हैं तो भगवान विष्णु प्रसत्र होते हैं।

' महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करते हैं तो माँ दुर्गा आपके रोग और ग्रह के दोष

' ऊँ नमः शिवाय जपते हैं तो भगवान शिव स्वयं प्रसन्न होते हैं।

बढ़ायें अपनी नेत्र ज्योति

आंखें हमारे शरीर का एक अति–संवेदनशील और महत्त्वपूर्ण अंग हैं। आंखों को स्वस्थ एवं सुरक्षित रखने के लिए हमें समय–समय पर इनकी उचित देखभाल की जरूरत पड़ती है। आंखों की कमजोरी एक आम समस्या है जिससे अधिकांश लोग पीड़ित हैं।

आंखों की कमजोरी को दूर करने के लिए डाक्टर चश्मा लगाने की सलाह देते हैं लेकिन कुछ लोगों को चश्मा लगाना बिलकुल अच्छा नहीं लगता और वे इससे बचने का प्रयास करते हैं। कई नवयुवक कमजोर आंखों के कारण ही सेना में चयन प्रक्रिया के दौरान अयोग्य घोषित कर दिए जाते हैं जिससे उन्हें निराशा का सामना करना पड़ता है।

वैसे तो कमजोर आंखों के लिए चश्मे का प्रयोग किया जाता है लेकिन नेत्र –ज्योति बढ़ाने वाले ऐसे कई फायदेमंद उपचार हैं जिनके नियमित प्रयोग से धीरे–धीरे आंखों की ज्योति बढ़ने लगती है और एक समय ऐसा आता है जब चश्मा लगाने की आवश्यकता नहीं रहती। ये उपचार घरेलू एवं सरल हैं अतः इनके प्रयोग से आप भी इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। कुछ प्राकृतिक एवं घरेलू उपचार निम्न हैं–

आधा चम्मच पिसी हुई मिश्री, आधा चम्मच ताजा मक्खन, चैथाई चम्मच पिसी हुई काली मिर्च सबको मिलाकर रख लें। सुबह खाली पेट इस मिश्रण को चाट कर खाएं। इसके बाद कच्चे नारियल की गिरी के दो–तीन टुकड़े खा लें। फिर थोड़ी–सी सौंफ खूब चबा कर खाएं। यह उपचार दो– से तीन महीने तक करें।

हल्का–सा शुद्ध शहद लेकर काजल की तरह आंखों में लगाएं। इससे आंखों की ज्योति बढ़ती है। शहद सप्ताह में दो या तीन दिन ही लगाएं। शहद शुद्ध हो, इसका खास ध्यान रखें।

दो चुटकी पिसी हुई काली मिर्च, पांच ग्राम मक्खन के साथ प्रतिदिन खाएं। इससे आंखों की कमजोरी दूर होती है।

प्रतिदिन गुलाबजल की दो–दो बूंदें आंखों में डालने से नेत्र ज्योति बढ़ने लगती है।

ये सभी घरेलू उपचार फायदेमंद हैं लेकिन इनका प्रयोग नियमित रूप से एवं धैर्यपूर्वक करना आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त अपने खान–पान पर ध्यान देना भी आवश्यक है। अपने खान–पान में पालक, गाजर, बथुआ, टमाटर, मूली, पपीता इत्यादि साग–सब्जियों का प्रयोग अधिक करें। दूध, दही, नारियल, सौंफ, मिश्री का प्रयोग भी लाभदायक है। ज्यादा मिर्च–मसालों के सेवन से बचें। तम्बाकू का सेवन बिलकुल न करें। पर्याप्त रोशनी में ही कोई कार्य करें अथवा पढ़ें तथा आंखों के थक जाने पर उन्हें पूरा आराम दें। धूप से आंखों को बचाने के लिए काला चश्मा लगाएं।

इस तरह इन सभी बातों पर अमल करके एवं घरेलू उपचारों के प्रयोग से आप अपनी नेत्र ज्योति बढ़ा सकते हैं और जीवन के प्रत्येक क्षेत्रा में आगे बढ़ सकते हैं।

शहरी जिन्दगी और मधुमेह का तांडव

मधुमेह के रोगियों की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद करीब 90 फीसदी रोगी इस रोग से अनभिज्ञ हैं। यह एक ऐसा रोग है जिसकी प्रारंभिक अवस्था में रोगी को इसके बारे में कुछ भी जानकारी नहीं होती और रोगी अपने को स्वस्थ समझता रहता है लेकिन अन्दर ही अन्दर अनेकों विकृतियां बढ़ती चली जाती हैं और रोग खतरनाक रूप ले लेता है। रोगी को इस बात का अहसास तब होता है जब रोग अत्यन्त जटिल स्थिति में पहुंच गया होता है और उस वक्त रोगी इलाज के लिए चिकित्सक के पास पहुंचता है। इस रोग में रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। कुछ ही दिनों पहले इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि मधुमेह का कारण मानसिक तनाव है जो शहरों में अधिकांश लोगों को जकड़े हुए है। रक्त में ग्लूकोज की मात्रा और मानसिक तनाव में गहरा संबंध है। ज्ञातव्य है जब हम अत्यंत संवेगात्मक यानी तनाव, चिंता, भय, क्रोध इत्यादि की अवस्था में रहते हैं तब हमारे शरीर की सभी अंतःस्रावी ग्रंथियां शिथिल पड़ जाती हैं। फलस्वरूप उनसे स्रावित होने वाले हारमोन्स की मात्रा घट जाती है या स्राव बन्द हो जाता है और हमारे शारीरिक रसायनों में असंतुलन पैदा हो जाता है। ठीक इसी तरह की प्रक्रिया मधुमेह के रोगियों में भी होती है।

हमारे शरीर के पाचनतंत्र में ड्योडेनम और आमाशय के बीच पैंक्रियाज नामक एक ग्रंथि होती है। इस पैंक्रियाज (अग्नाशय) से एक इन्सुलिन नामक हार्मोन का स्राव होता है जो भोजन में लिए गये ग्लूकोज को पचाता है। संवेगात्मक अवस्था में पैंक्रियाज शिथिल पड़ जाता है और इससे स्रावित होने वाले हारमोन्स की मात्रा बहुत ही कम हो जाती है जिससे पूर्ण ग्लूकोज का पाचन नहीं हो पाता और व्यक्ति के रक्त में शूगर की मात्रा बढ़ने लगती है। रक्त में शूगर की यही थोड़ी मात्रा बढ़कर एक दिन मधुमेह का रूप धारण कर लेती है। एक अध्ययन के अनुसार युद्ध की भयानक अवस्थाओं से गुजरने के बाद अनेकों सैनिक इस रोग की गिरफ्त में आ गये। द्वितीय विश्व युद्ध में युवक अनेकों सैनिक इस रोग से पीड़ित पाये गये।

अन्य रोगों की तरह मधुमेह के भी कुछ लक्षण होते हैं जिनके द्वारा हमें इस रोग के होने की पहले पहल जानकारी होती है। वजन में कमी, फोड़े फुन्सियों का बार–बार निकलना, घाव न भरना, कहीं कट जाने पर घाव हो जाना, अधिक प्यास लगना, बार–बार पेशाब आना, आंखों से धुंधला दिखना, बहुत अधिक भूख लगना, फेफड़े का टी. बी. आदि इस रोग के प्रमुख लक्षण है।

मधुमेह हृदय, रक्त नलिकाओं, स्नायुतंत्र, गुर्दे, फेफड़ों, लीवर, त्वचा इत्यादि रोगों से संबंधित रोगों को भी जन्म दे सकता है। इन लक्षणों द्वारा मधुमेह के रोगियों में रोग प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है और चिकित्सक द्वारा उचित इलाज कराकर छुटकारा पाया जा सकता है।

एक और जानने वाली बात यह है कि बहुत से रोगियों के मूत्र की जांच करने पर भी उनके मूत्र में ग्लूकोज की मात्रा नहीं मिलती। अतः इस रोग से पीड़ितों के लिए यूरिन टेस्ट की जगह ब्लड शूगर टेस्ट अधिक उपयुक्त है। ब्लड शूगर टेस्ट द्वारा रक्त में ग्लूकोज की उपस्थिति की सही सही जांच हो जाती है।

इस रोग के उपचार के लिए डाक्टर के दिखाने और दवा लेने के अतिरिक्त खाने पीने की सामग्रियों में परिवर्तन बहुत ही जरूरी चीज है। इस रोग से पीड़ित व्यक्तियों को चीनी युक्त भोज्य पदार्थ जैसे ग्लूकोज, मुरब्बा, मिठाइयां, जैली, केला इत्यादि नहीं देना चाहिए। इस रोग में चावल खाना भी हानिकारक है लेकिन थोड़ी मात्रा में चावल लेने से कोई हानि नहीं होती। इसके रोगियों को रेशेदार खाद्य पदार्थ जैसे नींबू, खीरा, ककड़ी, जामुन, करेला आदि खाना अधिक लाभकारी है।

शहरों के कार्यालयों में काम करने वाले लोगों में इस रोग से पीड़ित होने की संभावना अधिक होती है। कार्यालय में कार्यरत लोग खर्च अधिक होने के कारण या परिवार बड़ा होने के कारण कम तनख्वाह में आर्थिक दृष्टि से अपने आप को अभियोजित नहीं कर पाते और हमेशा आर्थिक अभाव के कारण तनावग्रस्त रहते हैं जिससे मधुमेह से पीड़ित होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है। इसके अलावा दफ्तर के कर्मचारियों को मेहनत के समय बैठे–बैठे बार बार चाय और मिठाइयों जैसी हानिकारक चीजें लेना आदि आदतें रोग को बढ़ाने में और अधिक सहायता पहुंचाती हैं।

हंसिये और स्वस्थ रहिए

मानव की स्वभावगत प्रवृत्तियों में से एक बड़ी मोहक प्रवृत्ति है 'हास्य विनोद' की। मनुष्य के अतिरिक्त सभी जानवर शिकार कर सकते हैं, खाना एकत्र कर सकते हैं, प्यार जता सकते हैं परन्तु हंस नहीं सकते। यह वरदान तो सिर्फ मनुष्यों को ही मिला है। हंसी क्या है, इसकी परिभाषा सर्वप्रथम अंग्रेज फिलासफर 'थामस हाब्स' ने दी। अचानक प्रसन्न होने से जो भाव उत्पन्न हों, वह हंसी है। प्रसिद्व जापानी कवि नागूची ने भगवान से वरदान मांगा था 'जब जीवन के किनारे की हरियाली सूख गई हो, सूर्य ग्रहणग्रस्त हो गया हो, मेरे मित्रा मुझे कांटों में अकेला छोड़ कर कतरा गये हो व आकाश का सारा क्रोध मेरे भाग्य पर बरस रहा हो तो है भगवान, मुझ पर इतनी कृपा करना कि मेरे होंठों पर हंसी की उजली लकीर खिंच जाये।

कई लोग पचास साठ के होने पर भी तीस पैंतीस के लगते हैं क्योंकि उनका चिन्ता से क्या वास्ता? हंसते रहो और तरूण बने रहो। सचमुच बुराई रूपी पापों को धोने के लिए इससे बढ़कर कोई दूसरा गंगाजल नहीं है। हंसना निश्चय ही चिन्ता व मानसिक तनाव को कम कर देता है।

बहुत से वक्ता अपने भाषण में हास्य विनोद का पुट रखते हैं ताकि श्रोता देर तक सुनने के पश्चात भी न उकतायें। राहुल सांकृत्यायन ऐसे ही वक्ता थे। भाजपा नेता और पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी श्रोताओं को हंसा हंसाकर लोट पोट कर देने हेतु विख्यात हैं। यहां तक कि श्रोता उनके भाषण रिकार्ड करके रखते हैं। हंसने से मस्तिष्क की कार्य क्षमता बढ़ जाती है। गांधीजी ने तो यहां तक कह दिया था कि 'मुझमें हास्य का भाव न होता तो मैंने बहुत पहले ही आत्महत्या कर ली होती।'

बीरबल के हास्य विनोद से सरोबार चुटकुलों ने अकबर के हृदय को किस प्रकार जीत लिया था, यह तो सब जानते ही हैं। एक हंसमुख डाक्टर को देखकर आधी बीमारी तुरन्त भाग जाती है। साक्षात्कार में भी वह व्यक्ति आसानी से चुन लिया जाता है जो हंसमुख स्वभाव का हो। एक विनोदप्रिय नेता के पीछे अनुगामियों की कतार जुट जाती है। यदि सद्व्यवहार के साथ हास्य विनोद का मेल हो जाये तो मानों सोने पे सुहागा हो जायेगा। सचमुच हंसी दिमाग के बोझ को समाप्त कर देती है। सफर में एक चुटकुला श्रोता को हंसा सकता है, सुनाने वाले को परिचित बना सकता है। हंसने का शरीर पर तुरन्त प्रभाव पड़ता है। फ्रेंच फिलासफर शैफर्ट की यह उक्ति सदैव याद रखनी चाहिए 'मैं उसे जिन्दगी का सबसे व्यर्थ दिन मानता हूं जिस दिन मुझे हंसना याद न रहो हो।'

मनुष्य हास्य विनोद की अचूक औषधि से कड़वे से कड़वा पत्थर भी पचा सकता है। अतः 'हास्य विनोद' से सफल जीवन के अधिकारी बनें और अन्य व्यक्तियों के मन को भी आह्लादित करते रहें।

बदलते मौसम में रहें सावधान

आजकल सर्दी जा रही है, गर्मी आ रही है। सुबह शाम को ठंड और दोपहर में गर्मी पड़ रही है जिससे लोग लापरवाही बरतने लगते हैं। ऐसे में लोग कई प्रकार के संक्रमण व बीमारी से परेशान हो जाते हैं। गले में खराश, खांसी और दर्द रहना आम समस्या है पर इससे निबटना उतना आसान नहीं है। कई बार यह समस्या सालों तक परेशान करती है। समय पर ध्यान न देने से आवाज की गुणवत्ता पर भी असर पड़ने लगता है। इस संक्रमण से लड़ने के लिए मात्रा एंटीबायोटिक दवाओं पर भरोसा करना ठीक नहीं है। पिछले कुछ सालों में ऐसे लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है जो अक्सर गले के संक्रमण से परेशान रहते हैं। मौसम में बदलाव का समय विषाणुओं की उत्पत्ति के अनुकूल होता है। यही वजह है कि इस समय गले का संक्रमण तेजी से फैलता है। अक्सर लोग खुद ही एंटीबायोटिक दवाएं लेना शुरू कर देते हैं जो वायरस के कारण हुए संक्रमण में बेअसर साबित होती हैं। अधिक भीड़–भाड़ व प्रदूषण के बीच रहना भी गले के संक्रमण की आशंका बढ़ा देता है। गले का संक्रमण अपने साथ कुछ समस्याएं भी लेकर आता है, जैसे नाक बंद होना या बहना, छींकें आना, सांस लेने में कठिनाई होना, खांसी आना, गहरी सांस लेने में मुश्किल होना आदि। गले के संक्रमण को दो आधारों पर बांटा जा सकता है। पहला, संक्रमण के कारण गले का कौन–सा हिस्सा प्रभावित है। इस आधार पर तीन तरह के संक्रमण होते हैं, फैरिंजाइटिस, टान्सिलाइटिस और लैरिंजाइटिस। फैरिंजाइटिस में पूरे गले पर असर पड़ता है। गले में दर्द के साथ खाना निगलने में भी दिक्कत होती है। टान्सिलाइटिस में टान्सिल्स में सूजन होने के साथ गले और जबड़ों के आसपास के हिस्से में दर्द होता है। लैरिंजाइटिस में वायस बाक्स लैरिंक्स प्रभावित होता है जिससे आवाज भारी हो जाती है, गला बैठ जाता है या फिर दर्द के साथ खांसी होती है। लंबे समय तक उपेक्षा करने से आवाज प्रभावित होने लगती है। संक्रमण के दूसरा कारण क्या हैं ? वायरस, बैक्टीरिया और एलर्जी इसकी प्रमुख वजह हैं।

एलर्जी – इसमें व्यक्ति के एलर्जी करने वाले तत्वों के संपर्क में आने पर ही गला खराब हो जाता है। अगर एलर्जी किसी विशेष खाद्य पदार्थ या परफ्यूम से है तो परहेज करना आसान होता है पर धूल, प्रदूषण, धुएं या मौसम के बदलाव के कारण होने वाले संक्रमण से बचना मुश्किल होता है। आपको किससे एलर्जी है, यह जानने के लिए अपनी गतिविधियों को नोट करना जरूरी है। अपने खान–पान और कपड़ों के फेब्रिक आदि बातों पर भी ध्यान दें। कई दिन तक ऐसा करने से एलर्जी करने वाले कारकों को पहचानना और उनसे बचना आसान हो जाएगा। यूं एलर्जी से जुड़े टेस्ट भी होते हैं। कई बार इसकी वजह आनुवंशिक भी होती है।

एसिड रिफ्लक्स – बार–बार होने वाले एसिड रिफ्लक्स (खाना खाने के बाद फूड पाइप के जरिये उसका मुंह की तरफ वापस आना) से भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके लिए खान–पान में बदलाव करना जरूरी है। थोड़े–थोड़े अंतराल पर कम–कम खाना, मसालेदार और तला–भुना खाने से बचना, नियमित व्यायाम करना, रात में खाने और सोने के बीच कम से कम दो से तीन घंटे का अंतर रखना और बेड पर सिरहाना ऊंचा करके सोना फायदेमंद साबित होता है। इनसे एसिड रिफ्लक्स की समस्या कम हो जाती है।

आवाज पर असर– गले के संक्रमण के कारण यदि आवाज पर असर पड़ रहा है तो सावधान हो जाएं और किसी अच्छे चिकित्सक से संपर्क करें। खूब सारा पानी पीने के अलावा गले को आराम देना जरूरी है। अधिक चिल्लाने, गाने, लगातार बात करने और धीरे–धीरे बोलने से बचना चाहिए।

खुद से दवाएं लेने से बचें – गले के संक्रमण के ज्यादातर मामलों में होमियोपैथिक चिकित्सा बहुत कारगर है। गले के संक्रमण में थ्रोट पैक भी फायदा पहुंचाता है। इसके तहत गले को गर्म कपड़े का सेंक दिया जाता है। फिर 2–2.5 फुट लंबाई वाले सूती कपड़े को ठंडे पानी में भिगोने के बाद निचोड़ कर गले पर लपेट कर उसके बाहर एक घंटे तक मफलर लपेटा जाता है। ऐसा करने से धीरे–धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार आता है।

अनियमित जीवनशैली की वजह से जो रोग खतरनाक रूप ले रहे हैं, उनमें गले का संक्रमण भी एक है।

देशभर में फैले 'बड़े खतरे' को दिखाने के लिए बनायी 'द केरल स्टोरी 2': विपुल शाह

मुंबई, (भाषा) फिल्मकार विपुल शाह ने कहा है कि उन्होंने जबरन धर्मांतरण पर आधारित 2023 की अपनी विवादित फिल्म 'द केरल स्टोरी' का सीक्वल इसलिए बनाने का निर्णय लिया क्योंकि वह ''कहीं अधिक व्यापक खतरे'' को उजागर करना चाहते थे, जो उनके अनुसार केवल केरल तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे देश में फैला हुआ है। शाह ने कहा कि पहली फिल्म के बाद उन्हें देश के अलग–अलग हिस्सों से ऐसी कई कहानियां मिलीं, जिनसे लगा कि यह मुद्दा सिर्फ केरल तक सीमित नहीं है। इसी सोच से 'द केरल स्टोरी 2 : गोज बियॉन्ड' को जन्म दिया, जो भारी विवाद के बीच पिछले सप्ताह सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म अलग–अलग राज्यों की तीन हिंदू महिलाओं की कहानी दिखाती है, जो परिवार के विरोध के बावजूद मुस्लिम पुरुषों से शादी करती हैं और बाद में उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है। शाह ने 'सनशाइन पिक्चर्स' बैनर के माध्यम से इसका निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि पहली फिल्म के बाद इसका सीक्वल बनाने की पहले से कोई योजना नहीं थी। पहली फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी और दो राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे। शाह ने 'पीटीआई–भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, '''केरल स्टोरी 2' बनाने की कोई योजना भी नहीं थी। लेकिन 'केरल स्टोरी 1' के बाद हमें कई कहानियां मिलने लगीं। तब मुझे एहसास हुआ कि यह समस्या सिर्फ केरल तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में कहीं बड़े रूप में मौजूद है। हमें लगा कि यह कहानी बताना जरूरी है, क्योंकि यह पहली फिल्म में दिखाए गए घटनाक्रम से कहीं ज्यादा व्यापक और अलग है। इसी वजह से हमने दूसरा भाग बनाने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा, ''यह कोई मार्केटिंग चाल नहीं थी कि 'चलो दूसरा भाग बना लेते हैं, पहली फिल्म को खूब प्रशंसा मिली, अब इसे आगे बढ़ाते हैं।' ऐसा बिल्कुल नहीं था।'' युवतियों के धर्म परिवर्तन और कट्टरपंथ की ओर धकेले जाने के विषय पर आधारित पहली फिल्म का निर्देशन सुदीप्तो सेन ने किया था, वहीं इसके सीक्वल का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या इस फिल्म का तीसरा भाग भी आएगा तो शाह ने कहा कि फिलहाल इस संबंध में कोई ठोस योजना नहीं है। उन्होंने कहा, ''लेकिन अगर भविष्य में हमारे पास कोई प्रभावशाली और ठोस कहानियां आती हैं या कुछ नए तथ्य सामने आते हैं, तो संभव है कि हम उस विषय पर भी फिल्म बनाना चाहें। लेकिन फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है।'' 'द केरल स्टोरी 2' रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई। ट्रेलर सामने आते ही इसे घृणा फैलाने का दुष्प्रचार कहकर इसकी आलोचना शुरू हो गई। केरल उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने इसकी रिलीज पर 15 दिन की रोक लगा दी थी, जिसे बाद में खंडपीठ ने हटाते हुए रिलीज करने की अनुमति दे दी।

नागिन 7 में चार चांद लगाएंगी कनिका मान

टीवी का पॉपुलर शो 'नागिन 7' पूरी तरह लोगों के दिलों–दिमाग पर छा चुका है। इस शो में बदला, रहस्य और सुपरनैचुरल ड्रामा, सब कुछ एक साथ देखने को मिल रहा है जिसकी वजह से लगातार ऑडियंस का हुजूम इस शो से जुड़ता चला जा रहा है। कहा जा सकता है कि 'नागिन 7' को इसके पहले 6 सीजन के मुकाबले ऑडियंस का ज्यादा समर्थन मिल रहा है। इस सीजन के जबर्दस्त लोकप्रिय होने की सबसे बड़ी वजह शो की कहानी को माना जा रहा है।शो की कहानी इतनी तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है कि हर हफ्ते कोई न कोई बड़ा महाट्विस्ट शो में देखने मिल रहा है। हर नए एपिसोड के साथ कहानी और ज्यादा दिलचस्प होती जा रही है। 'नागिन 7' को उसकी तेज रफ्तार कहानी के लिए भी जमकर तारीफ मिल रही है।शो में नागिन यानी पूर्वी के रोल में प्रियंका चाहर चौधरी का अवतार लोगों को खूब पसंद आ रहा है। उनकी एक्टिंग, स्क्रीन प्रेजेंस और एक्सप्रेशंस कहानी को काफी मजबूत और असरदार बना रहे हैं।नमिक पॉल के साथ प्रियंका चाहर चौधरी की केमिस्ट्री की खूब चर्चा हो रही है। शो में प्रियंका का किरदार अब सिर्फ एक नागिन तक सीमित नही रहा बल्कि बदले की आग में जलती एक मजबूत महिला के रूप में वह सामने आ रही है। आज के दौर के बेहद कामयाब टीवी शो 'नागिन 7' में अब कनिका मान की एंट्री ड्रैगन के रोल में होने वाली हैं। शो में इस किरदार की एंट्री पूर्वी यानी नागिन की जिंदगी में बड़ा तूफान लेकर आने वाली है।7 अक्तूबर 1993 को हरियाणा में पैदा हुई कनिका ने पंजाब यूनिवर्सिटी से एलएलबी की डिग्री हासिल करने के बाद मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की थी। साल 2015 में उन्होंने 'मिस कॉन्टिनेंटल' का खिताब अपने नाम किया। महज 20 साल की उम्र में जी टीवी के पॉपुलर शो 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में तीन बहुओं की सास गुड्डन की भूमिका निभाकर कनिका को अचानक इतनी पॉपुलैरिटी हासिल हुई कि वह लाइमलाइट में आ गई थीं।अब 'नागिन 7' में कनिका का ड्रैगन वाला ये किरदार काफी मल्टीलेयर्ड होने वाला है। जिसमें सिर्फ गुस्सा या नेगेटिविटी नहीं बल्कि गहरे इमोशन्स भी देखने को मिलेंगे।

महेश बाबू ने फिल्म 'द ब्लफ' में प्रियंका चोपड़ा जोनास के अभिनय की सराहना की

नयी दिल्ली, तेलुगु अभिनेता महेश बाबू ने अपनी फिल्म 'वाराणसी' की सह–कलाकार प्रियंका चोपड़ा जोनास की फिल्म 'द ब्लफ' में उनके काम की प्रशंसा की। महेश बाबू ने कहा कि वह "शानदार फॉर्म में हैं, दमदार हैं और अपने दमदार प्रदर्शन से हर कसौटी पर खरी उतरती हैं।" महेश ने रविवार शाम को अपने 'एक्स' हैंडल पर एक नोट साझा किया और 'द ब्लफ' को "अच्छी फिल्म" बताया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, "'द ब्लफ' एक बेहतरीन ढंग से निर्मित फिल्म है जिसमें आकर्षक एक्शन और भावनाएं हैं!!! प्रियंका चोपड़ा अपने बेहतरीन फॉर्म में हैं, दमदार अभिनय से हर कसौटी पर खरी उतरती हैं... इस अद्भुत काम के लिए टीम को मेरा ढेर सारा प्यार।" फ्रैंक ई. फ्लावर्स द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई। रोमांचक पृष्ठभूमि पर आधारित, 'द ब्लफ' प्रियंका द्वारा अभिनीत एक पूर्व समुद्री डाकू की कहानी है, जो अपने हिंसक अतीत को पीछे छोड़कर अपने परिवार की रक्षा में जुटी है। फिल्म में सफिया ओकले–ग्रीन, टेमुएरा मॉरिसन, इस्माइल क्रूज़ कॉर्डोवा, ज़ैक मॉरिस और डेविड फील्ड जैसे कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्माण फिल्म निर्माता जोड़ी एंथोनी रूसो, जो रूसो तथा एंजेला रूसो–ओटस्टॉट ने अपने बैनर एजीबीओ के तहत किया है। फिल्म 'वाराणसी' तेलुगु भाषा की एक्शन–एडवेंचर फिल्म है। इसका निर्देशन प्रशंसित फिल्म निर्माता एस. राजामौली ने किया है।

सूर्या की अगली तमिल फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' जुलाई में रिलीज होगी

चेन्नई, (भाषा) तमिल अभिनेता सूर्या की आगामी फिल्म का नाम 'विश्वनाथ एंड संस' रखा गया है, जो जुलाई में सिनेमाघरों में दिखायी देगी। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को इसकी घोषणा की। सितारा एंटरटेनमेंट्स प्रोडक्शन बैनर ने वेंकी अटुलुरी के निर्देशन वाली 'विश्वनाथ एंड संस' का पहला पोस्टर जारी किया है। अटुलुरी 'लकी भास्कर' का भी निर्देशन कर चुके हैं। यह मुख्य अभिनेता के रूप में सूर्या की 46वीं फिल्म है। फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा पर आधारित है और जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। स्टूडियो ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा, "उनकी उपस्थिति में शक्ति है। उनकी मौजूदगी से अपनेपन का अहसास होता है। एक दिल को छू लेने वाले पारिवारिक ड्रामा में सूर्या का पुराना जादू लौटने वाला है। 'विश्वनाथ एंड संस' साल का सबसे बड़ा पारिवारिक ड्रामा इस साल जुलाई में रिलीज होगा।" फिल्म के पोस्टर में सूर्या ने अपनी बाहों में एक मुस्कुराते हुए बच्चे को लिया हुआ है, जो पारिवारिक रिश्तों पर केंद्रित एक भावनात्मक कहानी की ओर इशारा करता है। 'प्रेमुलु' में अपने काम के लिए पहचाने जाने वाली अभिनेत्री ममीथा बैजू फिल्म में सूर्या के साथ अभिनय कर रही हैं। फिल्म में रवीना टंडन, राधिका सरथकुमार, भवानी श्री और ब्योर्न सुरराव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्माण नागा वामसी और साई सौजन्या ने संयुक्त रूप से किया है। फिल्म का संगीत जी वी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है, जबकि छायांकन निमिश रवि ने किया है। मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार, फिल्म की कहानी एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति और एक युवा लड़की के बीच के रिश्ते के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसमें पारिवारिक और भावनात्मक जुड़ाव दिखाया गया है।

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्वयं फील्ड में उतर कर अफसरों के साथ अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील का दौरा किया'

जी एन भट्ट

जयपुर, फोकस न्यूज, राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को स्वयं फील्ड में उतर कर जिले के अफसरों के साथ ऐतिहासिक आनासागर झील का दौरा किया। उन्होंने राज्य सरकार की बजट घोषणाओं तथा शहर से जुड़े विकास कार्यों पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन कार्यों से संबंधित प्रक्रिया तुरंत शुरू हो ताकि आमजन को इनका लाभ मिल सके। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को अजमेर के संभागीय आयुक्त एवं नगर निगम प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ आनासागर झील में मिट्टी निकालने के कार्य पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मौके पर जाकर विभागीय अधिकारियों की योजना को समझा। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा के तहत झील से करीब एक मीटर तक मिट्टी निकाली जाएगी। इस पर करीब 78 करोड़ रूपए की लागत आएगी। देवनानी ने कहा कि झील में सभी तरफ से मिट्टी निकाली जाए ताकि बारिश का ज्यादा पानी झील में आ सके।

देवनानी ने अजमेर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए कि शहर में चार नई सड़कों के विकास और विस्तार के प्रस्ताव तुरन्त तैयार किए जाए। इसके तहत नगर निगम के नए कार्यालय से लोहागल होते हुए नागौर हाईवे, स्टीफन चौराहे से माकड़वाली होते हुए नागौर हाईवे, पृथ्वीराज नगर से रातीडांग, चौरसियावास होते हुए नौसरघाटी तथा रेयान स्कूल से हाथीखेड़ा होते हुए वरूण सागर एवं खरेकड़ी रोड़ तक नई सड़क तैयार करवाई जाए। इसी तरह विजयराजे सिंधिया नगर के पास प्रगतिरत खेल स्टेडियम के कार्य की भी समीक्षा की गई। देवनानी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि अजमेर के चारों ओर प्रस्तावित रिंग रोड की डीपीआर जल्द तैयार की जाए। राज्य बजट में इसके लिए 3 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि अजमेर निगम क्षेत्र में नए शामिल क्षेत्रों में सफाई एवं रोड़ लाइट्स की सही व्यवस्था की जाए। रामसेतू के नीचे पार्किंग जल्द शुरू करवाई जाए। केसर बाग पुलिया ऊंची करने तथा ब्रह्मपुरी नाले की सफाई एवं गहराई बढ़ाने के काम को प्राथमिकता से किया जाए। भीड़भाड़ और तंग रास्तों पर डीएमएफटी से स्वीकृत अग्निशमक उपकरण लगाए जाए। तत्काल सड़कों का पेचवर्क किया जाए। जिन क्षेत्रों में महिला शौचालय बनना प्रस्तावित है, वहां काम अविलंब शुरू किए जाए।

उद्योगों में सुरक्षा संस्कृति अपनाना समय की जरूरत : उपमुख्यमंत्री बैरवा

जयपुर, (भाषा) राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने उद्योगों में सुरक्षा संस्कृति अपनाने को समय की आवश्यकता बताते हुए बुधवार को कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल औद्योगिक विकास की आधारशिला है। वह राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान में 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''विकसित भारतदृ2047'' के विजन को साकार करने के लिए सुरक्षित और सुदृढ़ औद्योगिक वातावरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों में सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करने तथा श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। डॉ. बैरवा ने कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल न केवल श्रमिकों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, बल्कि उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाने और देश के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने औद्योगिक इकाइयों से आधुनिक तकनीकों, कृत्रिम मेधा (एआई), सेंसर आधारित निगरानी और 'रीयल–टाइम मॉनिटरिंग' जैसे उपायों को अपनाने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इन तकनीकों के माध्यम से संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सकता है। उन्होंने सुरक्षा जागरूकता पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।कार्यक्रम में कारखाना सुरक्षा पुरस्कार योजना–2026 के अंतर्गत औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली इकाइयों को सम्मानित किया गया।

सोरेन ने प्रधानमंत्री से खाड़ी देशों में झारखंड के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया

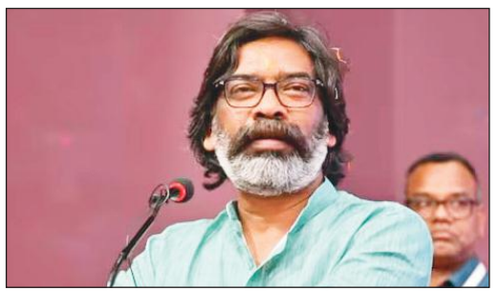

रांची, (भाषा) झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खाड़ी देशों में बदलती स्थिति को बेहद चिंताजनक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का सोमवार को आग्रह किया। सोरेन ने आश्वस्त किया कि उनकी सरकार विदेश में फंसे राज्य के लोगों की हर संभव सहायता करेगी। सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा, "खाड़ी क्षेत्र में तेजी से बदल रही स्थिति अत्यंत चिंता का विषय है। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अनुरोध करता हूं कि इस गंभीर परिस्थिति में जो भी भारतीय स्वयं को असुरक्षित या फंसा हुआ महसूस कर रहे हैं, उन्हें सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए आवश्यक कदम उठाया जाए।" उन्होंने खाड़ी देशों में रहने वाले झारखंड सहित देश के अन्य हिस्सों के प्रवासियों से सतर्क रहने की अपील की और आश्वासन दिया कि "भारत आपके साथ खड़ा है।" उन्होंने लिखा, "विशेष रूप से झारखंड के जो लोग खाड़ी देशों में रह रहे हैं, उन सभी से मैं अपील करता हूं कि किसी भी परेशानी में झारखंड राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

बोत्सवाना से लाए गए चीते स्वस्थ, कूनो में पहला भोजन परोसा गया: अधिकारी

श्योपुर (मध्यप्रदेश), (भाषा) बोत्सवाना से लाए गए नौ चीते मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में अपने पृथक–वास बाड़ों में स्वस्थ हैं और उन्हें सोमवार को पहली बार भोजन परोसा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अफ्रीका से लाए गए चीतों का यह तीसरा दल है, जिसे शनिवार को भारतीय वायुसेना के विमान से भारत लाया गया। यह कदम देश में चीतों की आबादी पुनर्स्थापित करने की चार वर्षीय योजना के तहत उठाया गया है। दुनिया का सबसे तेज दौड़ने वाला स्थलीय जीव चीता करीब सात दशक पहले भारत से विलुप्त हो गया था। परियोजना चीता के निदेशक उत्तम शर्मा ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि बोत्सवाना से लाए गए सभी नौ चीते पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें सोमवार सुबह उनके पृथक–वास बाड़ों में पहला भोजन दिया गया। शर्मा ने बताया कि चीते आमतौर पर तीन से पांच दिन में एक बार भोजन करते हैं और औसतन लगभग 15 किलोग्राम मांस का सेवन करते हैं। वयस्क चीतों का वजन सामान्यतः 40 से 65 किलोग्राम के बीच होता है। नवीनतम आगमन के साथ देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 48 हो गई है। शर्मा ने बताया कि तीन चीतों को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य स्थानांतरित किया गया है, जबकि शेष चीते कूनो में ही रखे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संकटग्रस्त वन्यजीवों को आमतौर पर किसी एक ही आवास में नहीं रखा जाता, ताकि बीमारी फैलने के जोखिम को कम किया जा सके। पिछले वर्ष कूनो में 12 शावकों का जन्म हुआ था, जिनमें से तीन शावकों सहित छह चीतों की मौत हो गई। इस वर्ष सात फरवरी से 18 फरवरी के बीच दो अलग–अलग समूहों में नौ शावकों का जन्म हुआ है।

बीड में एक मकान के निर्माण स्थल से मिले ब्रिटिश काल के चांदी के ढाई सौ सिक्के

बीड, (भाषा) महाराष्ट्र के बीड जिले में एक मकान के निर्माण स्थल से ब्रिटिश काल के चांदी के लगभग 250 सिक्के बरामद किए गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को आष्टी तहसील के सांगवी (पाटन) गांव में तब ये सिक्के मिले जब वहां खेल रहे बच्चों को खोदी गई मिट्टी के ढेर में दबा हुआ एक मिट्टी का बर्तन नजर आया। अधिकारी ने बताया कि बच्चों ने एक रुपये के सिक्कों को खेलने के टोकन समझकर घड़ा तोड़ दिया और उन्हें अपनी जेब में रखने लगे, लेकिन जमीन मालिक ने हस्तक्षेप किया एवं स्थानीय अधिकारियों को सूचित किया। आष्टी की तहसीलदार वैशाली पाटिल ने कहा, ''हमने 1941 के चांदी के कुल 250 सिक्के जब्त किए हैं। ये सिक्के शुद्ध चांदी के बने हैं और इनका वजन चार से पांच किलोग्राम के बीच है।''

वर्ष 1990 के बाद से भारत में स्तन कैंसर के मामलों में लगभग 500 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई: अध्ययन

नयी दिल्ली, (भाषा) एक नए अध्ययन में पाया गया है कि स्तन कैंसर विश्व भर में महिलाओं की मृत्यु या बीमारी का एक प्रमुख कारण है। भारत में वर्ष 1990 से 2023 के बीच स्तन कैंसर के मामलों में चौंका देने वाली 477 प्रतिशत और इस बीमारी से होने वाली मौतों में 352 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। 'लैंसेट ऑन्कोलॉजी' में प्रकाशित इस अध्ययन रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2050 तक वैश्विक स्तर पर स्तन कैंसर के मामलों की संख्या बढ़कर 35 लाख हो जाएगी (जो 2023 में 23 लाख से एक तिहाई अधिक है) और इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा 44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13 लाख प्रति वर्ष हो जाएगा। अमेरिका के वाशिंगटन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) की कायले भांगडिया के नेतृत्व में किए गए अध्ययन के अनुसार, भारत में 2023 में लगभग 2.03 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए (जो 1990 के मुकाबले लगभग 477 प्रतिशत की वृद्धि है) और एक लाख से अधिक मौतें हुईं जो 352.3 प्रतिशत की वृद्धि है। इस बीमारी का प्रभाव विश्व भर में एक समान नहीं था, निम्न और मध्यम आय वाले देश उच्च आय वर्ग की तुलना में अधिक प्रभावित हुए। अध्ययन में पाया गया कि निम्न आय वर्ग में आयु आधारित मानकीकृत घटना दर (एएसआईआर) में 147.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि उच्च आय वर्ग में यह परिवर्तन केवल 1.2 प्रतिशत था।उच्च आय वर्ग में आयु आधारित मानकीकृत मृत्यु दर (एएसएमआर) में 29.9 प्रतिशत की कमी आई, जबकि निम्न आय वर्ग में इसमें 99.3 प्रतिशत इजाफा हुआ। भांगडिया ने कहा, ''स्तन कैंसर महिलाओं के जीवन और समुदायों पर गहरा प्रभाव डाल रहा है... उच्च आय वाले देशों में लोगों को आमतौर पर जांच, समय पर निदान और व्यापक उपचार रणनीतियों से लाभ मिलता है, लेकिन स्तन कैंसर का बढ़ता बोझ अब निम्न और निम्न मध्यम आय वाले देशों पर आता दिख रहा है, जहां लोगों को अक्सर देर से निदान, गुणवत्तापूर्ण देखभाल तक सीमित पहुंच और उच्च मृत्यु दर का सामना करना पड़ता है। इससे महिला स्वास्थ्य की दिशा में हुई प्रगति के धूमिल होने का खतरा उत्पन्न हो गया है।''

राजस्थान में धूमधाम से मनाई गई होली, खासाखोठी में पर्यटकों ने लिया सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद

जयपुर, (भाषा) राजस्थान में होली का पर्व मंगलवार को उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। हालांकि, चंद्रग्रहण के कारण धुलंडी की तिथि को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति रही। कई लोगों ने मंगलवार को ही रंग खेलकर त्योहार मनाया, जबकि कुछ स्थानों पर बुधवार को धुलंडी मनाई जाएगी। इससे पहले तड़के प्रदेशभर में होलिका दहन की रस्में निभाई गईं। राज्यभर में लोगों ने मोहल्लों में एकत्र होकर होलिका दहन किया। श्रद्धालुओं ने अग्नि की परिक्रमा कर पूजा–अर्चना की। मंगलवार सुबह शहरों और कस्बों की गलियां गुलाल से रंगीन नजर आईं।

लोग एक–दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं देते दिखे। जयपुर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोविंद देवजी मंदिर पहुंचे, जहां विशेष होली कार्यक्रम आयोजित किया गया। भक्तों ने भजन और लोकगीतों पर नृत्य किया तथा फूलों और रंगों से उत्सव मनाया। राजस्थान पर्यटन विभाग ने खासाकोठी होटल परिसर में पर्यटकों के लिए वार्षिक होली उत्सव का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में घरेलू और विदेशी पर्यटकों ने भाग लिया।

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर प्राकृतिक गुलाल की व्यवस्था की गई थी। विदेशी मेहमान डीजे पर थिरकते नजर आए, वहीं राजस्थानी लोक कलाकारों ने घूमर, कालबेलिया, चकरी और कच्छी घोड़ी जैसे पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। पर्यटकों का स्वागत तिलक, गुलाल और आरती से किया गया तथा भोजन और जलपान की विशेष व्यवस्था की गई। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि विभाग हर वर्ष खासाकोठी में धुलंडी का आयोजन करता है, ताकि पर्यटकों को राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का अनुभव कराया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया इज़राइल यात्रा भारत की कूटनीतिक संतुलन, निरंतरता एवं आत्मविश्वास का परिचायक

विगत दिनों 25 व 26 फ़रवरी 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय आधिकारिक इज़राइल यात्रा, जो 2017 की ऐतिहासिक यात्रा के बाद उनकी दूसरी यात्रा थी, भारत की पश्चिम एशिया नीति में किसी बड़े बदलाव के बजाय निरंतरता को दर्शाती है। यह यात्रा एक परिपक्व होती साझेदारी में भारत के आत्मविश्वास को प्रदर्शित करता है। साथ ही रणनीतिक स्वायत्तता, संतुलित कूटनीति एवं राष्ट्रीय हित आधारित विदेश नीति के स्थायी सिद्धांतों को भी रेखांकित करता है। पश्चिम एशिया के प्रति भारत की विदेश नीति ऐतिहासिक रूप से व्यावहारिक और बहु–दिशात्मक रही है। प्रतिस्पर्धी क्षेत्रीय गुटों के साथ कठोर रूप से जुड़ने के बजाय, नई दिल्ली ने इज़राइल, अरब देशों और ईरान, सभी के साथ समानांतर संबंध बनाए रखे हैं। इन संबंधों का आधार ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, प्रवासी भारतीयों का कल्याण, आतंकवाद–रोधी सहयोग और तकनीकी साझेदारी जैसे व्यावहारिक हित रहे हैं। क्षेत्र की जटिल परिस्थितियों ने संतुलित और सूक्ष्म कूटनीति की मांग की है, और भारत ने हमेशा शून्य–योग दृष्टिकोण से बचने की कोशिश की है। बता दें कि भारत–इज़राइल संबंधों की नींव 1992 में पड़ी। इससे पहले भारत और इजरायल के बीच द्विपक्षीय संबंधों का अभाव था। पहली बार कांग्रेस के नेतृत्व वाली नरसिंहाराव की सरकार ने इजरायल के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किए। इसके बाद विभिन्न सरकारों के दौरान सहयोग लगातार बढ़ता गया, जो द्विपक्षीय निरंतरता को दर्शाता है। इज़राइल भारत का एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार बनकर उभरा है। इजरायल के साथ व्यापारिक संबंधों का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तो कृषि, जल प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, नवाचार और उन्नत तकनीक के क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार हुआ है। यह साझेदारी अचानक बदलाव का परिणाम नहीं बल्कि साझा रणनीतिक हितों के आधार पर धीरे–धीरे विकसित हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इज़राइल के साथ संबंधों को फ़िलिस्तीन मुद्दे से प्रभावी रूप से "डी–हाइफ़नेट" किया। इसका अर्थ है कि इज़राइल के साथ संबंधों को उसके अपने रणनीतिक महत्व के आधार पर आगे बढ़ाना, बिना उन्हें केवल फ़िलिस्तीन के संदर्भ में सीमित किए। साथ ही, भारत ने दो–राष्ट्र समाधान के समर्थन की अपनी पारंपरिक नीति को बरकरार रखा है और फ़िलिस्तीनी नेतृत्व के साथ राजनयिक संपर्क जारी रखा है, जो संतुलित कूटनीति को दर्शाता है।

यह यात्रा ऐसे समय हुई जब क्षेत्रीय परिस्थितियाँ अस्थिर थीं–गाज़ा युद्धविराम के बाद तनाव, अमेरिका–ईरान संबंधों में खींचतान और बदलते भू–राजनीतिक समीकरण, साफ तौर पर दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग से मुलाकात तथा केनेसट में उनका संबोधन रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप, कनेक्टिविटी, शिक्षा और नवाचार पर केंद्रित रहा। संसद में मिले सम्मान और सांस्कृतिक प्रतीकों ने यह दिखाया कि द्विपक्षीय संबंध अब केवल रक्षा सौदों तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक रणनीतिक और सामाजिक साझेदारी में बदल चुके हैं। कुछ आलोचकों ने इज़राइल की हालिया कार्रवाइयों पर वैश्विक आलोचना के बीच यात्रा के समय पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, भारत की कूटनीति यह दर्शाती है कि वह एक साथ कई साझेदारियों को संतुलित रूप से संभालने में सक्षम है। इज़राइल के साथ संबंध मजबूत करने से खाड़ी देशों–जैसे यूएई और सऊदी अरब–के साथ भारत के संबंध कमजोर नहीं हुए हैं। ऊर्जा सहयोग, व्यापार विस्तार और पश्चिम एशिया में बसे विशाल भारतीय प्रवासी समुदाय भारत की क्षेत्रीय नीति के महत्वपूर्ण स्तंभ बने हुए हैं। भारत की इस नीति को बहु–वेक्टर कूटनीति कहा जा सकता है–जहाँ सभी प्रमुख क्षेत्रीय शक्तियों के साथ संबंध बनाए जाते हैं, जबकि किसी एक के साथ विशेष प्रगाढ़ता से बचा जाता है। हाल के वर्षों में कई अरब देशों और इज़राइल के बीच बढ़ती खुली सहभागिता ने भी भारत के लिए इस संतुलित नीति को बनाए रखना आसान बनाया है। सच तो यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा बदलाव नहीं बल्कि निरंतरता का प्रतीक है। भारत की पश्चिम एशिया नीति समय के साथ अधिक खुली और आत्मविश्वासी अवश्य हुई है, लेकिन उसके मूल सिद्धांत–रणनीतिक स्वायत्तता, व्यावहारिक यथार्थवाद और संतुलित सहभागिता–अपरिवर्तित रहे हैं। यह यात्रा दर्शाती है कि भारत जटिल क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धाओं के बीच संतुलन बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को खुले रूप से आगे बढ़ाने में सक्षम है। बदलते वैश्विक गठबंधनों और अनिश्चितताओं के दौर में, यही निरंतरता भारत की कूटनीतिक शक्ति बनकर उभरती है। **गौतम चौधरी**

ईरान और अमेरिका दशकों से युद्ध में उलझे हैं– इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा है

लॉन्ग बीच (अमेरिका), (द कन्वरसेशन) ऐसा लग सकता है कि अमेरिका और पश्चिम एशिया एक और अंतहीन युद्ध की ओर अग्रसर हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि यह दोनों देशों के बीच 1980 के दशक से चले आ रहे एक अघोषित सैन्य संघर्ष की नवीनतम कड़ी मात्र है। अमेरिकियों के लिए, युद्ध की शुरुआत 1979 में हुई, जब ईरानी छात्रों ने तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर लिया और 52 राजनयिकों को 444 दिनों तक बंधक बनाकर रखा। ईरानियों के लिए, इसकी शुरुआत शाह को अमेरिकी समर्थन और उसके बाद 1980–1988 के ईरान–इराक युद्ध के दौरान इराक को दिए गए समर्थन से हुई। इस संघर्ष में अनेक नागरिकों की जान गई है। तीन जुलाई 1988 को अमेरिकी युद्धपोत विन्सेनेस ने दुबई जा रही ईरान की उड़ान को मार गिराया। यूएसएस विन्सेनेस ने एयरबस को गलती से सैन्य विमान समझ लिया और उसे मार गिराया, जिसमें सवार सभी 290 लोग मारे गए। हाल में, 28 फरवरी 2026 को, अमेरिकी–इजराइली मिसाइल ने दक्षिणी ईरान के एक बालिका स्कूल को निशाना बनाया, जिसमें 150 से अधिक नागरिक मारे गए, जिनमें अधिकतर बच्चियां थीं। ईरान ने आठ जनवरी, 2020 को यूक्रेन इंटरनेशनल एयरलाइंस की उड़ान संख्या 752 को भी मार गिराया था। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने नागरिक विमान को गलती से अमेरिकी सैन्य विमान समझ लिया और दो सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। इसमें सभी 176 यात्री मारे गए, जिनमें ज्यादातर ईरानी नागरिक थे। दोनों पक्षों ने अलग–अलग समय पर तनाव बढ़ने की स्थिति में विनाशकारी गलतियां की हैं। लेकिन ये दुखद घटनाएं केवल इतिहास का हिस्सा नहीं हैं। ईरान और अमेरिका–दोनों देशों के लोगों और सरकारी संस्थानों के बीच यह धारणा और भी मजबूत हो गई है कि इन दोनों देशों के बीच कभी वास्तविक शांति स्थापित नहीं हो सकती।

1980 के दशक में टैंकर युद्ध : 1984 में, इराक ने ईरान के साथ "टैंकर युद्ध" की शुरुआत की, जब उसकी वायु सेना ने ईरानी बंदरगाहों की ओर जा रहे तेल टैंकरों पर हमला किया। यह टैंकर युद्ध कई वर्षों तक चला और अंततः इसमें अमेरिकी नौसेना भी तब शामिल हो गई, जब 17 मई 1987 को एक इराकी विमान ने अमेरिकी फ्रिगेट 'द स्टार्क' पर गलती से हमला कर दिया जिसमें चालक दल के 37 सदस्य मारे गए। अमेरिका ने इराक से ध्यान हटाकर ईरान पर केंद्रित करने का विकल्प चुना और यह तर्क दिया कि इस्लामी गणराज्य इसके लिए जिम्मेदार था क्योंकि वह युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करने में विफल रहा था। इसके बाद अमेरिका ने फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कुवैती तेल टैंकरों को अमेरिकी झंडा लगाकर उन्हें नौसैनिक सुरक्षा प्रदान की। लेकिन हिंसा और भी बढ़ गई। ईरान ने अमेरिकी ध्वज वाले जहाजों को निशाना बनाया, और अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरानी अपतटीय प्लेटफार्मों और रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली स्पीडबोटों पर हमला किया। इसके अलावा, अमेरिका ने दो ईरानी फ्रिगेट को डुबो दिया, जिससे ईरान की आधी नौसेना नष्ट हो गई। इन्हीं संघर्षों के बीच ईरान एयर की उड़ान संख्या 655 को मार गिराया गया था। युद्ध के इस अंधकारमय माहौल में यह घटना कैसे घटी, यह आज भी गहन बहस का विषय है। ईरानियों के लिए, इस हमले ने इस बात की पुष्टि कर दी कि वे अमेरिका के साथ एक तरह के युद्ध में उलझे हुए हैं, जिसे वे 1979 के बंधक संकट का परोक्ष प्रतिशोध मानते थे। अंततः, विमान को गिराए जाने के बाद ईरान ने उस युद्धविराम को स्वीकार कर लिया जिससे ईरान–इराक युद्ध समाप्त हुआ। इराक के साथ ईरान का संघर्ष तो समाप्त हो गया, लेकिन अमेरिका के साथ उसका युद्ध समाप्त नहीं हुआ। **(इब्राहिम अल–मरशी, कैलिफ़ोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी)**

'ब्लूम्सबरी इंडिया' ने 'पॉकेट पॉटर्स' सीरीज के तहत दो नयी पुस्तकें जारी कीं

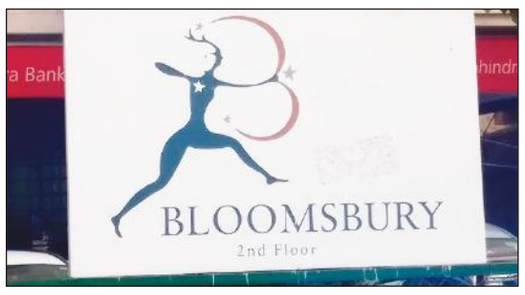

नयी दिल्ली, (भाषा) 'ब्लूम्सबरी इंडिया' ने अपनी ''पॉकेट पॉटर्स'' सीरीज में दो नयी पुस्तके जारी कीं, जिनमें हैरी पॉटर के अलग–अलग पात्रों से जुड़ी कहानियों के अहम पल और मजेदार जानकारियां शामिल हैं। ये दोनों पुस्तकें लूना लवगुड और एल्बस डंबलडोर के किरदारों को समर्पित हैं। पिछले साल हैरी पॉटर, रॉन वीस्ली और हर्मियोनी ग्रेंजर पर आधारित पुस्तकें ''पॉकेट पॉटर्स'' के नाम से जारी हुई थीं। भारत में हैरी पॉटर के आधिकारिक प्रकाशक 'ब्लूम्सबरी' ने बताया कि डॉबी और हैग्रिड पर आधारित अतिरिक्त पुस्तकें अगस्त में जारी किए जाने की योजना है। 'ब्लूम्सबरी इंडिया' ने विमोचन के उपलक्ष्य में कल शाम यहां पॉटरमेनिया उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पुस्तक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, बुक क्लब, लेखक और पॉटर समुदाय के सदस्य एक साथ आए तथा इसमें क्विज़, गेम्स और हैरी पॉटर प्रकाशन संग्रह की एक विशेष प्रदर्शनी शामिल थी। हैरी पॉटर श्रृंखला की पहली किताब प्रकाशित हुए 29 साल और पहली फिल्म आए 25 साल हो चुके हैं। 'ब्लूम्सबरी इंडिया' के प्रबंध निदेशक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि हैरी पॉटर भारत में लाखों पाठकों के बचपन, दोस्ती और कल्पना का हिस्सा है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री फरवरी में 20 प्रतिशत बढ़कर 34,034 इकाई

नयी दिल्ली, (भाषा) वाहन विनिर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) की कुल बिक्री फरवरी, 2026 में 20 प्रतिशत बढ़कर 34,034 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 28,414 वाहन बेचे थे। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बयान में कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 30,737 इकाई रही, जो फरवरी, 2025 में 26,414 इकाई थी। बयान के अनुसार, कंपनी का निर्यात पिछले महीने 65 प्रतिशत बढ़कर 3,297 इकाई हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 2,000 इकाई था। टीकेएम के कार्यकारी उपाध्यक्ष (बिक्री–सेवा–पुरानी कार व्यवसाय) साबरी मनोहर ने कहा कि कंपनी के सभी उत्पादों की मांग में निरंतर मजबूती बनी हुई है।

सिक्किम में कदम रखेगी हयात होटल्स, गंगटोक में 150 कमरों के होटल की नींव रखी गई

गंगटोक, (भाषा) दिग्गज होटल श्रृंखला 'हयात होटल्स कॉरपोरेशन' सिक्किम में प्रवेश करने जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि कंपनी गंगटोक में 150 कमरों का एक नया होटल विकसित करेगी। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने रविवार को इस परियोजना की वर्चुअल माध्यम से आधारशिला रखी। यह होटल गंगटोक के मिन्तोकगांग में 'सूर्यविलास' बहु–उद्देशीय परियोजना के हिस्से के रूप में बनाया जाएगा, जो एमजी मार्ग से लगभग दो किलोमीटर दूर त्सोमगो झील की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित है। प्रस्तावित 'हयात रीजेंसी गंगटोक' का उद्देश्य राज्य में माइस (बैठकों, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) पर्यटन को बढ़ावा देना है। हालांकि, इस परियोजना में होने वाले कुल निवेश का तत्काल पता नहीं चल सका है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह परियोजना सिक्किम के शांतिपूर्ण वातावरण, प्रगतिशील शासन और पूर्वी हिमालय के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरते निवेश विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने इस सहयोग के लिए एसएम ग्रुप, पोद्दार ग्रुप और हयात को बधाई दी।

एसएलएमजी बेवरेजेज ने बक्सर में कोका–कोला बॉटलिंग संयंत्र का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत में कोका–कोला की प्रमुख बॉटलिंग साझेदार एसएलएमजी बेवरेजेज ने बिहार के बक्सर में अपने सबसे बड़े संयंत्र का उद्घाटन किया है। कंपनी इस परियोजना के पहले चरण में 1,200 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। एसलएमजी बेवरेजेज ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि यह निवेश बिहार की औद्योगिक वृद्धि में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और इससे पूर्वी भारत में पेय उत्पादन की क्षमता बढ़ेगी। बक्सर के नवानगर में स्थित यह संयंत्र बिहार में एसएलएमजी बेवरेजेज का पहला कोका–कोला बॉटलिंग संयंत्र है। यह प्लांट बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित पड़ोसी क्षेत्रों के लिए एक मुख्य आपूर्ति केंद्र के रूप में काम करेगा। कंपनी ने कहा, ''उत्पादन को खपत वाले बाजारों के करीब लाने से लॉजिस्टिक लागत कम होने, आपूर्ति में सुधार होने और मांग के व्यस्त सत्र के दौरान ताजा उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है।'' लगभग 65 एकड़ में फैले बक्सर संयंत्र में सात उच्च गति वाली उत्पादन श्रृंखलाएं हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 5,000 बोतल प्रति मिनट से अधिक है। बयान में कहा गया है कि यहां कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक, जूस और पेय जल का उत्पादन किया जाएगा।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री फरवरी में 11 प्रतिशत बढ़कर 1,00,905 इकाई पर

नयी दिल्ली, (भाषा) मोटरसाइकिल विनिर्माता रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 1,00,905 इकाई रही। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने फरवरी, 2025 में 90,670 वाहनों की बिक्री की थी। बयान के अनुसार, पिछले महीने कंपनी की घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 91,248 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 80,799 इकाई थी। हालांकि, इस दौरान कंपनी का निर्यात दो प्रतिशत घटकर 9,657 इकाई रह गया, जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 9,871 इकाई था। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी गोविंदराजन ने कहा, "फरवरी में भी वही सकारात्मक गति बनी रही जो हमने इस चालू वित्त वर्ष में देखी है। यह सभी बाजारों में उत्पादों की निरंतर मांग को दर्शाता है।" उन्होंने कहा कि भविष्य की वृद्धि को देखते हुए कंपनी ने तमिलनाडु के चेय्यार स्थित अपने मौजूदा विनिर्माण संयंत्र के विस्तार की योजना की घोषणा की है, जिसे अगले 18 महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। गोविंदराजन ने बताया, "इससे हमारी वार्षिक उत्पादन क्षमता मौजूदा 14.6 लाख इकाई से बढ़कर 20 लाख इकाई हो जाएगी। इस विस्तार का उद्देश्य मांग बढ़ने पर अपनी परिचालन तैयारियों को मजबूत करना है। हम भविष्य को लेकर आशान्वित हैं।"

शीतलन तक पहुंच पर केवल अमीरों का विशेषाधिकार न हो, यह स्वास्थ्य जरूरत है: संरा पदाधिकारी

नयी दिल्ली, (भाषा) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के जलवायु परिवर्तन प्रभाग के निदेशक मार्टिन क्राउज के मुताबिक शीतलन तक पहुंच अमीरों का विशेषाधिकार नहीं है, और न ही होना चाहिए, क्योंकि यह स्वास्थ्य और गरिमा का मामला है। क्राउज की यह टिप्पणी भारत में सामान्य से अधिक गर्मी और लू की आशंका के बीच, बुजुर्गों, बच्चों और खुले में काम करने वाले कामगारों जैसी कमजोर आबादी के लिए बढ़े खतरे के बीच आई है, जिसका सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बिजली की मांग और आवश्यक सेवाओं पर संभावित प्रभाव पड़ सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मासिक पूर्वानुमान के मुताबिक मार्च से मई के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक दिन लू चलने की संभावना है। क्राउज ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''जनसंख्या के कमजोर वर्ग भीषण गर्मी की समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। शीतल करने वाले उपकरणों की सुविधा अमीरों का विशेषाधिकार नहीं है, और न ही होनी चाहिए, क्योंकि यह अंततः स्वास्थ्य और गरिमा से संबंधित है।'' उन्होंने बताया कि अत्यधिक गर्मी की स्थिति में खुले में काम करने वाले श्रमिकों की उत्पादकता कम हो जाती है, और निर्माण श्रमिकों और रेहड़ी–पटरी वालों सहित अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले लोग सबसे अधिक जोखिम में होते हैं और अक्सर उनके पास औपचारिक सामाजिक सुरक्षा या बीमे की कमी होती है। यूएनईपी के अधिकारी ने कहा, ''कमजोर लोगों की सुरक्षा के लिए व्यावहारिक और सिद्ध समाधान की आवश्यकता है जिन्हें लागू किया जा सके।'' उन्होंने ताप कार्रवाई योजनाओं, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, अनधिकृत बस्तियों में ठंडी छतों, मूलभूत श्रमिक सुरक्षा और पैरामीट्रिक बीमा जैसे उपायों का जिक्र करते हुए यह बात कही। आईएमडी के मुताबिक पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दक्षिणी और पूर्वी महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक और उत्तरी तमिलनाडु के कुछ हिस्से शामिल हैं जहां मार्च से मई तक भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं। क्राउज ने कहा, ''उपमहाद्वीप में जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप अत्यधिक गर्मी से भारत के शहरी क्षेत्रों और महानगरों को गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

मक्की में बड़ी कंपनियों की लिवाली से दलदल के बाद उछाल–आगे अभी और बढ़ेगी

नई दिल्ली, (एनएनएस) सरकार द्वारा इथेनॉल कंपनियों में चावल की 40 प्रतिशत खपत की अनिवार्यता कर दिए जाने से मकई के किसान एवं कारोबारी घाटे की मार से तबाह हो गए हैं, इस वजह से मकई के भाव मंदे के दल–दल में आकर फंस गए हैं। बिहार में बिजाई कम होने का अनुमान है, जिससे वर्तमान भाव में रिस्क नहीं लग रहा है। विगत दो दशक से सरकार द्वारा मकई के किसानों को हाइब्रिड बीज एवं खाद मुहैया कराकर लगातार उत्पादन बढ़ाने पर प्रोत्साहन दिया गया था। इसकी वजह से मक्की का उत्पादन दो दशक पहले जो 128–129 लाख में मीट्रिक टन होता था, वह अब 338–340 लाख मीट्रिक टन उत्पादन होने लगा है। सरकार डीजल पेट्रोल खपत की पूर्ति के लिए बायोडीजल यूनिट योजना बनाई गई। मकई के उत्पादन को देखकर देश में काफी एथेनॉल कंपनियां लगाई गई हैं तथा अभी भी निर्माण कार्य पाइपलाइन में चल रहा है। उक्त कंपनियों को सुचारू रूप से मक्की उपलब्ध होने से किसानों को भरपूर लाभ मिल रहा था, जो मक्की किसानों ने बिहार में 2300/2400 रुक प्रति कुंतल तक बेचा गया था, उसके भाव इस बार गर्मी के सीजन में बिहार के खगडिया बेगूसराय दरभंगा गुलाब बाग पूर्णिया सेमापुर पानीपतरा लाइन में 1600/1700 रुपए रह गए हैं। हल्के माल 1550 रुपए भी बिक रहा है, जो चालू सप्ताह में 100/150 रुपए प्रति कुंतल छलांग लगा गया है। गौरतलब है कि जुलाई–अगस्त में आई वह भी औने–पौने भाव में कट चुकी है, मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा लिंगा शिवनी बैतूल गंज मुलताई लाइन में नीचे में मक्की 1600/1625 रुपए प्रति क्विंटल बिक रही थी, उसके भाव चालू सप्ताह में 1750/1800 रुपए प्रति कुंतल हो गए हैं। मक्की का न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार द्वारा 2400 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। यही मक्की मंडियों में वर्ष 2023–24 में 2500/2600 रुपए बिकी थी, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ मिल रहा था। वर्तमान में 600 रुपए नीचे बिक रही है, इससे किसान एवं कारोबारी दोनों ही तबाह हो गए हैं। मकई में प्रयुक्त होने वाले उर्वरक यूरिया पोटाश एवं डीएपी की लागत सिंचाई जुताई निराई गुड़ाई एवं कटाई खर्च लेकर किसानों को 2500 रुपए प्रति क्विंटल का पड़ता उनके घर में आ रहा है, जबकि उसके भाव मंडियों में 1600 रुपए किसानों के मिल रहे थे। इस स्थिति में किसानों के दिल पर क्या गुजरेगी, जबकि माननीय प्रधानमंत्री जी बार–बार किसानों की आय दोगुनी करने की स्वच्छ उद्बोधन करते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि सरकार द्वारा इथेनॉल बनाने वाली कंपनियों में 40 प्रतिशत चावल की प्रोसेसिंग की अनिवार्यता कर दी गई है, इस वजह से इथेनॉल कंपनियां मक्की की खरीद कम कर पा रही है। गौरतलब है कि वर्तमान में एथेनॉल कंपनियों को चावल प्रोसेसिंग हेतु 2320 रुपए प्रति कुंतल में दिया जा रहा है, जबकि मक्की 1900/1950 रुपए पहुंच में पड़ रही है। अब चूकिं चावल महंगा भाव पर भी एथेनॉल कंपनियों को खरीदना अनिवार्य है, इससे प्रोसेसिंग में एक तरफ एथेनॉल कंपनियों को काफी महंगा कच्चा माल मिल रहा है। दूसरी ओर किसानों की मकई मंडियों में आने–पौने भाव में बिक रही है, जिससे देश के अन्नदाता किसान घाटे की मार झेल रहे हैं तथा अपनी पूंजी गंवा चुके हैं। इसके अलावा मकई से जुड़े कारोबारी भी भारी नुकसान में चल रहे हैं, क्योंकि उनकी मक्की बिकनी बंद हो गई है। चावल की अनिवार्यता से मक्की की रैक लोडिंग भी काफी कम हो रही है। आगे सरकार से अनुरोध है कि चावल की 40 प्रतिशत की अनिवार्यता को पूरी तरह हटा दी जाए।

एआई और आईटी क्षेत्र में सुधार से फरवरी में नियुक्तियों में 12 प्रतिशत का उछालः रिपोर्ट

मुंबई, (भाषा) कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाए जाने और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में सुधार के चलते देश में दफ्तर में बैठकर काम करने वाले पेशेवरों (व्हाइट कॉलर) की नियुक्तियों में इस साल फरवरी में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 'नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स' के अनुसार, व्हाइट–कॉलर नौकरियों के बाजार ने हाल के वर्षों में फरवरी महीने का अपना सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। इंडेक्स फरवरी, 2025 के 2,890 अंक के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़कर फरवरी, 2026 में 3,233 अंक पर पहुंच गया।

ओला इलेक्ट्रिक ने 'ओला इनसाइडर्स' पहल की शुरुआत की, ग्राहकों को मिलेगा 50,000 रुपये तक का लाभ

नयी दिल्ली, (भाषा) ई–स्कूटर विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने रविवार को अपने देश भर के 10 लाख से अधिक ग्राहकों के लिए एक विशेष सामुदायिक कार्यक्रम 'ओला इनसाइडर्स' शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस पहल के तहत समुदाय के सदस्यों को वाहन के नए मॉडल लेने (अपग्रेड), अतिरिक्त वाहन की खरीद और रेफरल (अन्य लोगों को जोड़ने) पर विभिन्न लाभ प्रदान किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मौजूदा ग्राहक अपने पुराने स्कूटर को 'अपग्रेड' कर सकते हैं, जिसके तहत उन्हें नवीनतम 'जेन 3 एस1' पोर्टफोलियो और 'रोडस्टर' मोटरसाइकिल (4680 भारत सेल संस्करणों सहित) की खरीद पर 50,000 रुपये तक के लाभ दिए जाएंगे। इसके अलावा ओला के मौजूदा ग्राहक उसी पंजीकृत नाम से दूसरा ओला वाहन खरीदने पर 20,000 रुपये तक के अतिरिक्त लाभ उठा सकते हैं।

कंपनी के अनुसार, ग्राहक 'रेफरल' के माध्यम से सफल डिलिवरी होने पर 5,000 रुपये तक के 'ओला क्रेडिट' भी अर्जित कर सकते हैं। साथ ही, नया वाहन खरीदने वाले व्यक्ति को भी 1,000 रुपये का कैशबैक मिलेगा। ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, ''10 लाख से अधिक चालकों के साथ हमारा समुदाय हमारी यात्रा का आधार बना हुआ है। 'ओला इनसाइडर्स' के माध्यम से हम एक व्यवस्थित स्वामित्व कार्यक्रम पेश कर रहे हैं, जो न केवल वाहनों के अद्यतन को सुगम बनाता है, बल्कि देश में इलेक्ट्रिक परिवहन के विस्तार में भी सहायक होगा।'' ओला इलेक्ट्रिक वर्तमान में 'जेन 3 एस1' स्कूटर और 'रोडस्टर एक्स' मोटरसाइकिल की विस्तृत श्रृंखला की बिक्री करती है।

चांदीः तेजी के आसार कम

नई दिल्ली, (एनएनएस) अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई चांदी की कीमतों में गिरावट एवं मुनफा वसूली के कारण स्थानीय सराफा बाजार में हाल ही में चांदी के भाव 86500 रुपए प्रति किलो घट गए,भविष्य मे ज्यादा तेजी की संभावना नहीं है। एक माह के अंतराल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में निवेशकों की लिवाली घटने से चांदी के भाव 11200 से घटकर 9000 सेंट प्रति औंस रह गए। विदेशों में आई गिरावट के कारण मांग घटने से चांदी हाजिर उपरी स्तर 86500 रुपए घटकर 276000 रुपए प्रति किलो रह गई। उल्लेखनीय है कि जनवरी अंत में विदेशों में चांदी के भाव 12100 सेंट प्रति औंस की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच जाने के कारण चांदी हाजिर 420000 रुपए प्रति किलो के ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचकर तेजी का नया रिकॉर्ड बना दिया। चांदी में तेजी आने एवं बिकवाली घटने से चांदी सिक्के के भाव 2700/2800 से बढक़र 4400/4500 रुपए प्रति नग बिकने के बाद वर्तमान में 3200/3300 रुपए प्रति नग रह गए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका व ईरान में बढ़ते तनाव के कारण तृतीय विश्व युद्ध की आशंका बढऩे तथा निवेशकों की लिवाली बढऩे से विदेश व घरेलू बाजार में चांदी के सर्वकालीन शिखर पर पहुंच कर तेजी का नया इतिहास रच दिया था। इसका प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा चांदी को क्रिटिकल मिनरल की श्रेणी में लिए जाने तथा विश्व में चांदी के स्टॉक में कमी आने की संभावना व्यक्त की जाने लगी जिसके चलते भी तेजी को बल मिला। मुंबई सर्राफा बाजार में भी चांदी के भाव इसी अनुपात में गिरकर 268000 रुपए प्रति किलो रह गई। कोलकाता में भी इसी अनुपात में घटकर चांदी हाजिर के भाव 268700 रुपए प्रति किलो रह गई। उक्त अवधि के दौरान विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की तुलना में रुपए की कीमतों में मामूली सुधार का रुख रहा। हालांकि अमेरिकन सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ को रद्द कर दिए जाने के बाद अमेरिका द्वारा भारत पर 15' टैरिफ लगा दी गई है। अमेरिकन फेडरल रिजर्व बैंक ब्याज दरों में भी और कटौती की संभावना है जिसके कारण दोनों बहुमूल्य धातुओं में निवेशकों रूझान बढ़ गया है, तथा दूसरी ओर सोने में आई भारी तेजी के कारण भविष्य में आभूषण निर्माताओं की मांग बढऩे की संभावना है। इसके अलावा सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रॉनिक वाहन उद्योग में चांदी की खपत पहले की तुलना में बढ़ गई है।

आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है भारत का इस्पात उद्योग : सेल निदेशक

नयी दिल्ली, (भाषा) एक और जहां वैश्विक स्तर पर और चीन के इस्पात बाजार में गिरावट देखी जा रही है, वहीं भारत का इस्पात उद्योग लगभग आठ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर बनाए हुए है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'एडवांस्ड रोलिंग टेक्नोलॉजी' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएमएमएस 2026) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सेल के निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक – अतिरिक्त प्रभार) ए के पांडा ने कहा कि देश में इस्पात उत्पादन की क्षमता तेजी से बढ़ रही है।

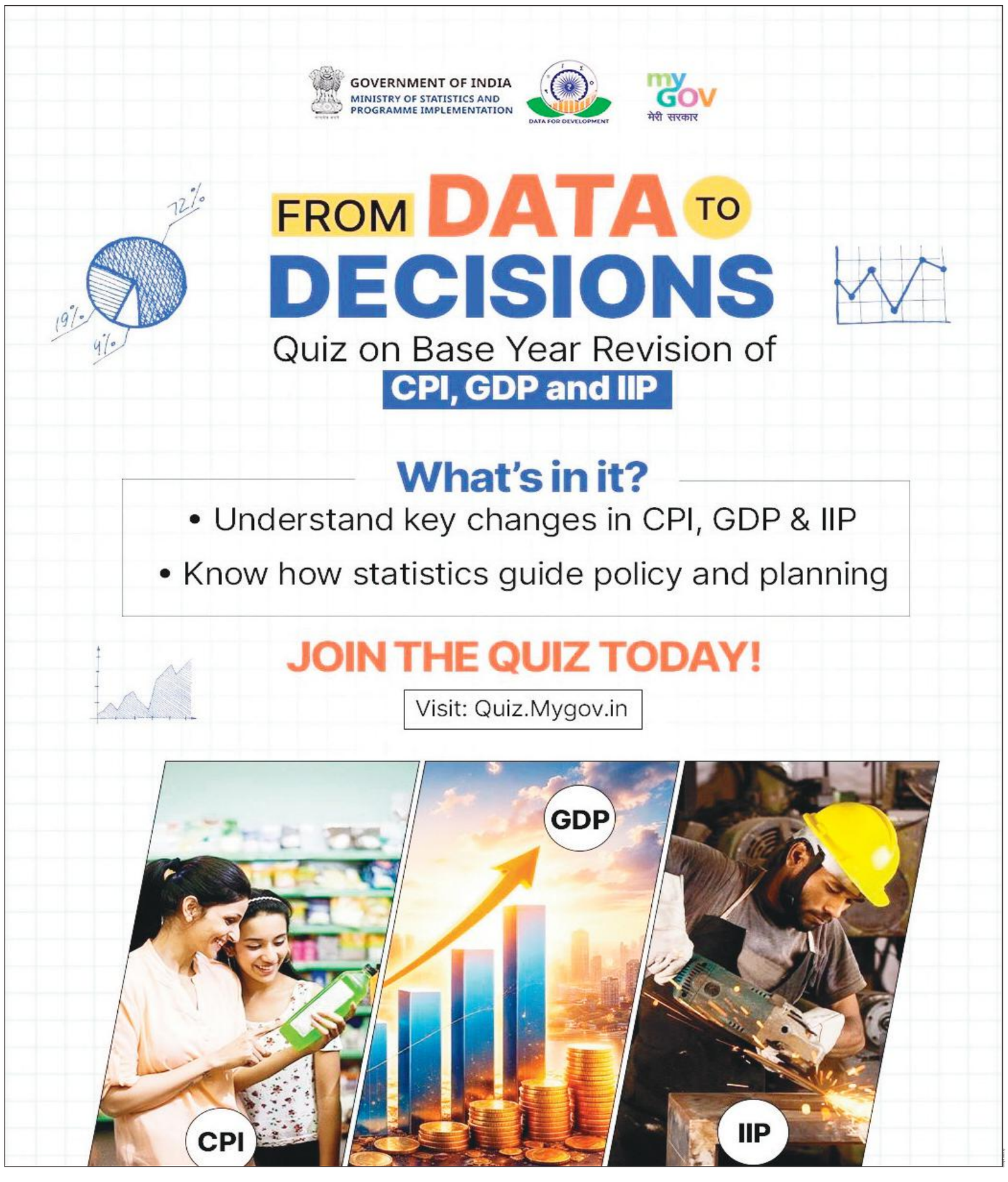

Jio Platforms Limited Announces Appointment of Dan Bailey as President, Jio Platforms to lead its International Business Initiatives

Mumbai, Focus News: Jio Platforms Limited ("JPL") announced the appointment of Dan Bailey as President, Jio Platforms, where he will lead the company's international business initiatives. Based in London, Dan will report to Akash Ambani, Chairman of Reliance Jio Infocomm Limited. Dan brings more than 35 years of experience across consulting and investment banking, having held senior leadership roles at Schroders/Citi, Morgan Stanley, and HSBC. Most recently, he served as Chairman of Deutsche Bank's highly regarded TMT practice. Over the course of his career, Dan has advised many of the world's largest corporates and financial sponsors on a broad range of transformative transactions, including some of the most consequential telecom deals in history. Dan will join the Executive Committee of Jio Platforms Limited and will contribute more broadly across the business as well. As outlined at JPL's most recent AGM, Jio's next chapter extends beyond India. Over the past decade, Jio has built innovative digital platforms and technologies that have transformed connectivity and access for over a billion people. With a clear strategy, strong partnerships, and a defined roadmap, Jio is now poised to take these capabilities to global markets — creating long-term value for customers, partners, and shareholders. Commenting on the appointment, Akash Ambani, Chairman of Reliance Jio Infocomm Limited, said: "We are delighted to welcome Dan to Jio. Dan has been a trusted advisor to us for many years, and his counsel has been invaluable as we have grown and evolved. He has spent his career at the centre of the global telecom and technology ecosystem and brings deep relationships, strategic insights, and a strong understanding of the industry's complexity. Just as importantly, he shares our ambition and energy for what lies ahead. I look forward to working closely with him." Dan Bailey added: "I have long admired what Jio has built in India — the scale, the speed, and the genuine impact on people's lives. The chance to help take that story global is the kind of opportunity you don't think twice about. I am delighted to be joining Akash and the team and cannot wait to get started."

About Jio Platforms Limited: Jio Platforms Limited, a subsidiary of Reliance Industries Limited, has built a world-class all-IP data strong future proof network with latest 5G and 4G LTE technology (through its wholly owned subsidiary, Reliance Jio Infocomm Limited). It is the only network conceived and born as a Mobile Video Network from the ground up and supporting Voice over LTE technology. It is future ready and can be easily upgraded to support even more data, as technologies advance on to 6G and beyond. Jio has brought transformational changes in the Indian digital services space to enable the vision of Digital India for 1.4 billion Indians and propel India into global leadership in the digital economy. It has created an eco-system comprising of network, devices, applications and content, platforms, service experience and affordable tariffs for everyone to live the Jio Digital Life.

Dr. Mansukh Mandaviya Inaugurates New Office of Ministry of Youth Affairs & Sports at GPOA, Netaji Nagar

New Delhi, Focus News: Dr. Mansukh Mandaviya, Union Minister of Youth Affairs & Sports, today inaugurated the new office of the Ministry of Youth Affairs & Sports at the General Pool Office Accommodation (GPOA), Netaji Nagar, New Delhi, marking the Ministry's shift to its new premises. On the occasion, Dr. Mandaviya extended his best wishes to the officers and staff of the Ministry and expressed confidence that the well-planned and functional workspace would enhance efficiency, coordination, and synergy in implementing key initiatives related to sports development and youth affairs. Minister of State for Youth Affairs & Sports, Raksha Khadse, also assumed charge in the new office and appreciated the structured and modern work environment. She reaffirmed her commitment to furthering the objectives of the Ministry with renewed focus and dedication. The inauguration ceremony was attended by Secretary (Sports), Shri Hari Ranjan Rao; Secretary (Youth Affairs), Dr. Pallavi Jain Govil and senior officials of the Ministry.

Legislative Department Organizes Meeting on "Seva Sankalp" Resolution

New Delhi, Focus News: On 2nd March, 2026, the Legislative Department, Ministry of Law and Justice, held a meeting on the "Seva Sankalp" Resolution at 2nd Floor, Shastri Bhawan. The meeting was headed by the Secretary, Legislative Department along with all officers and staff members including attached offices i.e. Official Languages Wing and Vidhi Sahitya Prakashan read out the "Seva Sankalp" Resolution together and reaffirmed their commitment to its principles. During the meeting, a discussion was held on the importance of the Resolution and its implementation in daily work. The Secretary highlighted the need for integrity, transparency, dedication, and accountability in public service. He encouraged all officers and staff to perform their duties with sincerity and a strong sense of responsibility. All participants expressed their resolve to follow the principles of the Resolution and to work with renewed commitment in the service of the nation.

India and Finland Discuss Expanding Cooperation in Skill Development, Vocational Education and Workforce Mobility

New Delhi, Focus News: Minister of State (Independent Charge) for Skill Development and Entrepreneurship and Minister of State for Education, Government of India, Shri Jayant Chaudhary today held a bilateral meeting with Minister of Employment, Government of Finland, Mr. Matias Marttinen to explore avenues for strengthening cooperation between India and Finland in the areas of skill development, vocational education and workforce mobility. The meeting reflected the growing convergence between the two countries in building resilient and future-ready talent ecosystems. Both ministers discussed opportunities to deepen collaboration between institutions, industry and training systems in order to enhance vocational education and create pathways for skilled workforce mobility. Minister of State (Independent Charge) for Skill Development and Entrepreneurship and Minister of State for Education, Government of India, Shri Jayant Chaudhary said: "Under the vision of the Prime Minister, India is steadily moving towards becoming the Global Skill Capital of the world. With one of the youngest and most dynamic workforce, supported by a rapidly expanding skilling ecosystem, India is well positioned to contribute skilled talent to global industries. India's demographic strength and Finland's technological and vocational excellence create a natural partnership in the domain of skills. Our discussion focused on building practical bridges between training ecosystems, strengthening institutional cooperation and creating pathways for skilled youth to access global opportunities while maintaining high standards of training and mobility."

MeitY Launches 30 kW Wide Band Gap (WBG)–Based Integrated Drive System to Boost Electric Vehicle Adoption

New Delhi, Focus News: An indigenously developed 30 kW Wide Band Gap (WBG)-based Integrated Drive System (IDS) for electric vehicle applications was launched in Chennai today. The technology has been developed by Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC), Thiruvananthapuram in collaboration with Indian Institute of Technology Madras and Lucas TVS under the National Mission on Power Electronics Technology (NaMPET). It was launched by Shri S. Krishnan, Secretary, Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) at IIT Madras. The launch marks a significant step in contributing to MeitY's mission of strengthening indigenous capabilities in advanced power electronics. The 30-kW power class is particularly relevant for India's fast-growing electric passenger vehicle segment, including compact cars and fleet mobility platforms. Currently, a substantial portion of high-performance EV powertrain systems and critical semiconductor-based drive components are imported. Indigenous development of such integrated systems will reduce import dependency, lower system costs through localization, and support scalable manufacturing aligned with national initiatives such as Production-Linked Incentive (PLI) schemes. The technology has been successfully designed, fabricated, and validated in collaboration with Lucas TVS and is now ready for commercialization and large-scale deployment. Successful adoption of this integrated drive technology can significantly strengthen India's EV supply chain, create opportunities for MSMEs in power electronics manufacturing, thermal systems, and control hardware, and enhance India's global competitiveness in semiconductor-based electric mobility solutions. Through NaMPET, MeitY continues to catalyse innovation-driven partnerships to build globally competitive and self-reliant power electronics technologies for next-generation mobility and energy systems.

Addressing the gathering, S. Krishnan said that Prime Minister Narendra Modi's vision of "Make in India, Make for the World" is being realized through indigenous development of advanced power electronics technologies. He emphasized that India's transition from a technology-importing nation to a technology-developing and exporting nation is being strengthened by collaborative innovation among R&D institutions, academia, and industry. He mentioned that the development of the 30 kW Integrated Drive System represents a major milestone in India's journey towards Aatmanirbhar Bharat in electric mobility and strategic electronics. He also highlighted that the newly launched 30 kW Integrated Drive System integrates the electric motor and inverter into a single compact, high power-density unit, replacing the conventional separated motor-drive configuration. He added that such design-led innovation in India will help create strong domestic intellectual property, accelerate the start-up ecosystem, and strengthen high-value manufacturing in the EV sector. E. Magesh, Director General, C-DAC; Manoj Kumar Jain, Group Coordinator (R&D in IT & CC& BT), MeitY; Ramanathan N S, CTO, Lucas TVS Chennai; Renji V Chako, Senior Director, C-DAC, Thiruvanthpuram; Dr Om Krishan Singh, Scientist 'E', MeitY; Prof Kamlesh Hatua, IIT Madras, and representatives from industry were present on the occasion.

21st Central Monitoring Committee Reviews State-wise Progress on Polluted River Stretches and Sewage Management

New Delhi, Focus News: The 21st Meeting of the Central Monitoring Committee (CMC) on river rejuvenation was held today under the chairpersonship of Shri V. L. Kantha Rao, Secretary, Department of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation, Ministry of Jal Shakti. The meeting was attended by senior officials including Shri Rajeev Kumar Mital, Director General, National Mission for Clean Ganga, other officials of NMCG, and representatives of State Governments and State Pollution Control Boards. The Committee reviewed the latest status of polluted river stretches based on the CPCB's 2025 report and examined the progress made by States in implementing approved Action Plans. The Chair underlined that sustainable improvement in river water quality depends not only on the creation of infrastructure but on its effective utilisation, regulatory compliance, and timely project execution. Priority areas highlighted included bridging sewage treatment gaps, improving performance of existing Sewage Treatment Plants (STPs), expediting ongoing and tendered STP projects & associated works on developing sewage networks, strengthening industrial pollution control, scaling up reuse of treated wastewater, and accelerating floodplain demarcation. The Secretary also directed the States to enable real-time monitoring to enhance transparency and accountability in pollution control effort. A comparative review of polluted river stretches identified in 2018, 2022, and 2025 showed a continued reduction in the overall number of polluted stretches since 2018. However, the Committee noted that certain States have reported the addition of new polluted stretches and deterioration in specific river segments, calling for focused corrective action.

The Committee reviewed progress on sewage treatment plants, capacity utilization, floodplain zoning, reuse of treated wastewater, and institutional monitoring through River Rejuvenation Committees in respect to Uttarakhand, Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand, West Bengal, Delhi, Haryana, Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Rajasthan, Andaman & Nicobar, Lakshadweep, Odisha, Jammu & Kashmir and Punjab. The meeting concluded with a call for States to adopt a time-bound, outcome-oriented approach to river rejuvenation, with emphasis on operational efficiency, inter-departmental coordination, and sustained compliance to achieve long-term water quality improvement.

Officals of Ministry of Heavy Industries participates in the Seva Sankalp Pledge-Taking Ceremony

New Delhi, Focus News: Shri Kamran Rizvi, Secretary, Ministry of Heavy Industries, Government of India, along with senior officials of the Ministry, participated in the Seva Sankalp Pledge-Taking Ceremony held on the historic occasion of the first meeting of the Union Cabinet at the Prime Minister's new office, Seva Teerth, under the chairmanship of Prime Minister Shri Narendra Modi. The first Cabinet meeting at Seva Teerth marks a significant milestone in India's governance journey. It reinforces the collective resolve that with sound policy, honest intent, and decisive leadership, the path towards building a Viksit Bharat will remain steadfast and illuminated. The work culture inspired by the spirit of Seva Teerth will serve as a guiding foundation in strengthening India as a capable, empowered, and self-reliant nation. On this occasion, the historical significance of the site was also recalled. Seva Teerth has been established at the location of the temporary barracks dating back to the British era. The transformation of this site into a dynamic institution of national governance stands as a powerful symbol of New India's progress and renewal. At Seva Teerth, the Union Cabinet reiterated its solemn resolve that every decision taken will be guided by an unwavering spirit of service to 1.4 billion citizens and firmly aligned with the larger objective of nation-building and inclusive development. Under the visionary leadership of the Prime Minister, the Union Cabinet has reaffirmed its commitment to transform Seva Teerth into a global symbol of sensitive, accountable, and citizen-centric governance. As India advances towards the goal of becoming a prosperous and developed nation by 2047, this new premise will stand as a powerful centre of national aspiration, service, and transformative action.

Reaffirming the Ministry's commitment to this national vision, the Secretary said that the Ministry of Heavy Industries remains steadfast in advancing the goals of Viksit Bharat@2047 by strengthening India's manufacturing ecosystem, promoting advanced technologies, supporting sustainable industrial growth, and accelerating the transition towards clean and green mobility. Through focused policy interventions and close industry collaboration, MHI continues to play a pivotal role in building a self-reliant and globally competitive industrial base.

Ministry of Steel Holds High-Level Interactive Session with Global Diplomats Ahead of 'Bharat Steel 2026'

New Delhi, Focus News: The Ministry of Steel, Government of India, convened a high-level interactive session with senior diplomats from across the globe to advance strategic collaboration in the steel sector and outline the roadmap for its flagship international event, 'Bharat Steel 2026.' Addressing the diplomatic community, Secretary, Ministry of Steel, underscored the steel industry's pivotal role in powering India's industrial and economic transformation. He highlighted the sector's ambitious expansion plans, with capacity targets of 300 million tonnes (MT) by 2030 and 400 MT by 2035—positioning India as a global leader in steel production. Emphasizing the sector's rapid modernization, Shri Poundrik invited global partners to collaborate with India as the domestic steel industry transitions toward low-carbon production pathways and advanced process technologies. He reaffirmed India's commitment to building resilient and sustainable global supply chains rooted in innovation, efficiency, and environmental responsibility. Providing a preview of 'Bharat Steel 2026,' an International Conference-cum-Exhibition scheduled for April 16–17, 2026 at Bharat Mandapam, New Delhi, he highlighted India's commitment to forging enduring and sustainable international partnerships. India's strategy is focused on strengthening raw material security, accelerating technology transfer, advancing green and sustainable steel production, and fostering meaningful global collaboration. The session witnessed strong engagement from the diplomatic community, with representatives expressing appreciation for India's forward-looking vision and enthusiasm for participating in Bharat Steel 2026. The upcoming summit is poised to serve as a premier global platform for dialogue, innovation exchange, and strategic partnerships in the steel sector.

Inaugural Edition of Raisina Science Diplomacy Initiative (SDI) focuses on Strategic Autonomy and Disruptive Technologies

New Delhi, Focus News: The inaugural edition of the Raisina Science Diplomacy Initiative (SDI) was held on 5 March 2026 at Bharat Mandapam, New Delhi. The initiative was jointly launched by the Office of the Principal Scientific Adviser to the Government of India and the Observer Research Foundation (ORF) as part of the Raisina Dialogue. The first edition of Raisina SDI convened global thought leaders, policymakers, and scholars to deliberate on the evolving role of science diplomacy in navigating the emerging imperatives of strategic autonomy and the governance challenges posed by disruptive technologies. The convening brought together about 80 scientists, innovators, diplomats, science diplomacy scholars and practitioners from across the world and from leading international organisations in a closed-door format designed to facilitate open exchange of ideas. The initiative was chaired by the Principal Scientific Adviser to the Government of India, Prof. Ajay Kumar Sood, and co-chaired by Sir Peter Gluckman, President of the International Science Council; Prof. Marilyne Andersen, Director General of the Geneva Science and Diplomacy Anticipator (GESDA); and Dr. Vijay Chauthaiwale, In-charge of the Foreign Affairs Department of the Bharatiya Janata Party. The inaugural remarks underscored the increasingly central focus of science and technology to the imperatives of national development agendas of countries, economic competitiveness, national and global security priorities, and socio-economic progress. It was emphasised that in the evolving global landscape, science diplomacy is not static; it must continually adapt to new technological frontiers, shifting geopolitical realities, and emerging global challenges. President ORF Dr. Samir Saran remarked that the Raisina SDI is planned as a global platform for evolving contemporary framework for science diplomacy efforts from all perspectives. The first roundtable, titled "Science Diplomacy in the Era of Strategic Autonomy," was chaired by Dr. Parvinder Maini, Scientific Secretary, Office of the PSA, with scene-setting remarks by Prof. Peter Gluckman. Discussions underscored the need to balance national strategic priorities with the inherently collaborative nature of science. Discussants highlighted that scientific cooperation and trust in scientific systems remains a vital bridge even amid geopolitical shifts, and emphasized strengthening trusted networks, transparent research ecosystems, and resilient multilateral frameworks. The deliberation also emphasized the need to enhance risk-assessment mechanisms, strengthen science advice capacities and active engagement in a globally equitable manner for standard-setting processes.

The second roundtable, "Science Diplomacy and Governance of Disruptive Technologies," was chaired by Prof. Marilyne Andersen, with scene-setting remarks by Dr. Vijay Chauthaiwale. The deliberations focused on emerging equitable and effective governance models for frontier technologies, including anticipatory policy process, inclusive norm-setting, and the importance of aligning technological innovation with contextual ethical and societal considerations. Participants stressed that proactive, globally coordinated approaches are essential to address risks while harnessing the transformative potential of disruptive technologies. The discussion also highlighted the importance of strengthening capacity for science diplomacy, leveraging scientific cooperation to reduce global inequalities, reinforcing multilateral engagement, promoting collaborations in pre-competitive research areas and addressing technology governance challenges through practical, use-cases driven approach. As part of the initiative, Dr. Jahnavi Phalke, Director of Science Gallery Bengaluru delivered a talk on 'historic evolution of science diplomacy' highlighting how the landscape of science diplomacy has expanded beyond state actors to include a wider range of institutions; Dr. Steen Søndergaard, NATO Chief Scientist shared insights from NATO's technology foresight efforts and its implications on global systems.

The insights emerging from the Raisina Science Diplomacy Initiative will contribute to the evolving global discourse on science diplomacy. Envisioned as an annual platform, the initiative seeks to facilitate both contemporary and future-facing deliberations on the role of science and technology in shaping international policy, cooperation and governance. Looking ahead, Prof. Sood underscored the importance of further strengthening the initiative by reflecting on two key questions: the role that private sector actors can play in shaping frameworks for science diplomacy to better anticipate and govern disruptive technologies, and how they may be meaningfully integrated into future discussions; and the ways in which existing multilateral instruments can be leveraged and adapted to enable a more equitable diffusion of technological advancements across societies.

NITI Aayog and UNICEF India Sign Statement of Intent to Strengthen Nutrition and Health Outcomes in Aspirational Districts and Blocks

New Delhi, Focus News: In a significant step towards strengthening collaborative efforts for improving nutrition and health outcomes, NITI Aayog and UNICEF India today signed a Statement of Intent to support strategic interventions in Aspirational Districts and Aspirational Blocks. The SOI was signed by Shri Rohit Kumar, Additional Secretary and Mission Director, Aspirational Districts and Blocks Programme, NITI Aayog and Mr. Arjan de Wagt, Deputy Representative, UNICEF India. This collaboration aims to leverage the strengths of both institutions to advance efforts toward improved maternal and child nutrition outcomes in underserved regions. The partnership will support the promotion of multi-stakeholder engagement and strengthen implementation systems for nutrition and health interventions at the block level. Rohit Kumar noted that the Aspirational Districts and Blocks Programme has demonstrated the importance of convergence, collaboration and data-driven governance in accelerating development outcomes. He highlighted that partnerships with organisations such as UNICEF India will further strengthen efforts to address critical health and nutrition challenges and enhance last-mile service delivery in high-priority regions.

Dr Jitendra Singh presents awards to 26 young medical professionals from across the country, who have excelled in different specialities

New Delhi, Focus News: Union Minister of State (Independent Charge) for Science & Technology, Earth Sciences, and MoS PMO, Personnel, Public Grievances, Pensions, Atomic Energy and Space, Dr. Jitendra Singh today presented awards to 26 young medical professionals from across the country, who had excelled in different specialities like Oncology, Paediatrics, Endocrinology, Orthopaedics, Emergency Medicine etc. Complimenting the media house which had organised the event, Dr Jitendra Singh appreciated the decision to award such doctors who were just entering the prime of their career and an award at this stage meant a huge recognition as well as a boost for them, compared to an award received in the later stage of the career. The Minister said that recognising young doctors at an early stage of their careers is important for strengthening the future of healthcare services in the country. He said that encouraging medical professionals during their formative years motivates them to pursue excellence and continuously upgrade their knowledge in a rapidly evolving medical landscape. Addressing the conclave, Dr. Jitendra Singh expressed satisfaction that many of the honours presented at the event were awarded to young doctors rather than only to senior professionals at the end of their careers. Referring to the awards, the Minister remarked that recognising talent early not only boosts confidence but also inspires young medical professionals to continue contributing to society with greater commitment. Dr. Jitendra Singh spoke about the changing nature of medical practice, saying that the healthcare sector is undergoing a revolutionary transformation with the advent of new technologies and artificial intelligence. While technology has significantly improved diagnosis and treatment, he said the role of a doctor remains irreplaceable because experience and clinical intuition continue to play a crucial role in patient care.

Government Strengthens Convergence-Driven Livelihood Frameworks for Tribal Communities; Ministry of Tribal Affairs Concludes Consultative Workshop with Key Line Ministries Under DAJGUA

New Delhi, Focus News: Guided by the vision of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi for holistic and saturation-based development of tribal communities, the Ministry of Tribal Affairs today organised a Consultative Workshop with senior government officials and experts from the Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Department of Animal Husbandry & Dairying, Ministry of Food Processing Industries, Ministry of New & Renewable Energy and the Department of Fisheries to strengthen the implementation architecture of livelihood interventions under the Dharti Aaba Janjatiya Gram Utkarsh Abhiyan (DAJGUA), the flagship mission of the Ministry of Tribal Affairs. The initiative is being taken forward under the guidance of Hon'ble Union Minister of Tribal Affairs, Shri, Jual Oram, reflecting the Government's strong commitment to creating sustainable livelihood opportunities and accelerating inclusive development in tribal regions. India's tribal development landscape is undergoing an unprecedented transformation under the leadership of the Ministry of Tribal Affairs, which today anchors some of the most ambitious and outcome-driven programmes for tribal communities. DAJGUA marks a significant paradigm shift in tribal development, moving from fragmented delivery mechanisms to a saturation-based, community-led and empowerment-driven model of governance. Launched through a clarion call by the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi on 2nd October 2024 from Hazaribagh, Jharkhand, this pioneering initiative converges the efforts of 17-line ministries and 25 interventions across 63,843 tribal-majority villages, empowering approximately 5.5 crore tribal citizens. The Consultative Workshop focused on resolving operational challenges and transitioning toward a structured, replicable and outcome-driven model of livelihood planning for tribal households. Discussions centered on developing standardized, financially viable Packages of Practices that clearly define eligibility norms, unit costs, implementation phasing, convergence pathways and projected income enhancement. The Ministries deliberated on integrated agriculture models, small livestock-based livelihoods, fisheries development and renewable-energy-supported micro-enterprises, emphasizing the shift from isolated asset distribution to holistic livelihood ecosystems backed by institutional support. The Ministry underscored the importance of aligning scheme resources across sectors to enable States to undertake coherent and well-phased planning and avoid duplication. Input from the workshop will support the development of a unified monitoring and assessment framework for DAJGUA. In the course of the discussions, it was highlighted that intervention models must be not only financially sound but also tailored to the ecological and socio-economic contexts of tribal regions.

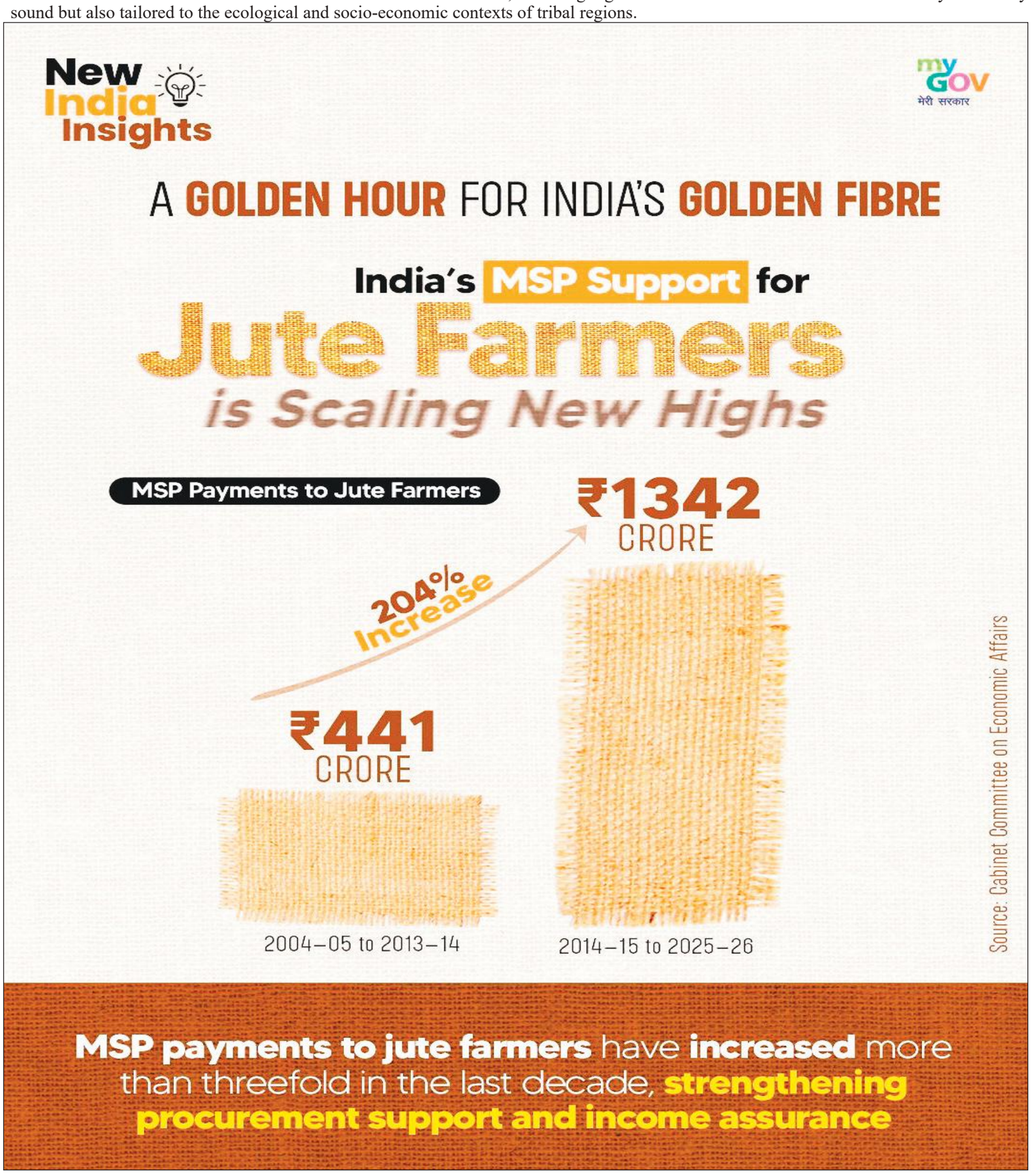

पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल ने तीन करोड़ सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार किया

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यूट्यूब चैनल ने तीन करोड़ 'सब्सक्राइबर्स' का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे इस सोशल मीडिया मंच पर सबसे अधिक फॉलोअर्स वाले विश्व नेता के रूप में उनकी स्थिति और अधिक मजबूत हो गई है। दूसरे सबसे अधिक फॉलोअर्स वाले ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के फॉलोअर्स की संख्या मोदी की तुलना में लगभग एक–चौथाई ही है। प्रधानमंत्री मोदी के पास अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में सात गुना से अधिक सब्सक्राइबर हैं, जो वैश्विक स्तर पर उनकी डिजिटल पहुंच और सहभागिता के व्यापक दायरे को रेखांकित करता है। भारत में भी अन्य नेताओं की तुलना में मोदी के पास काफी अधिक संख्या में सब्सक्राइबर हैं। प्रधानमंत्री के पास कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक और आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की तुलना में चार गुना से अधिक सब्सक्राइबर हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री का यूट्यूब चैनल तीन करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स के साथ सबसे अधिक सब्सक्राइब किए जाने वाला चैनल है। पिछले महीने, मोदी ने इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ फॉलोअर्स का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया और इस मंच पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले विश्व नेता बन गए।

म्यांमा के नेतृत्व वाली और इसकी अपनी शांति प्रक्रिया का समर्थन करता है भारत : जयशंकर

नयी दिल्ली, (भाषा) विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत, म्यांमा के नेतृत्व वाली और उसकी अपनी शांति प्रक्रिया का समर्थन करता है, जो दक्षिण–पूर्वी एशियाई देश में सभी के लिए स्थायी शांति और विकास सुनिश्चित कर सकती है। विदेश मंत्री ने म्यांमा के साथ अपने संबंधों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह दक्षिण–पूर्वी एशियाई देश भारत की तीन प्रमुख विदेश नीति की प्राथमिकताओं के संगम पर स्थित है, जिनमें 'पड़ोसी पहले', 'एक्ट ईस्ट' और 'महासागर नीति' शामिल है। म्यांमा, भारत के रणनीतिक पड़ोसियों में से एक है और यह उग्रवाद प्रभावित नगालैंड और मणिपुर समेत पूर्वोत्तर के कई राज्यों के साथ करीब 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। एक फरवरी, 2021 को सेना द्वारा तख्तापलट करके सत्ता हथियाने के बाद से देश में व्यापक हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। सेना समर्थित पार्टी ने म्यांमा के हालिया आम चुनाव में जीत हासिल की। जयशंकर यांगून के मध्य में स्थित सरसोबेकमान साहित्यिक केंद्र भवन के उद्घाटन समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस भवन का निर्माण भारत की सहायता से किया गया है। उन्होंने कहा, ''दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, जहां 14 लाख लोग शांति और सद्भाव से एक साथ रहते हैं, भारत ने म्यांमा के हितधारकों के साथ संघवाद और संवैधानिक व्यवस्था से संबंधित अपने अनुभव नियमित रूप से साझा किए हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम एक समावेशी, म्यांमा के नेतृत्व वाली और इसकी अपनी शांति प्रक्रिया का समर्थन करते हैं, जो देश में सभी के लिए स्थायी शांति और विकास सुनिश्चित कर सके।'' जयशंकर ने कहा कि सरसोबेकमान केंद्र म्यांमा के शास्त्रीय एवं लोक साहित्य के संरक्षण और अध्ययन के साथ–साथ अनुवाद, अभिलेखीय कार्य, रचनात्मक लेखन और विद्वानों के परस्पर संपर्क में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, "म्यांमा हमारी तीन प्रमुख विदेश नीति प्राथमिकताओं – पड़ोस प्रथम, एक्ट ईस्ट और महासागर (जिसमें हिंद–प्रशांत क्षेत्र भी शामिल है) – के संगम पर स्थित है।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''हमारी बहुआयामी भागीदारी में राजनीतिक, व्यापार, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग शामिल है। विकास सहयोग की बात करें तो म्यांमा के साथ हमारी भागीदारी जन–केंद्रित और मांग–आधारित रही है, जिसका उद्देश्य स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना और जीवन स्तर में सुधार लाना है।'' जयशंकर ने कहा कि भारत और म्यांमा सदियों से आध्यात्मिकता, रिश्तेदारी और भूगोल के साथ–साथ भाषा एवं साहित्य से भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे–जैसे बौद्ध धर्म तथा पाली भाषा एवं साहित्य दक्षिण एशिया में फैले, वे अपने साथ विचार, ग्रंथ और एक साझा बौद्धिक विरासत लेकर गए।''

बिहार: नीतीश कुमार, नितिन नवीन समेत पांच राजग प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया, राजद भी मैदान में

पटना, फोकस न्यूज, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। राजग के तीन अन्य उम्मीदवारों ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया है। राजग को उम्मीद है कि विपक्षी राजद के मैदान में उतरने के बावजूद वह सभी पांच सीट जीत सकता है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख कुमार और भाजपा नेता नितिन नवीन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। शाह इस मौके पर दिल्ली से पटना पहुंचे थे। नितिन नवीन को जनवरी में भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। नितिन नवीन और नीतीश कुमार के अलावा राजग की ओर से केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर (जदयू), राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा के प्रदेश महासचिव शिवेश कुमार ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया। रामनाथ ठाकुर लगातार तीसरी बार राज्यसभा पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुशवाहा लगातार दूसरा कार्यकाल चाहते हैं। पूर्व विधायक शिवेश कुमार पहली बार संसद पहुंचने की आस लगाए हुए हैं। नीतीश कुमार ने इससे पहले दिन में राज्यसभा जाने की अपनी इच्छा की घोषणा की, जिसके साथ ही राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के उनके 20 वर्ष के कार्यकाल का अंत हो जाएगा। इस बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, "नीतीश कुमार ने तीन साल पहले ही राज्यसभा जाने की इच्छा जताई थी। अब उन्होंने जाने का फैसला किया है, तो वह अपनी इच्छा से ही ऐसा कर रहे हैं। भविष्य में जो भी सरकार बनेगी, वह उनके नेतृत्व में ही काम करेगी।" राजद की ओर से वर्तमान सांसद और कारोबारी से नेता बने अमरेंद्र धारी सिंह ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया। वह पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव समेत कई नेताओं के साथ विधानसभा सचिवालय पहुंचे। नामांकन दाखिल करने के बाद केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा, "जदयू ने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे तीन बार राज्यसभा भेजा है। मैं 12 वर्ष तक विधानपरिषद सदस्य और 10 वर्ष तक विधायक रहा हूं। मैं पार्टी नेतृत्व का आभारी हूं। मैं बिहार को विकसित बनाने के लिए नीतीश कुमार के प्रयासों में अपनी भूमिका निभाना चाहता हूं।" उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि यह उनके लिए खुशी की बात है कि नीतीश कुमार भी राज्यसभा जा रहे हैं, जिससे उन्हें "अपने बड़े भाई के साथ काम करने" का अवसर मिलेगा। जब उनसे बिहार के अगले मुख्यमंत्री के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "नीतीश कुमार अब भी राज्य के मुख्यमंत्री हैं और उन्होंने अभी इस्तीफा नहीं दिया है।

सोनोवाल ने भारत के पहले नदी प्रकाशस्तंभों की नींव रखी

गुवाहाटी, फोकस न्यूज, सोनोवाल ने ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे चार प्रकाशस्तंभों की आधारशिला रखी। यह देश में अंतर्देशीय जलमार्ग पर इस प्रकार की पहली अवसंरचना है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री ने नदी के दक्षिणी तट पर डिब्रूगढ़ जिले के बोगीबील, कामरूप महानगरपालिका के पांडू और नागांव जिले के सिलघाट तथा उत्तरी तट पर बिश्वनाथ घाट पर जलस्तंभों की नींव रखी। सोनोवाल ने यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ये चार जलस्तंभ ब्रह्मपुत्र नदी के रणनीतिक बिंदुओं पर स्थित हैं। ब्रह्मपुत्र राष्ट्रीय जलमार्ग–दो है और भारत के सबसे महत्वपूर्ण अंतर्देशीय माल एवं यात्री गलियारों में से एक है। एक बयान के मुताबिक, चार प्रकाशस्तंभ वाली इस परियोजना की कुल लागत 84 करोड़ रुपये होगी। प्रत्येक प्रकाशस्तंभ 20 मीटर ऊंचा होगा, जिसकी भौगोलिक सीमा 14 समुद्री मील और प्रकाशीय सीमा 8–10 समुद्री मील होगी। यह पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित होगा। मंत्री ने कहा कि नौवहन अवसंरचना के साथ–साथ, प्रत्येक स्थल पर एक संग्रहालय, एम्फीथिएटर, कैफेटेरिया, बच्चों के खेलने की जगह, सुव्यवस्थित सार्वजनिक स्थान होंगे, जो प्रत्येक प्रकाशस्तंभ को एक पर्यटन स्थल के साथ–साथ एक उपयोगी समुद्री संपत्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए कोच्चि पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार

कोच्चि, (भाषा) मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार बृहस्पतिवार को कोच्चि पहुंचे, जहां वह पूर्व में जिलाधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। कुमार ने कोच्चि हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद पत्रकारों से मलयालम में बात की। उन्होंने कहा, "हम 22 साल के अंतराल के बाद कोच्चि लौट रहे हैं। मैं अगले दो दिन यहीं रहूंगा।" कार्यक्रम के अनुसार, कुमार बृहस्पतिवार शाम को कोच्चि शहर के विभिन्न हिस्सों का दौरा करेंगे और बाद में रात तक एक होटल में बैठक करेंगे।

स्कूली छात्रों ने त्वचा रोग बताने वाला ऐप विकसित किया

नयी दिल्ली, (भाषा) अहमदाबाद के एक निजी स्कूल के छात्रों ने एआई–आधारित त्वचा स्वास्थ्य जागरूकता ऐप विकसित किया है, जिसने चर्म रोग संबंधी समस्याओं से ग्रस्त ऐसे लगभग 50 लोगों की पहचान की है जिन्हें पेशेवर विशेषज्ञ से परामर्श की आवश्यकता है। स्कूल ने एक बयान में कहा कि ऐप 'डर्मा विजन' को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, क्योंकि इसने इस साल जनवरी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–दिल्ली में आयोजित 'विज्ञानत्रम नेशनल चैम्पियनशिप, 2026' में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में सर्वश्रेष्ठ अभिनव विचार का पुरस्कार जीता है, जिसमें देश के 49 स्कूलों के साथ प्रतिस्पर्धा की गई थी। इसमें कहा गया है कि वास्तविक दुनिया में किए गए परीक्षणों ने नवाचार की विश्वसनीयता और सामाजिक प्रासंगिकता को और मजबूत किया है। महिला दिवस जागरूकता कार्यक्रम के तहत, अहमदाबाद के उद्गमवर्स स्कूलों की शिक्षिकाओं और प्रशासनिक कर्मचारियों सहित 450 से अधिक महिला प्रतिभागियों ने एआई–आधारित त्वचा जांच करवाई। बयान में कहा गया है कि परिणाम महत्वपूर्ण रहे, जिनमें लगभग 50 प्रतिभागियों में त्वचा संबंधी ऐसे लक्षण पाए गए जिनके लिए पेशेवर त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श की आवश्यकता थी। बयान में कहा गया कि इससे शीघ्र जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप के महत्व पर प्रकाश डाला गया है।

8वां केंद्रीय वेतन आयोग
8th Central Pay Commission
mygov मेरी सरकार

8th Central Pay Commission Questionnaire

for Ministries, Departments and UTs

Share your **inputs through an official questionnaire** for Ministries, Departments & UTs & learn more about the 8th Central Pay Commission

To be filled only by **Nodal/Sub-Nodal Officers** from an active **GOV.IN/NIC.IN** email ID

visit: Mygov.in